राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 कनाडा में सिख फॉर जस्टिस पर बैन लगाने की मांग, पीएम जस्टिन.....

ममता बनर्जी ने कसा तंज- मैंने अपने नाम पर कोई सड़क या स्टेडियम नही..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 177 | नई दिल्ली, बुधवार, 08 नवंबर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंग्रेजी की वकालत करने पर राहुल पर कसा तंज

सूरजपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्षेत्रीय भाषाओं और हिन्दी के साथ अंग्रेजी की वकालत करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि देश आजाद हो गया लेकिन इनका अंग्रेजी का भूत नही गया। श्री मोदी ने आज यहां एक चुनावी सभा में कहा कि डाक्टर और इंजीनियर बनने के लिए अब अंग्रेजी की जरूरत नही है। मोदी को लोगो की तकलीफ पता है इसलिए गरीब का बच्चा जिस भाषा में डाक्टर और इंजीनियर बनना चाहता है,उसी भाषा में डाक्टर इंजीनियर बनेगा। उन्होने कहा कि जब डाक्टर मरीज से उसकी भाषा में बात कर उसकी बीमारी को जानता है तो फिर डाक्टर बनने के लिए अंग्रेजी क्यो उसके लिए जरूरी है। उन्होने कहा कि देश में नौ दस करोड़ आदिवासी है लेकिन लम्बे समय तक राज करने वाली कांग्रेस ने कभी उनके बारे में नही सोचा। कांग्रेस के लिए क्योंकि आदिवासियों का कोई वजूद नही था। श्री मोदी ने कहा कि वह गरीबी में जिए है और गरीबी को किताबों में नही पढ़ा है। कांग्रेस केवल गरीबी हटाओं के नारे के साथ वोट लेती रही है। उन्होने गरीबो की चिन्ता की और फिर गरीब कल्याण योजना के तहत पांच वर्ष के लिए मुफ्त राशन योजना को बढ़ाने का निर्णय लिया। श्री मोदी ने अपनी सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जो भी उन्होने लोगो को गारंटी थी सभी को पूरा किया है,यह

मोदी की गारंटी है। उन्होने ओध्या में राम मंदिर के निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभू राम का ननिहाल है इस कारण आपको मोदी को बड़ा आशीर्वाद मिलना चाहिए और चुनाव में भरपूर सीटे भाजपा को मिलनी चाहिए। उन्होने कहा कि एक तरफ इस चुनाव में मोदी का गारंटी वाला घोषणा पत्र है तो दूसरी ओर कांग्रेस का झूठ का। कांग्रेस ने पिछले चुनाव में लम्बे चौडे वादे किए और बाद में सभी वर्ग के साथ विश्वासघात किया। महादेव एप के नाम पर घोटाला किया और युवाओं को सट्टेबाजी को ओर ढ़केला। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि छत्तीसगढ़ सट्टेबाजों का अड्डा कैसे बना। छापों में सुबूत के साथ नोटों का ढ़ेर मिला है। श्री मोदी ने कहा कि घोटाले के सबसे बड़े आरोपी ने टीवी पर आकर मुख्यमंत्री को पांच सौ करोड़ रूपए रिश्वत देने की बात कहीं है,और आप सुबूत मांग रहे है। ऐसे आरोपो से घिरे व्यक्ति को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर एक दिन भी रहने का हक नही है। उन्होने दावा किया इस आरोप के बाद कांग्रेस के दिग्गजों ने भी उनसे किनारा कर लिया है। कोई नही बोल रहा है,उन्होने अपने बच्चों की भलाई के लिए कांग्रेस पार्टी को बदनाम कर दिया। उन्होने कहा कि वह गारंटी देते है कि भाजपा के राज्य में सत्ता में आने पर महादेव घोटाले में दूध का दूध और पानी का पानी कर देंगी और कितना भी बड़ा नाम क्यों न हो,लोगो का जीवन बर्बाद करने वालों ऐसे लोगो को जेल जाकर जिन्दगी गुजारनी पड़ेगी।

मौसम

अधिकतम तापमान 35.6°C

न्यूनतम तापमान 26.9°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	63,184
चांदी	75,600
सेंसेक्स	64,112
निफ्टी	19,150

कांग्रेस के सत्ता में आने पर आतंकवादियों और नक्सलियों के हौसले बुलंद हो जाते हैं : मोदी

सूरजपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद पर अंकुश लगाने में विफलता के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि जब–जब यह पार्टी केंद्र में सत्ता में आती है तब तब आतंकवादियों और नक्सलियों के हौसले बुलंद हो जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिले में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए राज्य में कथित कथित महादेव ऐप सट्टा घोटाले को लेकर कहा कि वह गारंटी देते हैं कि भाजपा इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी तथा कोई कितना भी बड़ा क्यों ना हो, उसे जेल जाकर अपनी जिंदगी गुजारनी होगी। इस मामले में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा 30 टका कक्का, खुले आम सट्टा। राज्य में बघेल काका के नाम से लोकप्रिय हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, कांग्रेस की एक बड़ी नाकामी रही है। जब-जब कांग्रेस केंद्र की सत्ता में आती है तब तब

देश में आतंकवादियों और नक्सलियों की हौसले बुलंद हो जाते हैं। कभी यहां, कभी वहां बम फटने की खबर आती है तो कभी मार-काट की खबर आती है। जिस–जिस राज्य में कांग्रेस सत्ता में होती है वहां अपराध का, लूटपाट का ही राज चलता है। उन्होंने राज्य में नक्सली हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकताओं को याद करते हुए कहा, कांग्रेस सरकार नक्सली हिंसा को काबू करने में असफल रही है। बीते कुछ समय में भाजपा के कई कार्यकताओं को हमसे छीना गया है। अभी कुछ दिनों पहले हमारे साथी को गोली मारकर उसका जीवन खत्म कर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, क्या आपको बम और बंदूक के साये में जीना है? उन्होंने कहा, कितना ही पैसा क्यों ना हो, बेटा शाम को घर न लौटे, बेटे की लाश घर पर आए, तो उस पैसे का आप लोग क्या करेंगे ? इसलिए हर किसी की सुरक्षा बहुत जरूरी है, और इसीलिए कांग्रेस को हटाना भी उतना ही जरूरी है। प्रधानमंत्री ने राज्य में चर्चित महादेव ऐप सट्टा घोटाले को लेकर राज्य सरकार को घेरा और कहा, कांग्रेस ने राज्य के युवाओं को क्या-क्या सपने दिखाए? यहां उन्होंने महादेव के नाम पर भी घोटाला कर दिया। महादेव के नाम पर सट्टेबाजी ऐप घोटाले की चर्चा देश और विदेश में हो रही है। कांग्रेस ने अपनी तिजोरी भरने के लिए आपके बच्चों से सट्टेबाजी करवाई है। क्या आप इन्हें माफ करेंगे ? उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री कार्यालय सट्टेबाजों का अड्डा कैसे बना हुआ था? अब सब लोग कहते हैं, 30 टका कक्का, खुले आम सट्टा। यहां के मुख्यमंत्री के करीबी जेल में बंद हैं। जांच में नोटों के बड़े-बड़े ढेर मिल रहे हैं। एक आदमी टीवी पर आकर कहता है कि उसने मुख्यमंत्री को 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की रिश्वत दी है फिर भी वह वोट मांग रहे हैं। शर्म ही नहीं है इनको। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं गारंटी देता हूं कि महादेव सट्टेबाजी घोटाले में भाजपा दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी। कोई कितना ही बड़ा नाम क्यों ना हो, आपके बच्चों को बर्बाद करने वाले ऐसे लोगों को जेल जाकर जिंदगी गुजारनी पड़ेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के कारण सरगुजा क्षेत्र में त्योहार मनाना कठिन हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए, आदिवासियों का देश में कोई अस्तित्व नहीं है। जब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में थी तो उसकी सोच थी कि आदिवासियों के लिए पैसा खर्च करना बबार्दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सेवा करने के लिए पैदा हुए हैं और लोगों ने उन्हें अपनी सेवा करने के लिए अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि वह तीन दिसंबर को चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण देने सूरजपुर आए हैं। छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होना है। आज 20 सीटों पर पहले चरण का मतदान हो रहा है। अन्य 70 सीटों पर 17 नवंबर को मतदान होगा।

कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को रोकने में विफल रही : प्रधानमंत्री

बिश्रामपुर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को रोकने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जहां भी सत्ता में आती है, वहां अपराध बढ़ जाता है। प्रधानमंत्री ने आज छत्तीसगढ़ के बिश्रामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब-जब कांग्रेस सरकार में आती है, तब-तब देश में आतंकवादियों और नक्सलियों के हौसले बढ़ जाते हैं। जिस-जिस राज्य में कांग्रेस सत्ता में होती है, वहां अपराध और लूटपाट का राज ही चलता है। कांग्रेस सरकार नक्सल हिंसा को काबू करने में विफल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की तुष्टीकरण की नीति के कारण छत्तीसगढ़ के सरगुजा क्षेत्र में त्योहार मनाना कठिन हो गया है। कांग्रेस राज में छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग में मानव तस्करी और नशे का कारोबार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में आदिवासियों की आबादी लगभग 9-10 करोड़ है लेकिन आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस ने कभी उनकी परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस केंद्र में सत्ता में थी, तो उसकी सोच थी कि आदिवासियों के लिए पैसा खर्च करना बबार्दी है। भाजपा ने हमेशा आदिवासी कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। मोदी ने कहा कि आदिवासी समाज के लिए केंद्र सरकार का बजट हमने 5 गुना बढ़ा दिया है। बच्चों की अच्छी पढ़ाई के लिए आदिवासी क्षेत्रों में 500 नए एकलव्य मॉडल स्कूल भी बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में भाजपा सरकार आदिवासी परिवारों को लाखों नए पट्टे दे चुकी है। 9 साल पहले तक जहां मात्र 23 हजार सामुदायिक पट्टे दिए गए थे, वहीं हमने उन्हें 80 हजार से अधिक नए सामुदायिक पट्टे दिए हैं। इसीलिए हर छत्तीसगढ़ी एक ही बात कहता है कि भाजपा आवत है। मोदी ने कहा कि आप कल्पना नहीं कर सकते कि कांग्रेस ने (द्रौपदी मुर्मू को भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति बनने से) रोकने की कितनी कोशिश की, लेकिन यह भाजपा ही थी, जिसने उन्हें यह सम्मान सुनिश्चित किया। प्रधानमंत्री ने सवाल किया कि क्या किसी ने सोचा था कि 'आदिवासी' परिवार से आने वाली एक महिला भारत की राष्ट्रपति बन सकती है।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मोदी हैदराबाद में भाजपा की पिछड़े वर्ग की बैठक में हिस्सा लेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैदराबाद में मंगलवार को बीसी आत्म गौरव सभा (पिछड़ा वर्ग आत्म गौरव सभा) को संबोधित करेंगे। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने कहा कि बैठक में इस बात पर जोर दिया जाएगा कि पिछड़े वर्गों को समान न्याय केवल भाजपा के साथ ही संभव है। कार्यक्रम में अभिनेता से नेता बने और जनसेना पार्टी के संस्थापक पवन कल्याण भी शामिल होंगे। भाजपा और जनसेना दोनों राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दल हैं और तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए दोनों के बीच पहले ही सहमति बन गई है। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 30 नवंबर को होगा। उम्मीद है कि मोदी इस बैठक में भाजपा की इस घोषणा को दोहराएंगे कि अगर तेलंगाना में पार्टी सत्ता में आएगी तो मुख्यमंत्री पिछड़े वर्ग से बनाया जाएगा। समझा जाता है कि पिछड़ी जाति के अपने उम्मीदवार को मुख्यमंत्री बनाने के भाजपा के वादे के खिलाफ कांग्रेस एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की आलोचना के जवाब में मंगलवार को ह्यबीसी आत्म गौरव सभाह्न आयोजित की जा रही है।

मोदी धान खरीद को लेकर किसानों को कर रहे हैं गुमराह : प्रियंका गांधी

कुरूद , एजेंसी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने समर्थन मूल्य पर धान खरीद को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। सुश्री गांधी ने आज यहां एक बड़ी चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीद केन्द्र सरकार द्वारा करने के बयान दे रहे है। अगर केन्द्र सरकार धान की खरीद कर रही है तो उत्तरप्रदेश और दूसरे भाजपा शासित राज्यों में क्यों किसानों को बारह सौ-चौदह सौ में धान बेचना पड़ रहा है। स्वयं मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में फिर क्यों किसान बारह सौ-चौदह सौ में धान बेचने को मजबूर है।उन्होने कहा कि सच यह हैं कि छत्तीसगढ़ में धान की खरीद राज्य की कांग्रेस सरकार कर रही है। उन्होने लोगो से धर्म एवं जाति के नाम से गुमराह करने वालों से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि

चुनाव के समय जज्बात को उभार कर वोट लेने वाले आपका भला नही कर सकते है। देश में सबसे ज्यादा धान की कीमत देने वाला राज्य छत्तीसगढ़ हैं तो सबसे कम बेरोजगारी दर यहां पर है। भाजपा शासित राज्यों का बहुत बुरा हाल है।मध्यप्रदेश में इनकी सरकार ने साढ़े तीन वर्ष में महज 21 रोजगार दिए है। कांग्रेस के छत्तीसगढ़ के चुनावी घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए उन्होने कहा कि पिछली बार हमने जो वादे किए थे वह पूरा किया है और इस बार भी जो वादे किए गए है वह सभी पूरे होंगे। उन्होने कहा कि कांग्रेस का वादे पूरा करने का और भाजपा का वादे कर भूल जाने का ट्रैक रिकार्ड है। उन्होने कहा कि वोट लेकर वादे भुलाने वाले पता नही किस मुंह से फिर वोट मांगने जाते है। महिला आरक्षण पर भी मोदी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इसे लेकर बहुत इवेन्टबाजी हुई लेकिन सच यह है कि 10 वर्ष तो यह लागू ही नही होने वाला है। जाति जनगणना के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरते हुए उन्होने कहा कि हम महिला आरक्षण में ओबीसी की आरक्षण की बात करते है तो ये पीछे हट जाते है। मोदी जी ओबीसी ओबीसी की बात करते रहते है लेकिन जाति जनगणना के नाम पर चुप्पी साध लेते है। बिहार में हुई जाति जनगणना का जिक्र करते हुए उन्होने कहा कि वहां ओबीसी,दलित और आदिवासी 84 प्रतिशत है तो क्या इन वर्गों को उतना प्रतिनिधित्व हर क्षेत्र में मिल रहा है। मीडिया हाउस,बड़े विश्वविद्यालयों के कुलपति,डाक्टर इंजीनियर, सरकार के सचिव इस वर्ग के है।

मिजोरम में 12 बजे तक करीब 33 फीसदी मतदान

आइजोल, एजेंसी

मिजोरम में 40 सीटों वाले विधानसभा के चुनाव के लिए मंगलवार को अपराह्न 12 बजे तक करीब 33 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य मिजोरम में अगले पांच वर्षों के लिए अपने प्रतिनिधियों को चुनने के लिए सुबह सात बजे मतदान शुरू होने के बाद से ही बड़ी संख्या में लोग अपने-अपने मतदान केंद्रों पर कतार में खड़े थे। मतदान शाम चार बजे तक चलेगा। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि अपराह्न 12 बजे तक मतदान प्रतिशत 32.68 रहा। कुछ मतदान केंद्रों को छोड़कर जहां ईवीएम में कुछ तकनीकी खराबी आई थी, मतदान सुचारू रूप से शुरू हो गया। मुख्यमंत्री जोरमथंगा सुबह अपने गृह मतदान केंद्र रामहलुन वेंगलाई पर वोट डालने गए, लेकिन ईवीएम में खराबी के कारण वोट नहीं डाल सके। उन्होंने यहां मतदान अधिकारियों से कहा कि वह बाद में वापस आएंगे। राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने आइजोल दक्षिण-2 में एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) और कांग्रेस सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि भाजपा

23 सीटों पर और आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार चार सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं 27 सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार हैं। राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उच्च तकनीक उपायों के साथ-साथ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भी लागू की गयी है। शांति और व्यवस्था बनाये रखने के लिए 3,000 राज्य पुलिस कर्मियों के अलावा, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 450 इकाइयों को तैनात किया गया है। मतदान प्रक्रिया की निगरानी के लिए 21 सामान्य पर्यवेक्षक, 14 व्यय पर्यवेक्षक और 11 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात किये गये हैं। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि 769 (60 प्रतिशत) मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जा रही है।

विश्वास है कि छत्तीसगढ़ में न्याय युक्त शासन, लोकतंत्र के प्रति भरोसा बरकरार रहेगा : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 20 सीटों पर मतदान आरंभ होने के बाद मंगलवार को लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की और उम्मीद जताई कि प्रदेश में न्याय युक्त शासन तथा लोकतंत्र के प्रति भरोसा बरकरार रहेगा। उन्होंने मिजोरम के मतदाताओं से बदलाव के लिए मतदान करने का आह्वान किया। खरगे ने एक्स पोस्ट किया, छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया! आज छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम चरण का मतदान शुरू हो चुका है। हमारी हर मतदाता से, खासतौर से पहली बार वोट देने वाले युवाओं से अपील है कि वोट जरूर करें। उन्होंने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि छत्तीसगढ़ में न्याय युक्त शासन रहेगा और लोकतंत्र के प्रति भरोसा बरकरार रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मिजोरम के लोग अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों, भूमि, जंगल और मिजो जीवन शैली की रक्षा करना चाहते हैं। वे शांतिपूर्ण, स्थिर, विकासोन्मुख सरकार चाहते हैं। आज इसे चुनने का समय आ गया है। खरगे ने यह भी कहा, ह्यह्यबेहतर भविष्य के वास्ते इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पहली बार के मतदाताओं का स्वागत है। मिजोरम की हमारी बहनों और भाइयों से बड़ी संख्या में भाग लेने और बदलाव लाने का आग्रह है। छत्तीसगढ़ की 90 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव के पहले चरण में मंगलवार को 20 सीटों पर मतदान हो रहा है। मिजोरम की सभी 40 विधानसभा सीटों के लिए मंगलवार को मतदान जारी है। मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

राइफल रूस-यूक्रेन संघर्ष का असर, अमेठी में शुरू नहीं हुआ एके-203 असॉल्ट राइफल का उत्पादन.....

अपनी जरूरत पूरी करने के लिए मौजूदा इंसास राइफल को ही अपग्रेड करेगी सेना

- भारतीय सेना को तत्काल 2 लाख प्राथमिक 7.6251 मिमी असॉल्ट राइफल की सख्त जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के चलते उत्तर प्रदेश के अमेठी में एके-203 असॉल्ट राइफल का पूरी तरह उत्पादन शुरू नहीं हो सका है। इसलिए भारतीय सेना ने 2 लाख प्राथमिक 7.6251 मिमी असॉल्ट राइफल की सख्त जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी मौजूदा इंसास राइफल को अपग्रेड करने का फैसला लिया है। भारतीय सेना इसे कई युद्धाभ्यासों में शुरूआती परीक्षण के तौर पर भी इस्तेमाल कर रही है। रूस के सहयोग से उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित कोरवा ऑर्डिनेंस फैक्टरी में एके-203 राइफलों का निर्माण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 03 मार्च, 2019 को इस योजना का औपचारिक उद्घाटन किया था। अमेठी के कोरवा आयुध कारखाने में 6.71 लाख 7.62 मिमी. कलाशनिकोव एके-203 असॉल्ट राइफल का उत्पादन किया जाना था लेकिन फिलहाल पहले बैच का ही उत्पादन किया गया है। इन राइफलों का अभी तक परीक्षण भी नहीं हुआ है, जिससे यह सेना को मिल सकें। इस बीच यूक्रेन के साथ 20 महीने से चल रहे युद्ध में रूस की व्यस्तता के कारण भारत में रूसी मूल की एके 203 असॉल्ट राइफलों का उत्पादन निर्धारित समय से पीछे चल रहा है। इसलिए सेना ने नई राइफल की प्रतीक्षा करने के बजाय अपनी जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी मौजूदा इंसास राइफल को अपग्रेड करने का फैसला लिया है। भारत के स्टार एयरोस्पेस ने इंसास राइफलों को अपग्रेड करने का प्रस्ताव दिया है।

इन बंदूकों का अपग्रेडेड वर्जन पहले से ही अर्धसैनिक और राज्य पुलिस के साथ सेवा में है। साथ ही भारतीय सेना भी कई युद्धाभ्यासों में शुरूआती परीक्षण के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। इन बंदूकों में बट स्टॉक, पिस्टल ग्रिप, हैंड गार्ड, स्लिंग, माउंटिंग ऑप्टिकल साइट्स और लोअर पिकाटिननी रेल के लिए अटैचमेंट शामिल करके सेना के मुताबिक अपग्रेड किया जाना है। इंसास राइफलों को ही अपग्रेड करने से नई बंदूक खरीदने का खर्च बचेगा और साथ ही किसी भी तरह के प्रशिक्षण की आवश्यकता भी नहीं होगी। इसलिए सेना ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए इंसास राइफलों को ही अपग्रेड करने का फैसला लिया है। दरअसल, भारतीय सशस्त्र बलों में राइफलों की कमी को पूरा करने के लिए फरवरी, 2019 में अमेरिका निर्मित 7.62 ७ 51 मिमी कैलिबर की 72,400 एसआईजी सॉयर 716 राइफलें खरीदी गईं थीं। इसमें से सेना को 66,400, भारतीय वायु सेना को 4,000 और नौसेना को 2,000 राइफलें दी गईं थीं। इन असॉल्ट राइफलों में कश्मीर और पूर्वोत्तर में नियंत्रण रेखा के साथ-साथ आतंकवाद विरोधी अभियानों में उपयोग के दौरान कई 'गड़बड़ियां' सामने आई हैं। भारतीय सेनाओं के पास मौजूदा समय में लगभग 20 लाख हथियार उपयोग में हैं। भारतीय सेना विभिन्न प्रकार की असॉल्ट राइफलों का उपयोग करती है, इनमें इंसास (इंडियन स्मॉल आर्म्स सिस्टम), एके-47, सिग सॉयर 716 और टावर बंदूकें हैं। छोटे हथियारों की सूची में लगभग 10 लाख इंसास राइफलें बड़ा हिस्सा हैं। रक्षा अधिकारियों का कहना है कि देश की पूर्वी और उत्तरी सीमाओं पर उभरते क्षेत्रीय खतरों और अनिश्चित आंतरिक सुरक्षा स्थिति के दौरान मौजूदा इंसास राइफल को अपग्रेड करना परिचालन के लिहाज से व्यावहारिक और लागत प्रभावी समाधान है। इसके अलावा भारतीय सैनिकों इंसास राइफल चलाने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित किया जाता है। इसलिए सैन्य योजनाकारों ने नए हथियारों की प्रतीक्षा करने के बजाय इंसास राइफलों की अपनी मौजूदा सूची को अपग्रेड करने की योजना पर काम किया है। रक्षा अधिकारियों का मानना है कि सेना में प्रशिक्षण की किसी और आवश्यकता के बिना हथियार की मारक क्षमता उसके वजन में न्यूनतम बदलाव के साथ बरकरार रहनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

सड़क पर निर्माण सामग्री डालने पर पांच हजार का चालान

अल्मोड़ा, एजेंसी। माल रोड पर निर्माण सामग्री डालने वाले ठेकेदार का पुलिस ने पांच हजार रुपये का चालान किया है। दरअसल माल रोड पर निर्माण सामग्री डालने से यहां आए दिन जाम लग रहा था। बीते रविवार देर रात निर्माण सामग्री डालने से लगे जाम में गर्भवती को अस्पताल ले जा रही एक एबुलेंस फंस गई। संवाद न्यूज एजेंसी ने इस मामले को प्रमुखता से उठाया था। खबर का संज्ञान लेते हुए हरकत में आई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संबंधित ठेकेदार का पांच हजार का चालान काटा और सड़क से निर्माण सामग्री हटाने के निर्देश दिए। कोतवाल अरुण कुमार ने कहा कि सड़क पर निर्माण सामग्री डालने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। एसएसपी रामचंद्र राजगुरु ने कहा आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाने का प्रयास रहेगा।

सड़क हादसे में बाइक पर लिफ्ट मांगकर जा रहे युवक की मौत

काशीपुर, एजेंसी। काशीपुर के बरखेड़ा निवासी आलम की दिनेशपुर थाना क्षेत्र के शिवपुर में हेयर ड्रेसर की दुकान है। रविवार रात वह बाइक से घर जा रहा था। इसी दौरान शिवपुर निवासी अर्जुन राय (30) ने आलम से लिफ्ट ली थी। दोनों बाइक से धौलपुर के पास एनएच पर पहुंचे थे कि काशीपुर की ओर से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए, जबकि ट्रक में बाइक फंस गई। हादसे के बाद चालक ट्रक में फंसी बाइक को घसीटता हुआ कुछ दूर तक ले गया। स्थानीय लोगों ने ट्रक को रुकवाकर पुलिस और 108 एंबुलेंस को घटना की सूचना दी। जानकारी के अनुसार गुस्साए लोगों ने ट्रक में तोड़फोड़ की कोशिश भी की थी। इसी दौरान मौका देखकर चालक ट्रक लेकर रुद्रपुर की ओर से भाग निकला, जिसे पुलिस ने इंद्रा चौक पर पकड़ लिया। दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टर ने अर्जुन को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर एसआई अशोक कुमार ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। इधर घायल आलम को परिजन इलाज के लिए काशीपुर ले गए हैं। आलम के पैर और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। वहीं पुलिस की सूचना के बाद परिजन भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। मृतक तीन भाईयों में सबसे बड़ा था और मजदूरी करता था।

पोर्टल में पंजीकरण, खाते में एक धेला नहीं

रुद्रपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रदेश में सबसे ज्यादा पंजीकरण का लक्ष्य हासिल करने वाले यूएस नगर जिले में अभी तक 7407 गर्भवती व धात्री महिलाओं के खातों में राशि नहीं पहुंची है। इससे महिलाओं में सरकार की योजना से मोह भंग हो रहा है।पीएम मातृ वंदना योजना में केंद्र सरकार की ओर से गर्भवती महिलाओं को पहले बच्चे के जन्म पर पांच हजार रुपये की राशि खाते में डाली जाती है। लेकिन चार महीने निकलने के बाद भी भारत सरकार की ओर से लाभार्थियों को कोई लाभ नहीं दिया गया जबकि इस वर्ष पीएम मातृ वंदना योजना में केंद्र सरकार ने बदलाव भी किए हैं। महिलाओं के दूसरी बार में बेटी होने पर उन्हें छह हजार रुपये राशि देने का प्रावधान है।पंजीकरण- पीएम मातृ वंदना पोर्टल में पहली बार 5573 गर्भवती महिलाएं व दूसरे बार गर्भवती के 1834 महिलाएं पंजीकृत हैं। पोर्टल में कुल 7407 गर्भवती व धात्री महिलाएं पंजीकृत हुई हैं।

आम सभा सुनसान थी, बस खामोशी बोलती रही

रुद्रपुर, एजेंसी। एसबीएस डिग्री कॉलेज में छात्र संघ चुनाव की आम सभा प्रत्याशियों और विद्यार्थियों के नहीं पहुंचने पर रद्द कर दी गई। प्रत्याशियों ने न तो अपनी बात रखने की जरूरत समझी और न ही विद्यार्थियों ने उनकी बात सुनने में दिलचस्पी ली। इस कारण सभा स्थल पर सुनसानी छायी रही। पिछले साल भी इसी वजह से आम सभा नहीं हो सकी थी। मंगलवार को होने वाले चुनाव में कुल 5694 वोट चार पदों के लिए खड़े आठ प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। सोमवार को कॉलेज परिसर में आयोजित आम सभा के लिए बनाया गया मंच और माइक प्रत्याशियों के नहीं आने पर सूना पड़ा रहा। प्राचार्य डॉ. डीसी पंत ने बताया कि सुबह नौ बजे से दो बजे तक मतदान होगा और तीन बजे से तीन बजे से मतगणना शुरू की जाएगी। मतगणना पूरी होते ही परिणाम घोषित कर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई जाएगी। बताया कि मतदान के लिए 14 बूथ बनाए गए हैं। निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए मतगणना कक्ष में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। प्राचार्य कक्ष से सीसीटीवी के जरिये मतगणना पर नजर रखी जाएगी।

बिजली कटौती से व्यापारियों में आक्रोश, एसई को ज्ञापन सौंप आंदोलन की चेतावनी दी

रुद्रपुर, एजेंसी। त्योहारी सीजन पर हो रही बिजली कटौती से परेशान व्यापारियों ने ऊर्जा निगम के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने अधीक्षण अभियंता का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कटौती नहीं रुकने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। सोमवार को प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जुनेजा की अगुवाई में एसई कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने एसई शेखर त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपकर कहा कि त्योहारी सीजन के शुरुआत में ही अघोषित बिजली कटौती होने से व्यापारी और ग्राहक दोनों परेशान हैं। कहा कि रोशनी का त्योहार से पहले बाजारों और कई वार्ड में अंधेरा छाया हुआ है। आए दिन पांच से आठ घंटे की कटौती से व्यापारियों को लाखों का नुकसान हो रहा है। व्यापारियों ने कटौती की समस्या से निजात नहीं मिलने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

पुताई का काम करते हुए पेंटर ने कर दिया जेवरों पर हाथ साफ

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी में पेंट करने के दौरान एक घर से चोरी के आरोपी को मुखानी पुलिस ने माल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से चोरी किया गया सामान भी जब्त कर लिया। मुखानी थाना क्षेत्र से पेंट करने के दौरान एक घर से चोरी के आरोपी को मुखानी पुलिस ने माल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से चोरी किया गया सामान भी जब्त कर लिया। सांई कॉलोनी लालपुर नायक निवासी निशा बिष्ट ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उसने पेंटर को पेंट करने के लिए बुलाया था। इस दौरान उसने उसके जेवर चोरी कर लिए। शिकायत के बाद मुखानी थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक ने इसकी जांच एसआई संजीत राठौर को सौंपी। पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से अजय यादव पुत्र राजेश यादव (23) निवासी गोविन्दपुर गरवाल निवासी कान्हा बिहार को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी किए गए सोने के टॉप्स, लटकन, कान की बाली और पुराना बिजली का बिल भी बरामद कर लिया है। चोरों ने रविवार रात जजी कोर्ट के निकट एक दुकान का ताला तोड़कर नकदी और अन्य सामान चोरी कर लिया। दुकान स्वामी मोहन सिंह ने पुलिस को बताया कि फुलारा पान भंडार के नाम से उनकी दुकान है।

आर्टिफिशियल फूलों की भरमार, खीले-खिलौनों के नहीं बढ़े दाम, आकर्षक ऑफर की भरमार

नैनीताल, एजेंसी। 10 नवंबर को धनतेरस और 12 को दीपावली मनाई जाएगी। त्योहार को लेकर बाजार सज गया है। ग्राहकों को लुभाने के लिए आकर्षक ऑफर भी दिए जा रहे हैं। खासकर धनतेरस को लेकर बर्तन बाजार में काफी रौनक दिखाई दे रही है।

दीपावली का त्योहार करीब है। 10 नवंबर को धनतेरस और 12 को दीपावली मनाई जाएगी। त्योहार को लेकर बाजार सज गया है। ग्राहकों को लुभाने के लिए आकर्षक ऑफर भी दिए जा रहे हैं। खासकर धनतेरस को लेकर बर्तन बाजार में काफी रौनक दिखाई दे रही है। लोगों ने अभी से खरीदारी शुरू कर दी है। पूजाघर से लेकर रसोई का सामान लेने सुबह से ही लोग बर्तन बाजार में उमड़ रहे हैं। प्लास्टिक और एल्युमिनियम के बजाय इस बार स्टील और तांबे के बर्तनों की डिमांड काफी ज्यादा है।

कई दुकानदार ग्राहकों को आकर्षक ऑफर दे रहे है। ब्रांडेड स्टील कूकर की कीमत दो हजार रुपये से शुरू है जबकि साधारण कूकर 1500 रुपये में उपलब्ध हैं। इसके अलावा तांबे की बोतल, जग, फिल्टर की खरीद भी जोरो पर है। नल लगा तांबे का चार लीटर का फिल्टर एक हजार और 20 लीटर का 2800 रुपये में मिल रहा है। मंदिर के लिए लोग पीतल की मूर्तियां, सिंहासन आदि भी खरीद रहे हैं।

पटेल चौके बर्तन व्यवसायी राजीव अग्रवाल के अनुसार, तांबे, पीतल और स्टील के बर्तन की खरीदारी ज्यादा है, जबकि एल्युमिनियम की कम। पटेल चौक के कारोबारी विभोर अग्रवाल और कालाढूंगी रोड पर बर्तन कारोबारी दिनेश चौधरी ने बताया कि इस बार बर्तनों की काफी वैरायटी आई हैं।

आभूषणों की दुकान पर इस समय देवी-देवताओं की चांदी की मूर्तियों की काफी डिमांड है। पूजा स्थल के लिए लोग चांदी के कटोरे, चम्मच, छोटे गिलास, प्लेट खरीद रहे हैं। लोगों ने अभी से चांदी की मूर्तियों के आर्डर दे दिए हैं। अकेले हल्द्वानी में 200 से अधिक आभूषणों की दुकानें हैं। ग्रीन सिटी सर्राफा एवं स्वर्णकार एसोसिएशन के अध्यक्ष और ज्वैलर्स घनश्याम रस्तोगी ने बताया कि होलमार्क का चांदी का सिक्का 10 ग्राम का 800 रुपये में और पांच ग्राम का 400 रुपये में मिल रहा है। डिमांड पर उन्होंने मुंबई कोल्हापुर से लक्ष्मी, गणेश की मूर्तियां मंगवाई हैं।

बाजार में खीले, खिलौने और बताशों की भी खरीद हो रही है। खीले-खिलौने और बताशे 80 रुपये किलो बिक रहे हैं। गुड़, रेवड़ी की खरीद भी काफी है।

पंतनगर विवि दीक्षांत समारोहः राज्यपाल ने पं. गोविंद बल्लभ पंत को दी श्रद्धांजलि

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी, भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत की स्मृति में, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय किया गया।

पंतनगर विवि के 35वां दीक्षांत समारोह में पहुंचे राज्यपाल गुरमीत सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी, भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत की स्मृति में, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय किया गया। स्वर्गीय पंत ने इस विश्वविद्यालय के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दिया था, ये उनकी दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि आज यह विश्वविद्यालय देश व विदेश में प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में विख्यात है। आज इस अवसर पर, मैं उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

देश में हरित क्रांति लाने में इस विश्वविद्यालय का विशेष योगदान रहा है, जिसके फलस्वरूप हमारा देश Food Grain Production में न सिर्फ आत्मनिर्भर बना है, बल्कि आज हम कृषि उपज के प्रमुख निर्यातकों में से एक हैं। मैं, आप सभी छात्र-छात्राओं को जिन्हें आज उपाधियों से विभूषित किया जा रहा है हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं विश्वविद्यालय के शिक्षकगण और आपके अभिभावकों को भी हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि आज उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी भारत जैसे विविधतापूर्ण एव गतिशील देश की विरासत को और अधिक समृद्ध और भविष्य को और अधिक सशक्त बनाने में अपना योगदान देंगे।

उन्होंने आगे कहा कि आज आप अथक परिश्रम के बाद, डिग्रियों एवं मेडल्स को प्राप्त कर उत्साह से भरे हुए है। आज आप अपने ज्ञान, बुद्धि एवं मूल्यों के द्वारा अपने समाज को और अधिक उन्नत करने का प्रण भी ले रहे हैं। शिक्षा केवल डिग्री ले लेना ही नहीं है, बल्कि यह आत्म ज्ञान की प्राप्ति, सशक्तिकरण एवं परिवर्तन का माध्यम भी है। शिक्षा आपके जीवनयापन का माध्यम ही नहीं है, बल्कि यह देश के कल्याण के लिए भी बेहद अहम है।

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की बुद्धिमता एवं उनके चरित्र का विकास होता है। इस अवसर पर, मैं यहां की फैकल्टी द्वारा आपके बौद्धिक विकास तथा आपको भविष्य की चुनौतियों को तैयार करने के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा प्रिय विद्यार्थियों, यह हमारा सौभाग्य है कि हम आज ऐसे भारत के साक्षी बन रहे हैं, जो ज्ञान, विज्ञान, कला, अर्थव्यवस्था, तकनीकी हर क्षेत्र में आगे बढ़कर दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। अभी दो माह पूर्व ही हमारे चन्द्रयान ने चन्द्रमा पर सफल लैंडिंग की है। जी-20 का सफल आयोजन कर, हमने भारत की यशकीर्ति को दुनिया में फैलते हुए स्वयं देखा है। इतिहास में पहली बार एशियन गेम्स में हमें 100 से अधिक मेडल प्राप्त हुए।

उत्तराखंड में चल रहे हैं अवैध मदरसे, रिपोर्ट में हुआ चौकाने वाला खुलासा; सीएम धामी सख्त

नैनीताल, एजेंसी। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती वीरभट्ट मे अवैध तरीके से संचालित मदरसे में बच्चों के उत्पीड़न व शोषण के बाद प्रदेश में मदरसों के सर्वेक्षण की चौंकाने वाली रिपोर्ट आई है। रिपोर्ट में साफ है कि नैनीताल जिले में मदरसा सिराजुल उलूम नूरिया मोहम्मद गुलर घट्टी रामनगर ही एक मात्र उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद देहरादून से पंजीकृत हैं।

अन्य नैनीताल, हल्द्वानी में संचालित मदरसे शिक्षा परिषद से संबद्ध नहीं हैं, साफ है कि अवैध रूप से चल रहे हैं। यह भी तथ्य आया है कि मदरसों में पूरे प्रदेश में करीब आठ सौ गैर मुस्लिम बच्चे पढ़ रहे हैं। दावा है कि गैर मुस्लिम बच्चे अभिभावकों की इच्छा से पढ़ रहे हैं।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश में मदरसों का सर्वेक्षण कराया गया था। मदरसा शिक्षा परिषद की रिपोर्ट के अनुसार जिले के रामनगर के गुलर घाटी में एकमात्र मदरसे में 113 बच्चे अध्ययनरत हैं।

रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में मदरसा शिक्षा परिषद से पंजीकृत 30 मदरसों में 7399 बच्चे अध्ययनरत हैं। नैनीताल जिले के रामनगर के अलावा अन्य मदरसा नहीं है, जबकि जानकारों के अनुसार नैनीताल,

हल्द्वानी व रामनगर में मदरसों का संचालन हो रहा है, जो सोसाइटी एक्ट में तो पंजीकृत हैं, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह किस फंड से संचालित हो रहे हैं।

मदरसा चौधरी शमशुद्दीन मेमोरियल स्कूल बाजपुर, जामिया नूरिया रजाए मुस्तुफा गणेशपुर बाजपुर, मदरसा साबिर बाबा साहब वार्ड नंबर-तीन, केलाखेड़ा, जामिया इस्लामियां जसपुर, एमआइ न्यू इंडिया माडर्न जूनियर हाइस्कूल मोहल्ला नई बस्ती जसपुर, मदरसा एस आर इस्लामियां स्कूल डांग बंगला जसपुर तथा साबिर हुसैन इस्लामियां मदरसा खेड़ा लक्ष्मीपुर, जसपुर।

नैनीताल के अधिवक्ता नितिन कार्की का आरोप है कि जिले में नैनीताल, हल्द्वानी में अवैध रूप से मदरसो संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नैनीताल में भी एक से अधिक मदरसे हैं, जिनका पंजीकरण नहीं है, और सोसाइटी एक्ट में भी पंजीकरण रिनुअल नहीं हुआ है। सोसाइटी एक्ट से मजहबी शिक्षा नहीं दी सकती। उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम से मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि प्रशासन को इसकी जांच करनी चाहिए।

उत्तराखंड हाईकोर्ट सख्तः सांस्कृतिक सचिव पद पर मोहित कुमार का नामांकन वैध घोषित

नैनीताल, एजेंसी। हाईकोर्ट ने रामनगर में पीएनजी पीजी कॉलेज के छात्रसंघ चुनाव में सांस्कृतिक सचिव के पद के लिए मोहित कुमार का नामांकन की दोबारा जांच के बाद वैध घोषित कर दिया गया है।

उच्च न्यायालय ने रामनगर में पीएनजी पीजी कॉलेज के छात्रसंघ चुनाव में सांस्कृतिक सचिव के पद के लिए मोहित कुमार का नामांकन की दोबारा जांच के बाद वैध घोषित कर दिया गया है।

हाईकोर्ट ने मोहित के नामांकन को खारिज किए जाने के आदेश को प्रथम दृष्टया गलत ठहराते हुए कॉलेज प्रशासन को 2 घंटे में सोमवार शाम 5 बजे तक फिर से मोहित के नामांकन की जांच कर कोर्ट को सूचित करने के आदेश दिए थे। याची का तर्क था कि लिंगदोह कमेटी के नियमों के तहत प्रत्याशी सभी अर्हताएं रखता है। याचिककर्ता के अनुसार लिंगदोह कमेटी, छात्रसंघ संविधान के तहत प्रधानाचार्य शिकायत निवारण प्रकोष्ठ के अपीलीय अधिकारी हैं, वो स्वयं नामांकन खारिज नहीं कर सकते जबकि नामांकन को इस आधार पर खारिज किया गया था कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग के प्रमाणपत्र याची ने नहीं लगाए। हकीकत में संगीत की डिग्री सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सभी दस्तावेज दिखाने के बाद उसके नामांकन फार्म को इस पद के लिए स्वीकार किया गया था।

हाईकोर्ट के आदेश पर कॉलेज प्रशासन ने सोमवार शाम आपात बैठक कर मोहित कुमार के नामांकन की फिर से जांच की और नामांकन वैध घोषित किया गया और हाईकोर्ट को सूचना दी गई। इसके बाद जस्टिस राकेश थपलियाल की एकलपीठ ने याचिका को निस्तारित कर दिया।

मांस के टुकड़े कर रहे थे आरोपीः 196 किलो प्रतिबंधित मांस के साथ दो धरे

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। गांव गुलड़िया में गन्ने के खेत से 196 किलो प्रतिबंधित मांस के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने गांव गुलड़िया में गन्ने के खेत से 196 किलो प्रतिबंधित मांस के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। गौ संरक्षण स्क्वायड के कांस्टेबल संजय कुमार ने आईटीआई थाना पुलिस को सूचना दी कि गुलड़िया गांव में कुछ लोग गोकशी कर रहे हैं। इस पर आईटीआई थाना पुलिस ने छापा मारा तो मौके पर मौजूद कुछ व्यक्ति किसी पशु के मांस के टुकड़े बना रहे थे। आरोपी भागने लगे तो पुलिस ने घेराबंदी कर दो लोगों को पकड़ लिया।

उन्होंने अपना नाम मोहसिन और इरशाद उर्फ भूरा बताया। चार अन्य व्यक्ति मंसूर, फिरोज, सावेज आलम उर्फ लुक्का और साहने आलम उर्फ गुंजा निवासी ठाकुरद्वारा भाग निकले। पुलिस ने मौके से करीब 196 किलो प्रतिबंधित मांस और औजार बरामद किए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस टीम में पैगा चौकी इंचार्ज जितेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल दीवान नाथ, कांस्टेबल शैलेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार, संजय कुमार, राजकुमार, बलवंत सिंह शामिल रहे।

पुलभट्टा पुलिस ने वाहन चेकिंग में बहेड़ी बार्डर पर टुकटुक से 60 किलो मांस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार तस्लीम निवासी चारबीघा वार्ड 18 थाना पुलभट्टा को भैंस के 60 किलो अवैध मांस के साथ गिरफ्तार किया। इस दौरान टुकटुक में सवार व्यक्ति भाग गया। पुलिस के अनुसार तस्लीम ने साकिर निवासी इंद्रानगर सिरौलीकलां के घर में अवैध रूप से भैंस को काटा था। बाकी मांस इन लोगो ने मोहल्ले में ही बेच दिया और शेष मांस को बेचने के लिए टुकटुक से बहेड़ी जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बिजली कटौती से व्यापारियों में आक्रोश

रुद्रपुर। त्योहारी सीजन पर हो रही बिजली कटौती से परेशान व्यापारियों ने ऊर्जा निगम के अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने अधीक्षण अभियंता का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कटौती नहीं रुकने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। सोमवार को प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जुनेजा की अगुवाई में एसई कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने एसई शेखर त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपकर कहा कि त्योहारी सीजन के शुरुआत में ही अघोषित बिजली कटौती होने से व्यापारी और ग्राहक दोनों परेशान हैं। कहा कि रोशनी का त्योहार से पहले बाजारों और कई वार्ड में अंधेरा छाया हुआ है। आए दिन पांच से आठ घंटे की कटौती से व्यापारियों को लाखों का नुकसान हो रहा है। व्यापारियों ने कटौती की समस्या से निजात नहीं मिलने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। वहां पवन गाबा, विनोद अनेजा, राजकुमार सिकरी, अंकित पाल, महेन्द्र कोली, राकेश अधिकारी, जितेंद्र कुमार, प्रकाश पाल, महेशपाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। दिवाली के मौके पर कटौती

राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा, झोली में हैं 19 पदक

नैनीताल, एजेंसी। 37वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए 19 पदक हासिल कर लिए हैं। गुजरात में आयोजित हुए 36वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने कुल 18 पदक जीते थे। इसमें एक स्वर्ण, आठ रजत व नौ कांस्य पदक शामिल हैं।

गोवा में चल रहे 37वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ते हुए 19 पदक हासिल कर लिए हैं। गुजरात में आयोजित हुए 36वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने कुल 18 पदक जीते थे। इसमें एक स्वर्ण, आठ रजत व नौ कांस्य पदक शामिल हैं।

37वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के 240 खिलाड़ियों ने क्याकिंग-कैनो, साइकिलिंग, वुशू, जूडो, बॉक्सिंग समेत 25 खेलों में भाग लिया है। अभी तक उत्तराखंड ने तीन स्वर्ण, पांच रजत और 11 कांस्य पदक हासिल कर लिए हैं। उत्तरांचल ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ. डीके सिंह ने बताया कि गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड को सिर्फ 18 पदक मिले थे। गोवा नेशनल में 19 पदक हो चुके हैं, अभी और पदक आने की उम्मीद है।

अभी तक पेंचक सिलाट और एथलेटिक्स खेल में प्रदेश की झोली में तीन स्वर्ण पदक गिरे हैं। वहीं बैडमिंटन, ताइक्कांडो, कयाकिंग-कैनो, एथलेटिक्स व जूडो में पांच रजत पदक आ चुके हैं। इसके साथ ही ताइक्कांडो, वुशू, जिम्नास्टिक समेत अन्य खेलों में 11 कांस्य पदक हासिल कर लिए हैं। बताया कि 36वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड की 26वीं पोजीशन थी तो वहीं 37वें राष्ट्रीय खेल में 24 पोजीशन हो चुकी है।

उत्तराखंड की टीम में मिनी गोल्फ खेल में सबसे अधिक 20 खिलाड़ी मौजूद हैं, लेकिन इसी खेल के पदक उत्तराखंड की तालिका में नहीं जोड़े जाएंगे। दरअसल, राष्ट्रीय खेलों में पहली बार शामिल हुए मिनी गोल्फ को सिर्फ प्रदर्शनी खेल में रखा गया है। टीम ने मिनी गोल्फ में एक स्वर्ण समेत दो कांस्य पदक हासिल किया है। लेकिन उत्तराखंड की पदक तालिका में इन्हें शामिल नहीं किया गया।

राजकीय महाविद्यालय पतलोट में निर्विरोध चुना गया छात्र संघ, सात पदों पर एक-एक प्रत्याशी ने ही कराया था नामांकन

नैनीताल, एजेंसी। राजकीय महाविद्यालय पतलोट में मंगलवार को छात्र संघ का चुनाव निर्विरोध निर्वाचित हुआ। छात्र संघ के सात पदों पर एक-एक प्रत्याशी के ही मैदान में होने के चलते बिना चुनाव के ही छात्रसंघ का गठन हुआ।

ओखलकांडा ब्लॉक के राजकीय महाविद्यालय पतलोट में मंगलवार को छात्र संघ का चुनाव निर्विरोध निर्वाचित हुआ। छात्र संघ के सात पदों पर एक-एक प्रत्याशी के ही मैदान में होने के चलते बिना चुनाव के ही छात्रसंघ का गठन हुआ।

छात्र संघ अध्यक्ष ललित सिंह, उपाध्यक्ष हिमांशी पनेरू, सचिव पूजा पनेरू, संयुक्त सचिव महिपाल सिंह, कोषाध्यक्ष प्रेमा बिष्ट, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि इंदू मटियाली और सांस्कृतिक सचिव के पद पर उमा भट्ट निर्वाचित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जीएस यादव ने निर्वाचित छात्रसंघ के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। छात्र संघ के सभी पदाधिकारियों ने महाविद्यालय में पुस्कालय, प्रवक्ताओं की नियुक्ति और विभिन्न विषयों को खोलने के लिए सरकार, शिक्षा मंत्री और कुलपति से जल्द वार्ता कर समस्याओं को हल कराने की बात कहीं।

इस दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. देवेंद्र लाल, डॉ. विमला सिंह, डॉ. रेखा मेहरा, डॉ. महेश कुमार, डॉ. बीना, महिपाल सिंह, हेमचंद्र जोशी, हेमचंद्र कांडपाल, हेमा गोस्वामी, चंद्र प्रकाश कुड़ाई मौजूद रहे।

प्रदेश में सितंबर में ज्यादा आए भूकंप, एनसीएस की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नैनीताल, एजेंसी। सितंबर का महीना उत्तराखंड के लिए बेहद संवेदनशील रहा है। इस महीने में राज्य में सबसे अधिक भूकंप आए थे। अक्तूबर के महीने में भी कई बार धरती हिल चुकी है। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी की रिपोर्ट में सामने आयी है।भूकंप की दृष्टि से सितंबर का महीना उत्तराखंड के लिए बेहद संवेदनशील रहा है। इस महीने में राज्य में सबसे अधिक भूकंप आए थे। अक्तूबर के महीने में भी कई बार धरती हिल चुकी है। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी की रिपोर्ट में सामने आयी है।नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी की रिपोर्ट आन रियल टाइम अर्थक्वेक लोकेशन के अनुसार, देश की बात की जाए तो एक सितंबर से 30 सितंबर तक 48 भूकंप देश में आए थे। इनमें सर्वाधिक भूकंप उत्तराखंड में आठ रिपोर्ट हुए हैं। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश में पांच और तीसरे नंबर पर हरियाणा रहा है, जहां चार बार भूंकप आया। इनमें 18 भूकंप उत्तर और 16 उत्तर-पूर्व में क्षेत्र में आए हैं। अक्तूबर के महीने में भी कई भूकंप आ चुके हैं।सितंबर की तुलना में अक्तूबर में स्थिति ठीक रही है। अक्तूबर में चार भूकंप आए। इनमें 18 अक्तूबर को पिथौरागढ़ में भूकंप आया था, इसकी तीव्रता 3.8 थी। 20 अक्तूबर को बागेश्वर में 2.3 तीव्रता के भूकंप से धरती में हलचल हुई। दस दिन बाद 30 अक्तूबर को चमोली में 1.6 तीव्रता का भूकंप आया। इसके एक दिन बाद 31 अक्तूबर को बागेश्वर में 1.6 भूकंप रिपोर्ट हुआ। इसी महीने एक नवंबर को चमोली में 2.1 तीव्रता का भूकंप आ चुका है।

एमसीडी में आप की सरकार अपने कर्मचारियों को दीपावली पर देगी बोनस का तोहफा:अरविंद केजरीवाल

एमसीडी में पिछले तीन साल से लगातार काम कर रहे कच्चे कर्मचारियों को 1200 रुपए बोनस दिया जाएगा- अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। एमसीडी की आप सरकार अपने कर्मचारियों को दीपावली पर बोनस देने का निर्णय लिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने दीपावली की शुभकमनाएं देते हुए कहा कि दीपावली पर निगम के सभी ग्रुप डी, ग्रुप सी और ग्रुप बी नॉन गजेटेड कर्मचारियों को 7-7 हजार रुपए बोनस दिया जाएगा, जबकि पिछले तीन साल से काम कर रहे कच्चे कर्मचारियों को 1200 रुपए मिलेगा। उन्होंने कहा कि जबसे एमसीडी में हमारी सरकार बनी है, लगातार अच्छे काम हो रहे हैं। 14 साल बाद अब सभी कर्मचारियों को समय पर तनख्वाह मिलने लगी है। निगम के सभी कर्मचारी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। आपका ये भाई जब तक बेठक है, आपको किसी बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद एक के बाद एक अच्छे काम हो रहे हैं। हम सिस्टम को धीरे-धीरे ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। नगर निगम में अब सभी कर्मचारियों को तनख्वाह हर महीने वक्त पर मिलने लगी है। दिल्ली के लोगों को पता है कि पहले एमसीडी के कर्मचारियों को अपनी तनख्वाह लेने के लिए धरने करने पड़ते थे। 14 साल बाद एमसीडी के कर्मचारियों को फिर से समय पर तनख्वाह मिलने लगी है।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बताया कि आप की सरकार ने एमसीडी के 6 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों को अब तक पक्का किया है। अब दिल्ली के हर गली-मोहल्ले में साफ-सफाई होने लगी है। हमारा मानना है कि जब कर्मचारी खुश होंगे तो वो मन लगाकर जनता के लिए काम करेंगे।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली नगर निगम के सभी कर्मचारी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। इस त्यौहार के मौसम में एमसीडी के सभी कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। एमसीडी में आम आदमी पार्टी की सरकार ने फैसला लिया है कि निगम के सभी ग्रुप डी, ग्रुप सी और ग्रुप बी नॉन गजेटेड कर्मचारियों को 7 हजार रुपए दिवाली बोनस के रूप मे दिए जाएंगे। साथ ही, पिछले तीन साल से लगातार काम कर रहे कच्चे कर्मचारियों को भी 1200 रुपए बोनस दिया जाएगा।

सीएम ने कहा कि सफाई कर्मचारी, चौकीदार, माली, बेलदार, वार्ड ब्वॉय, वार्ड आया, कैटल कैचर, रिक्शा कैचर, अर्दली, एलडीसी, यूडीसी के सभी कर्मचारियों का परिवार भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। आपका यह भाई जब तक बैठा है, आपको किसी बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है। मेरा निवेदन है कि बोनस के इस पैसे आप सभी अपने बच्चों के लिए मिठाई, नए कपड़े लेकर आना और अपने परिवार वालों को बोलना कि अरविंद केजरीवाल जी ने दीपावली पर हमारे लिए भिजवाए हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि आपके परिवार को खूब खुशियां दें और आपके बच्चे खूब तरक्की करें। आपका परिवार स्वास्थ्य रहे। मेरी तरह से सभी कर्मचारी को दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

दिवाली से पहले दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय का तोहफा, एमसीडी के सभी कर्मचारियों को मिलेगा बोनस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की महापौर डॉ. शैली ओबेराय ने दिवाली से पहले एमसीडी के कर्मचारियों को बोनस तोहफा दिया है। उन्होंने आज मंगलवार को दिल्ली नगर निगम के सभी कर्मचारियों को बोनस दिए जाने की घोषणा की है।

किसे मिलेगा कितना बोनस?

ताजा जानकारी के मुताबिक, ओबेरॉय ने रेगुलर कर्मचारियों को 6900 रुपये, साल में 240 दिन काम करने वाले डेलीवेजर को 1100 रुपये का बोनस मिलेगा। बता दें कि दिल्ली नगर निगम में लगभग 1.50 लाख कर्मचारी हैं।

दिवाली से पहले केजरीवाल सरकार का तोहफा, इन 80 हजार कर्मचारियों को मिलेगा बोनस

दिल्ली में ऑड-ईवन, दिवाली के अगले दिन से बदलेगा ट्रैफिक नियम; प्रदूषण के बीच स्कूल बंद पर भी लिया फैसला दिल्ली सरकार के कर्मियों को मिलेगा दिवाली बोनस उल्लेखनीय है कि इससे पहले सोमवार यानी 6 नवंबर को दिल्ली सरकार ने दिवाली पर अपने 80 हजार कर्मियों को सात-सात हजार रुपये बोनस देने का निर्णय लिया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने इसकी घोषणा करते हुए कहा था कि आप सरकार सभी ग्रुप बी गैर राजपत्रित और ग्रुप सी के कर्मचारियों को यह बोनस देगी।

सीएम केजरीवाल ने डिजिटल प्रेसवार्ता कर कर्मियों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा था कि आप सरकार ने बीते आठ साल में दिल्ली में शिक्षा-स्वास्थ्य, ढांचागत विकास और जनसेवाओं समेत अन्य क्षेत्रों में जितने शानदार काम किए हैं, उन सभी में इन कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन सभी कर्मचारियों को बोनस देने में 56 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। इससे त्योहारों में हमारे कर्मचारियों के घरों में खुशियां दोगुनी हो जाएंगी।

पंडिता रमाबाई की जीवनी पर आयोजित हुई गोष्ठी

नई दिल्ली। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (एनेक्सी) में राजकमल प्रकाशन समूह की ओर से सोमवार को नारीवादी लेखक-आलोचक सुजाता की किताब विकल विद्रोहिणी : पंडिता रमाबाई के सन्दर्भ में भारतीय नवजागरण का स्त्री-पक्ष विषय पर गोष्ठी आयोजित हुई। इस वैचारिक कार्यक्रम में प्रसिद्ध इतिहासकार सुधीर चन्द्र और वरिष्ठ साहित्यकार अनामिका बतौर वक्ता मौजूद रहे। वहीं कार्यक्रम का संचालन युवा कवि शोभा अक्षर ने किया। बातचीत शुरू करने से पहले रंगकर्मी दिलीप गुप्ता ने किताब से अंश पाठ किया। शोभा अक्षर ने श्रोताओं को गोष्ठी के विषय से परिचित करवाते हुए कहा कि सुजाता द्वारा लिखी गई पंडिता रमाबाई की जीवनी स्त्रीद्वेष से पीड़ित पितृसत्तात्मक समाज पर एक कड़ा प्रहार है।

सुजाता ने अपने वक्तव्य में कहा, पंडिता रमाबाई की जीवनी लिखने का फैसला मैंने इसलिए लिया, क्योंकि मैं उस वक्त को जीना चाहती थी, जो उन्होंने जिया। उनका जीवन अति नाटकीय, तूफानों और उथल-पुथल से भरा हुआ था। 19वीं सदी, जो कि एक पुरुष प्रधान सदी थी, वह उसमें अपने पांव जमा पाने में सफल रहीं। जिस तरह का वह समाज था, उस समय उनके चरित्र पर कई लाँछन लगे होंगे। उनके इसी निर्भीक व्यक्तिव ने मुझे प्रभावित किया।

उन्होंने कहा, भारत में सबसे पहले पंडिता रमाबाई ने ही नारीवाद की अवधारणा को उद्घाटित किया। उन्होंने अपनी किताब ह्यद हाई कास्ट हिन्दू वुमन में लिखा कि किस तरह हिन्दू धर्म में एक औरत को औरत बनाए जाने की ट्रेनिंग दी जाती है। रमाबाई ने देश-विदेश में अकेले यात्राएँ करते हुए अपने भाषणों के जरिए धन एकत्रित किया और भारत लौटने पर हिन्दू विधवा लड़कियों के लिए एक स्कूल खोला। यह कोई आसान काम नहीं था। ऐसा कर पाना आज भी किसी के लिए बहुत मुश्किल है। आगे सुजाता ने कहा कि जब भी समाज सुधारकों की फेहरिस्त बनती है तो उसमें पंडिता रमाबाई का नाम शामिल नहीं किया जाता है। क्या केवल इसलिए कि वह एक स्त्री थी? आज के समय में कई राजनीतिक दल और संगठन उनका नाम लेकर फायदा लेना चाहते हैं, लेकिन अगर वो एक बार रमाबाई के बारे में विस्तार से पढ़ेंगे तो उनके नाम से दूरी बना लेंगे। इस मौके पर अनामिका ने कहा कि पंडिता रमाबाई हमारे समाज को समझाने निकली थी। इसके लिए उन्होंने अंग्रेजी, संस्कृत और बंगाली सीखी ताकि वह लोगों से संवाद कर सके। उनका सबसे बड़ा योगदान यही है कि वह संवाद के लिए प्रस्तुत होती है। उन्होंने कहा, हर बड़े स्त्रीवादी आंदोलन के आँचल के तले हमेशा कोई न कोई बड़ा मुद्दा रहा है। स्त्रियों ने कभी अकेले अपनी मुक्ति के प्रयास नहीं किए। जिस तरह एक स्त्री को शिक्षित करना पूरे परिवार को शिक्षित करना है, उसी तरह स्त्री की मुक्ति ही मानवता की मुक्ति है। बृहत्तर मानवता की सेवा के रमाबाई के प्रयासों में भी हमें यही देखने को मिलता है। इसके बाद उन्होंने कहा कि, पंडिता रमाबाई पर सुजाता की किताब बहुत ही व्यवस्थित किताब है। इसमें रमाबाई के बारे में सब कुछ है। इसमें उनकी पब्लिक डिबेट, कई लोगों से उनके संवाद भी शामिल हैं। यह बहुत ही सहज और सरल ढंग से लिखी गई किताब है।

अगले वक्ता सुधीर चन्द्र ने किताब से सुजाता की पंक्तियों को उद्धरित करते हुए कहा, उन्नीसवीं सदी भारत में पुनर्जागरण की सदी मानी जाती है। खासतौर पर महाराष्ट्र और बंगाल में इस दौर में समाज सुधारों के जो आन्दोलन चले उन्होंने भारतीय मानस और समाज को गहरे प्रभावित किया। उन्होंने कहा, मैं लेखक से पूर्ण सहमत हूँ कि न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश के नवजागरण को हमने अभी तक समझा ही नहीं है। देश में नवजागरण की चेतना फिर से जगानी चाहिए। यह हम तभी जान सकेंगे जब हमारे समाज में जो महान स्त्री-पुरुष थे, जिन्होंने समाज में नवजागरण की ज्योति जलाई, उन पर गंभीरता से ऐसा कुछ लिखा जाए जो कभी नहीं लिखा गया। इसका बीड़ा खास कर युवा वर्ग को उठाना होगा।

आगे उन्होंने कहा कि सुजाता ने पाठकों को एक अद्भुत किताब दी है और आज हम इसका उत्सव मना रहे हैं। लेकिन उस समय केवल एक नहीं वरन और भी कई रमाबाई हुईं थी जिनके योगदान की आज खोज करने की जरूरत है। हमें इस पर विचार करना चाहिए कि हमारे पूर्वज ऐसे महान लोग थे और आज हम क्या हो गए है? गौरतलब है कि सुजाता द्वारा लिखित किताब ह्यविकल विद्रोहिणी : पंडिता रमाबाई भारत में स्त्रीवादी आंदोलन की अवधारणा की शुरूआत करने वाली एक प्रमुख चितंक पंडिता रमाबाई की जीवनी है। यह किताब हमें बताती है कि किस तरह प्राचीन शास्त्रों की अद्वितीय अध्येता पंडिता रमाबाई उपेक्षाओं और अपमानों से लगभग अप्रभावित रहते हुए औरतों के हक में न केवल बौद्धिक हस्तक्षेप किया अपितु समाज सेवा का वह क्षेत्र चुना जो किसी अकेली स्त्री के लिए उस समय लगभग असंभव माना जाता था। उनके द्वारा विधवा महिलाओं के आश्रम की स्थापना, उनके पुनर्विवाह तथा स्वावलंबन की पहल और यूरोप तथा अमेरिका में जाकर भारतीय महिलाओं के लिए समर्थन जुटाने का उनका भगीरथ प्रयास अक्सर धर्म परिवर्तन के उनके निर्णय की आलोचना की आड़ में छिपा दिया गया। यह किताब उस दौर की उन अनेक महिलाओं के बारे में भी जरूरी सूचनाएँ उपलब्ध कराती है जिन्हें आधुनिक इतिहास लेखन करते हुए अक्सर छोड़ दिया जाता है।

नेट जीरो इंडिया के लक्ष्य को 2070 तक प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है नागरिक सहयोग : जावड़ेकर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने मंगलवार को कहा कि 2070 तक प्रधानमंत्री के नेट जीरो इंडिया के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नागरिक कार्रवाई महत्वपूर्ण है। जावड़ेकर दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में यू75: नेशनल मूवमेंट ऑफ नेट-जीरो यूनिवर्सिटी कैंपस कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि अपने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में व्यस्तता के चलते वह इस कार्यक्रम में भौतिक रूप से उपस्थित नहीं हो सके।

जावड़ेकर ने कहा कि यू-75 अभियान यह सुनिश्चित करने के लिए है कि विश्वविद्यालय और कॉलेज परिसर नेट जीरो या कार्बन न्यूट्रल बन जाएं। यह पहल बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह न केवल कैम्पस को कार्बन तटस्थ बनाएगी, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाइफ मिशन के अनुरूप विद्यार्थियों को पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली का महत्व भी बताएगी। उन्होंने कहा कि यह ह्यकार्यरत भावी पीढ़ीह्न होगी। इस सार्वजनिक आंदोलन को खड़ा करने के लिए विश्वविद्यालयों, कॉलेज प्रशासन, विद्यार्थियों और गैर सरकारी संगठनों के संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन का कारण नहीं बल्कि जलवायु परिवर्तन का भुक्तभोगी है। कार्बन उत्सर्जन में हमारा ऐतिहासिक योगदान मात्र 3 प्रतिशत है जबकि वैश्विक आबादी का 17 प्रतिशत हमारे पास है। जावड़ेकर ने कहा कि भारत अपनी हरित प्रतिबद्धताओं पर ह्यवॉक द टॉक करने वाला एकमात्र जी-20 देश है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि वर्तमान में यह विषय बहुत ही महत्वपूर्ण है। आज पूरा एनसीआर गैस चैंबर में तब्दील हो चुका है। करीब चार करोड़ लोग बुरी तरह से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि वायुमंडल के औसत तापमान में 1.2 प्रतिशत वृद्धि हो चुकी है। यह चिंता का विषय है। ऐसे में चार शब्द रिड्यूस, रीयूज, रिपेयर और रीसाइकल बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

नेट-जीरो यूनिवर्सिटी कैंपस पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि नेट जीरो यूनिवर्सिटी कैंपस एक परिवर्तनकारी आंदोलन है जो एनईपी 2020 और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन लाइफ के साथ संरेखित है तथा भारत में 2070 तक कार्बन तटस्थता प्राप्त करने का आह्वान करता है। कुलपति ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय और इसके सभी कॉलेजों को भी जीरो लिक्विड डिस्चार्ज कैम्पस बनाना होगा तभी नेट जीरो कैम्पस को और आगे बढ़ाया जा सकता है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, संयुक्त राष्ट्र के पूर्व यूएसजी एरिक सोल्हेम, ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। बतौर विशिष्ट अतिथि पहुंची एआईसीटीई की सलाहकार ममता अग्रवाल ने बताया कि इस मुहिम को लेकर एआईसीटीई का ग्रीन टेरे फाउंडेशन के साथ एमओयू हुआ है। इस मुहिम में 100 से अधिक संस्थाओं ने अभी तक अपनी सहमति दर्ज करवाई है। उन्होंने कहा कि हमें क्लास रूम से हर डेस्क तक और हर बच्चे तक इसे लेकर जाना होगा।

ग्रीन टेरे फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक व यूएनईपी के पूर्व निदेशक डॉ. राजेंद्र शेंडे ने नेट-जीरो यूनिवर्सिटी कैंपस कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कार्यशाला के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि यह एक डाउन टू अर्थ वर्कशॉप है। उन्होंने इस मुहिम को विद्यार्थियों से जोड़ने का

दिल्ली हवाई अड्डे पर एअर इंडिया के यात्रियों के लिए 30 नवंबर तक अतिरिक्त सुरक्षा जांच

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी और पंजाब के हवाई अड्डों से एअर इंडिया के विमानों में यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त जांच से होकर गुजरना पड़ेगा और बढ़ते खतरे के मद्देनजर दिल्ली हवाईअड्डे पर 30 नवंबर तक आगंतुक प्रवेश टिकट जारी करना बंद कर दिया गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, अस्थायी हवाई अड्डा प्रवेश पास के अलावा इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए)की टर्मिनल इमारत में आगुंतकों का प्रवेश 30 नवंबर तक के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने सोमवार को इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया है। सूत्रों ने बताया कि आईजीआईए और पंजाब में हवाई अड्डों पर एअर इंडिया की उड़ानों के लिए ह्यसेकेंडरी लैडर पॉइंट चेकह्न किया जाएगा। आमतौर पर इसे विमान में सवार होने से पहले यात्रियों और उनके हाथ में मौजूद सामान की जांच के रूप में संदर्भित किया जाता है। यह प्राथमिक सुरक्षा जांच के अतिरिक्त होता है। हालांकि एअर इंडिया की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर अस्थायी प्रवेश पास के साथ-साथ सरकारी पदाधिकारियों के परिचालन उद्देश्यों में छूट दी जाएगी। यह प्रतिबंध 30 नवंबर तक जारी रहेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक अलगाववादी समूह ने लोगों को 19 नवंबर को एअर इंडिया के विमानों में यात्रा नहीं करने को कहा है।

दिल्ली सरकार द्वारा ऑड-ईवन लागू करने से प्रदूषण में राहत न होकर जनता महंगा सफर करने की आफत होगी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने कहा कि आज दिल्ली की हालत दयनीय हो गई है। प्रदूषण से दिल्ली के लोग हाहाकार कर रहे है। लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। हालाता ऐसे हो गए है कि इस वर्ष भी दिल्ली भयंकर गैस चैम्बर बन गई है कि आज मंगलवार को लगातार छठे दिन एयर क्वालिटी गंभीर केटेगरी में दर्ज की गई है। दिल्ली का ए.क्यू.आई. भी बढ़कर 471 के पास पहुँच गया है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है।

श्री लवली ने कहा कि इस बढ़ते प्रदूषण के लिए दोनो सरकारें केन्द्र की भाजपा व दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार पूरी तरह से जिम्मेदार है। दोनो सरकारें हाथ पर हाथ रख कर बैठी है। दिल्ली के लोग बूढ़े, बच्चे, बीमारियों से जूझ रहे है, जहां केन्द्र की भाजपा सरकार चुनावी रोटियां सेक रही है। वहीं दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार लोगों को गुमराह कर रही है। श्री लवली ने कहा कि कल आम आदमी पार्टी के विधायक दल की बैठक में दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर कोई भी चिंता व्यक्त नही की गई बल्कि रणनीति तय की गई कि कैसे जेल से सरकार को चलाया जाएगा। होना यह चाहिए था कि कैसे दमघोटू प्रदूषण से दिल्ली के लोगों को राहत मिले और प्रयास किए जाए कि कैसे दिल्ली के बीमार, बुर्जुग और बच्चों की प्रदूषण से रक्षा की जाये। श्री लवली ने कहा कि दिल्ली के हालात खराब करने के लिये दोनो सरकारें दोषी है। उत्तर प्रदेश व हरियाणा में भाजपा की सरकार हैं, पंजाब और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है। दोनो सरकारें अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में व्यस्त है। आज दिल्ली में प्रदूषण का लेवल 500 के करीब पहुँच गया है।

श्री लवली ने कहा कि दिल्ली में लोग बढ़ते प्रदूषण की वजह से दिल्ली छोड़ने पर मजबूर हो रहे है लेकिन दोनो सरकारों को कोई चिंता नही है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने भी बढ़ते प्रदूषण पर चिंता प्रकट की है और दोनो सरकारों को फटकार लगाई है। श्री लवली ने कहा कि मैं भाजपा और आम आदमी पार्टी से अपील करता हू कि वह राजनीति छोड़े, मिल बैठकर तीनों दल कोई रास्ता निकालें और हल निकाले ताकि दिल्ली के लोगों को राहत मिल सके। श्री लवली ने कहा कि सरकार की ऑड-इवन जैसी योजना से पहले भी जनता परेशान हो चुकी है जबकि उससे प्रदूषण कम करने में कोई राहत नही हुई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर अपना सकारात्मक रुख रखना चाहती है और जानलेवा प्रदूषण का हल निकालने के लिए उपराज्यपाल को ऑल पार्टी मीटिंग बुलानी चाहिए ताकि राजधानी में खतरनाक प्रदूषण का स्थायी हल निकाला जा सके। आम आदमी पार्टी और भाजपा की आपसी लड़ाई में दिल्ली की जनता पिस रही है और सरकार अपनी नाकामी का ठीकरा फिर जनता के सर पर फोड़ना चाहती है।

प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र के समीपवर्ती क्रिश्चियन कॉलोनी में रहने वाले एक छात्र ने आत्महत्या कर ली है। वह दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। मृतक का नाम विनय राज (25) है, जो मूल रूप से छतरपुर (मध्य प्रदेश) का रहने वाला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

डीसीपी मनोज कुमार मीणा ने बताया कि बीते रविवार रात करीब 10:00 बजे मौरिस नगर थाना पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली। कॉलर ने बताया कि विनय कुमार नाम के लड़के ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस सूचना मिलने पर क्रिश्चियन कॉलोनी में घटनास्थल पर पहुंची। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि मृतक ने कमरा अंदर से बंद कर आत्महत्या की है। पुलिस ने दरवाजा खोलने के लिए दमकल विभाग को भी बुलाया। आसपास के लोगों से पूछताछ से पता चला कि मृतक विनय राज मध्य प्रदेश के छतरपुर इलाके का रहने वाला था, जो दिल्ली में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। साथ ही वह ओपन स्कूल का भी छात्र था। जांच में पता चला कि वह मानसिक रूप से परेशान था। फिलहाल मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने उसके परिवार को घटना की सूचना दे दी है।

महिला कांस्टेबल ने की खुदकुशी

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के शास्त्री नगर में एक महिला कांस्टेबल ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। डीसीपी मनोज कुमार मीणा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि बीती रात 10:17 पर पीसीआर कॉल मिली थी। मकान मालकिन ने कॉल करके पुलिस से मदद मांगी थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि प्रीति नाम की 27 साल की युवती ने चुन्नी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। वह 2022 बैच की कांस्टेबल थी। मौके पर मकान मालिक कपिल गुप्ता मिले, जो रूम का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो देखा कि वह फंदे से लटकी हुई है। फिर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस के सीनियर ऑफिसर पहुंचे और जांच की। वहां से प्रीति का मोबाइल और चुन्नी बरामद हो गई। कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रीति अपने एक बैचमेट के साथ किराए के कमरे में रहती थी। घटना के दौरान वह रूम में अकेली थी, कमरा अंदर से बंद था। अभी तक की जांच में कोई भी संदिग्ध नहीं लगा है।

आबकारी विभाग की महिला सब इंस्पेक्टर और चालक पर जानलेवा हमला, तीन पकड़े

नई दिल्ली। समयपुर बादली इलाके में बीते अगस्त महीने में आबकारी विभाग में तैनात महिला सब इंस्पेक्टर और उसके ड्राइवर पर जानलेवा हमला करने और वाहन समेत अवैध शराब ले जाने वाले तीन बदमाशों को बाहरी उत्तरी जिला की डीआईयू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान संजय सिंह नीयन सल्लू भदावर, मोहन सिंह मोहन सिंह मोहन भदावर और मोहन सिंह के रूप में हुई है। पुलिस बाकी आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते 24 अगस्त को समयपुर बादली पुलिस थाने में आबकारी विभाग की सब इंस्पेक्टर सीमा ने एक एफआईआर दर्ज करवाई थी। जिसमें बताया था कि जब उसने अपने ड्राइवर के साथ अवैध शराब की सप्लाई करने वाले को पकड़ा। आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर जानलेवा हमला किया और शराब व वाहन लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज किया। शुरूआती जांच में सीसीटीवी कैमरों व हयूमैन सॉर्से की सहायता से संजय सिंह नी कैटरीना भदावर, मोहन सिंह नी आंख मोहन भदावर, सुनील, प्रशांत झा नी गोटिया, शिवम, रामू और अन्य के रूप में पहचान की। जिनके ठिकानों पर छापेमारी करके लाइफ पार्क सिरसपुर के रहने वाले संजय सिंह उर्फ सल्लू भदावर, मोहन सिंह उर्फ मोहन भदावर को गिरफ्तार कर लिया। दोनों बादली थाने में घोषित बदमाश है।

दोनों से पूछताछ की गई। एसीपी यशपाल सिंह की देखरेख में पुलिस टीम को बाकी आरोपियों को पकडें का जिम्मा सौंपा गया। जांच टीम ने विकास उर्फ सोनू बिहारी को गिरफ्तार कर लिया। जो दोनों को हरियाणा की अवैध शराब सप्लाई करता है। जिसपर 21 मामले दर्ज हैं।

दिल्ली से जयनगर के लिए चलेगी विशेष रेलगाड़ी

नई दिल्ली । रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने दिल्ली जंक्शन से जयनगर तथा गोमती नगर-मालतीपाटपुर के बीच त्यौहार स्पेशल रेलगाडिां चलाई जाएंगी। उत्तर रेलवे के अनुसार 04006 दिल्ली जंक्शन-जयनगर आरक्षित स्पेशल रेलगाड़ी नौ नवम्बर से 12, 15 निवम्बर को दिल्ली जंक्शन से रात 11.05 बजे चलकर अगले दिन रात 11.45 बजे जयनगर पहुंचेगी। वहीं वापसी में 04005 जयनगर से दिल्ली जंक्शन के लिए आरक्षित स्पेशल रेलगाड़ी 11 नवम्बर से 14 व 17 नवम्बर को जयनगर से तड़के 01.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन तड़के 01.30 बजे दिल्ली जंक्शन पहुंचेगी। स्लीपर व जनरल कोच वाली यह ट्रेन गाजिाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा, बस्ती गोरखपुर जंक्शन, छपरा, हाजीपुर जं, मुजफ्फरपुर जं, समस्तीपुर जं, दरभंगा जं तथा मधुबनी स्टेशनों पर दोनों दिशाओ मे रुकेगी। यह ट्रेन 14 फेरे लगाएगी।

आबकारी विभाग की महिला सब इंस्पेक्टर और चालक पर जानलेवा हमला, तीन पकड़े

नई दिल्ली। समयपुर बादली इलाके में बीते अगस्त महीने में आबकारी विभाग में तैनात महिला सब इंस्पेक्टर और उसके ड्राइवर पर जानलेवा हमला करने और वाहन समेत अवैध शराब ले जाने वाले तीन बदमाशों को बाहरी उत्तरी जिला की डीआईयू पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान संजय सिंह नीयन सल्लू भदावर, मोहन सिंह मोहन सिंह मोहन भदावर और मोहन सिंह के रूप में हुई है। पुलिस बाकी आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीते 24 अगस्त को समयपुर बादली पुलिस थाने में आबकारी विभाग की सब इंस्पेक्टर सीमा ने एक एफआईआर दर्ज करवाई थी। जिसमें बताया था कि जब उसने अपने ड्राइवर के साथ अवैध शराब की सप्लाई करने वाले को पकड़ा। आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर जानलेवा हमला किया और शराब व वाहन लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज किया। शुरूआती जांच में सीसीटीवी कैमरों व हयूमैन सॉर्से की सहायता से संजय सिंह नी कैटरीना भदावर, मोहन सिंह नी आंख मोहन भदावर, सुनील, प्रशांत झा नी गोटिया, शिवम, रामू और अन्य के रूप में पहचान की।

दिवाली पर केजरीवाल सरकार द्वारा निर्माण श्रमिकों को मिली सौगात

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आज दिल्ली सचिवालय में श्रम मंत्री राज कुमार आनंद ने दिल्ली भवन एवं अन्य सन्निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की एहम बैठक लेते हुए निर्णय लिया कि इस दीपावली मजदूरों को दिल्ली मजदूर कल्याण एप का तोहफा दिया जाएगा। दिल्ली में मजदूरों के बेहतर जीवनयापन, बच्चों की मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्धता के साथ सरकार काम कर रही है। इसके बेहतर क्रियान्वन के लिए निर्माण श्रमिकों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से दिल्ली मजदूर कल्याण एप की शुरूआत होगी, जिसे गूगल प्ले स्टोर के जरिए सभी एंड्रायड मोबाइल फोन से किया जा सकेगा डाउनलोड।

दिल्ली सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा निर्माण श्रमिकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं को ज्यादा से ज्यादा निर्माण श्रमिकों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यमों की जरूरत है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए आज श्रम मंत्री राज कुमार आनंद ने बोर्ड की समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में मौजूदा समय की तकनीकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मोबाइल एप के महत्त्व पर जोर देते हुए

निर्माण श्रमिकों के लिए दिल्ली मजदूर कल्याण एप को शुरू करने का निर्णय लिया गया।

दिल्ली सरकार मजदूरों की हर जरूरत का ख्याल रखते हुए, सभी योजनाओं का भरपूर लाभ मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। यह वो तबका है जो हर एक व्यक्ति के जीवन को किसी ना किसी रूप में प्रभावित करता है और हमारी दिनचर्या में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में शामिल रहता है। इनका ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि हमारा कर्तव्य भी है। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी निर्माण स्थलों पर निर्माण श्रमिकों का ऑन साइट पंजीकरण कराने के निर्देश जारी किए। पायलट प्रोजेक्ट के तहत दीपावली के बाद दो निर्माण स्थलों पर ऑन साइट पंजीकरण कराया जाएगा ताकि मजदूरों को पंजीकरण में

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 08 नवम्बर, 2023

बुलडोजर शुरू कर दिया तो रुकने वाला नहीं

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण और त्योहारों के मौके पर यहां पटाखे की खरीद-बिक्री व जलाने को लेकर दायर याचिकाओं पर आज सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है जिसमें कोर्ट ने कई सख्त टिप्पणियां की हैं।

अदालत ने राज्य सरकारों को फटकार लगाते हुए कहा कि प्रदूषण को लेकर कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं है। हर कोई मामले को टालने पर लगा है। पराली हर हाल में जलनी बंद हो।

वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान क्या-क्या हुआ

मामले की सुनवाई के दौरान सीनियर वकील अपराजिता सिंह ने सीनियर आईआईटी-कानपुर की एक स्टडी को पेश किया जो बताते हैं कि प्रदूषण के क्या स्रोत हैं।

वकील अपराजिता ने कहा सीएक्यूएम ने रिपोर्ट दी है कि सबकुछ ठीक है। सीएक्यूएम ने रिपोर्ट दी है कि हम शून्य पराली जलाने की आशा में है... आज राज्यों के पास कोई बहाना नहीं है। अगर वो कहते हैं कि उनके पास पराली जलने को ट्रैक करने के लिए कोई एप है।

इस पर जस्टिस कौल ने कहा, समाधान क्या है? दिल्ली को इस तरह घुटने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता।

इस पर सीनियर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा, यह बहुत जरूरी वैधानिक बैकग्राउंड है जिसे बताना जरूरी है... पराली का जलना समस्या नहीं है। समस्या ये है कि यह कब बंद होगा और कितने देशों में पराली जलती है।

जस्टिस कौल ने वकीलों से कहा आप देखिए कितने बच्चे दिल्ली में स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

पंजाब से अटॉर्नी जनरल ने कहा, यह समस्या 50-20 दिनों की होती है। इस पर जस्टिस कौल ने कहा, यह जरूर समय की समस्या है लेकिन इसे लेकर कोई गंभीरता मुझे नहीं दिखती। हमें इससे मतलब नहीं है कि आप कैसे करेंगे लेकिन हर हाल में इसे रोकना ही होगा। चाहे वह इंसेंटिव देकर करें या सख्ती बरतकर।

इस पर पंजाब के एजी ने कहा कि मैं चाहता हूं कि पंजाब इस मामले में विकासशील समाधान लाए। जस्टिस कौल ने कहा, पराली प्रदूषण का बड़ा कारक है... फिर उन्होंने पूछा दिल्ली सरकार का प्रतिनिधि कहां है... और दिल्ली सरकार राजधानी में आने वाले वाहनों का क्या कर रही है?

पंजाब के एजी ने ये भी कहा कि हमें किसानों को एमएसपी देनी होगी ताकि वह अन्य फसलों को भी उगाएं। इस पर जस्टिस कौल ने कहा, कुछ न कुछ तो जल्द करना ही होगा। वह आगे बोले, फसल का समय ही समस्या है... जब तक किसान दूसरी फसलों पर शिफ्ट नहीं होते... तब तक के लिए इस समस्या से निपटना ही होगा।

जस्टिस कौल ने केंद्र से भी कहा कि आपको किसानों की मदद करनी होगी ताकि वह दूसरी फसलों पर शिफ्ट हो जाएं। जज आगे बोले, हम नहीं जानते आप अपने सभी अफसरों को लगाएं, हमें इस पर जरा भी धैर्य नहीं है। जज ने ये भी कहा कि आप जानते हैं कि अगर मैंने बुलडोजर शुरू कर दिया तो रुकने वाला नहीं हूं।

सीनियर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि पहली बार हमारे पास पंजाब का वकील है और वह निष्पक्ष हैं। इस पर जस्टिस कौल ने सहमति जताई।

अदालत ने कहा कि पराली के साथ ही ट्रैफिक भी दिल्ली के प्रदूषण की बहुत बड़ी वजह है और ऑड-ईवन से कोई बहुत ज्यादा फायदा नहीं होता।

इसके बाद जस्टिस कौल ने पंजाब के एजी से कहा, आपको पराली जलने से रोकना ही होगा। आपके प्रशासन को ये करना होगा। इसके लिए स्थानीय एसएचओ जिम्मेदार होंगे... उन्हें आज से ही इस पर काम करना शुरू करना होगा।

कोर्ट ने अपने आदेश में पंजाब के अटॉर्नी जनरल द्वारा सुझाए गए उपायों को रेखांकित करते हुए कहा-

1- किसान पैसों की कमी के चलते पराली जलाते हैं। ऐसे में कोई ऐसा उपाय निकाला जाए जिससे किसान धान की जगह पर अन्य फसल लगाएं। इसके लिए केंद्र को उन्हें सब्सिडी भी देनी होगी।

2- सरकार को अन्य फसलों पर भी एमएसपी देनी चाहिए ताकि किसान प्रोत्साहित हों और धीरे-धीरे धान छोड़कर अन्य फसलें उगाएं।

अदालत दिल्ली के बंद पड़े स्मॉग टावर पर भी चर्चा हुई। अदालत ने दिल्ली सरकार को सॉलिड कचरा खुले में न जले इसकी निगरानी करने को भी कहा। अंत में अदालत ने बुधवार को सभी स्टेक होल्डर्स की एक मीटिंग कल बुलाई और सभी को जुड़ने के लिए कहा है ताकि शुक्रवार तक स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सके।

फिर अदालत ने मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार तक टाल दी।

पटाखे जलाने और खरीद-बिक्री वाली याचिका पर हुई ये सुनवाई

अदालत ने प्रदूषण कम करने के लिए राजस्थान सरकार को भी निर्देश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान को निर्देश दिए कि वह सुप्रीम कोर्ट के पुराने आदेश का पालन करें और त्योहार के समय पटाखे न जलाएं। अदालत ने कहा कि यह सबका फर्ज बनता है कि वह खासतौर से त्योहारों के समय प्रदूषण कम करने का प्रयास करे।

पटाखों की बिक्री-खरीद और इस्तेमाल वाली याचिका पर अदालत में सुनवाई शुरू हुई तो याचिकाकर्ता ने कहा कि, यह राजस्थान को लेकर है। ऐसा लगता है कि पटाखे जलाने और इसकी खरीद-बिक्री पर रोक सिर्फ दिल्ली-एनसीआर के लिए है, जबकि यह पूरे देश के लिए है।

याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि हम कुछ नया नहीं मांग रहे हैं। हम सिर्फ ये चाहते हैं कि पुराने आदेश का पालन हो। इस पर राजस्थान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के वकील ने कहा, राजस्थान में प्रदूषण में मामूली वृद्धि हुई है। इस पर जस्टिस बोपन्ना ने कहा कि इन दिनों बच्चे नहीं बड़े ज्यादा पटाखे जलाते हैं। जस्टिस सुंद्रेश ने कहा कि यह गलत धारणा है कि प्रदूषण रोकना सिर्फ अदालत की जिम्मेदारी है।

याचिकाकर्ता ने एक समय निर्धारित करने और स्कूल-अस्पताल जैसी जगहों से दूर पटाखे जलाने के निर्देश देने की मांग की।

अदालत ने कहा, इसके लिए कोई अलग निर्देश देने की जरूरत नहीं है। हमारे पुराने आदेशों का ही पालन हो। सुनवाई के अंत में जस्टिस बोपन्ना ने सबको हैप्पी और सुरक्षित दीपावली कहा।

दिल्ली आबकारी नीति मामला : शराब कंपनी के निदेशक ने बेटी की हालत को लेकर जमानत मांगी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में अभियोजन का सामना कर रहे एक शराब कंपनी के निदेशक अमित अरोड़ा ने मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय से बेटी की चिकित्सीय स्थिति के आधार पर अंतरिम जमानत देने का अनुरोध किया। शराब कंपनी बड्डी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अरोड़ा ने कहा कि उनकी बेटी का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है और उसे परिवार के सदस्यों, खासकर माता-पिता द्वारा नियमित देखरेख की जरूरत है।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने अरोड़ा और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद अंतरिम जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया।

ईडी के अधिवक्ता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य उसकी बेटी की देखभाल के लिए वहां हैं और इस आधार पर उसे रिहा करने की जरूरत नहीं है। अरोड़ा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास पाहवा ने कहा कि आरोपी स्वयं भी इस समय बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती है और कुछ समय के लिए अंतरिम जमानत से न केवल उसे बल्कि उसके परिवार और उसकी बीमार बेटी को भी फायदा होगा। अधिवक्ता ने दावा किया कि अरोड़ा की बेटी ने तीन बार आत्महत्या का प्रयास किया और वह पैरानॉयड सिजोफ्रेनिया से पीड़ित है। उन्होंने कहा कि उसके आत्महत्या करने का खतरा है, अगले महीने उसकी परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं और वह तैयारी करने की स्थिति में भी नहीं है। पाहवा ने अरोड़ा को अंतरिम जमानत दिये जाने का आग्रह करते हुये कहा, यह पूरी तरह से मानवीय आधार पर है। इससे पहले अरोड़ा को चिकित्सीय आधार पर कई बार अंतरिम जमानत दी जा चुकी है।

अरोड़ा दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में एक आरोपी के तौर पर शामिल हैं जिसकी जांच सीबीआई और ईडी दोनों कर रही है।

दोनों केंद्रीय जांच एजेंसियों के अनुसार, आबकारी नीति में संशोधन करने के दौरान लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिये अनियमितताएं की गईं।

मामले में सीबीआई की ओर से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर धन शोधन का यह मामला सामने आया है। दिल्ली के उपराज्यपाल की ओर से इसके कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद 2021-22 के लिए आबकारी नीति सवालों के घेरे में आ गई थी, जिसे अब रद्द किया जा चुका है। दोनों मामलों में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया भी आरोपी हैं।

दिल्ली सरकार सम-विषम योजना के विवरण को अंतिम रूप देने में न्यायालय के निदेशों को शामिल करेगी : गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को कहा कि सरकार सम-विषम (ऑड-ईवन) कार योजना के विवरण को अंतिम रूप देने में उच्चतम न्यायालय के प्रदूषण रोकथाम संबंधी निदेशों को शामिल करेगी।

मंत्री ने सोमवार को घोषणा की कि प्रदूषण से निपटने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में 13-20 नवंबर तक सम-विषम योजना लागू की जाएगी। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए पराली जलाने, वाहन प्रदूषण और खुले में कचरा जलाने जैसे मुद्दों पर प्रकाश डाला।

राय ने कहा कि उन्होंने सम-विषम योजना के तौर-तरीकों पर चर्चा के लिए परिवहन और पर्यावरण विभाग तथा यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि सरकार अब उच्चतम न्यायालय के आदेश का अध्ययन करेगी और आगे की योजना बनाने के लिए इसके सुझावों और निदेशों को योजना में शामिल करेगी।

दिल्ली में दीपावली पर तीन में से एक शख्स पटाखे जलाने के पक्ष में

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी में दीपावली पर पटाखे जलाने पर प्रतिबंध के बावजूद हर बार की तरह इस बार भी दिल्लीवाले पटाखे छुड़ाने के पक्ष में हैं। गैर सरकारी संस्था लोकल सर्किल्स के सर्वे के अनुसार एनसीआर के हर तीन में से एक व्यक्ति दीपावली पर पटाखे छुड़ाने के पक्ष में है। सर्वे के अनुसार अगर ये परिवार पटाखे छुड़ाते हैं तो इस वक्त गैस चैंबर बनी दिल्ली में दिवाली के बाद स्थिति और भी विकराल हो सकती है। ऐसे में एजेंसियों के लिए यह चुनौती होगी कि पटाखों को छुड़ाना कैसे रोका जाए। पड़ोसी शहरों से दिल्ली में पटाखे आने से कैसे रोकेगी पुलिस? वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में ग्रीन समेत हर तरह के पटाखे छुड़ाने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था, लेकिन पड़ोसी शहर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में ग्रीन पटाखे छुड़ाने पर प्रतिबंध नहीं है।

दिल्लीवासियों का दमघोंट रही है जहरीली हवा, कई इलाकों का अदकआज भी 400 के पार दिल्ली में लागू हुआ ऑड-ईवन फॉमूर्ला क्या है, इससे पहले राजधानी में कब-कब लगाया गया? अब यह पुलिस के लिए चुनौती है कि इन शहरों से दिल्ली में पटाखे आने से रोकें। हाल के दिनों दिल्ली पुलिस कई जगह से भारी मात्रा में पटाखे बरामद किए हैं, लेकिन ऐसी बरामदगी हर साल होती है और दिवाली के दिन पटाखे भी राजधानी जमकर छुड़ाए जाते हैं। ऐसे में ठोस कदम उठाने की जरूरत है। 9,836 लोगों से पूछा गया सवाल लोकल सर्कल्स ने यह सर्वेक्षण दिल्ली, नोएडा, गाजियबाद, गुरुग्राम, फरीदाबाद में सर्वेक्षण किया। इसमें 9,836 हजार लोगों की राय शामिल की गई है। इस ऑनलाइन सर्वे में 67% पुरुष और 33% महिलाओं ने भाग लिया।

प्रेमी से विवाद के बाद महिला सिपाही ने की खुदकुशी

नई दिल्ली। सराय रोहिल्ला के शास्त्री नगर में रह रही दिल्ली पुलिस में तैनात 27 वर्षीय सिपाही प्रीति ने पंखे से चुन्नी के सहारे लटक कर खुदकुशी कर ली। वह वहां किराए के मकान में रहती थी। 20 दिन पहले ही उसने वहां किराए पर कमरा लिया था। प्रीति की तैनाती मध्य जिला के करोलबाग थाने में थी। उसके पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अधिकारी का कहना है कि प्रीति मूलरूप से गांव गदरहेड़ी, सहारनपुर की रहने वाली थी। 2022 में वह दिल्ली पुलिस में भर्ती हुई थी। पुलिस ने प्रीति का मोबाइल किया जब्त शुरूआती जांच से पता चला है कि प्रीति, शनि नाम के युवक से प्रेम करती थी। दोनों शादी करना चाहते थे। दोनों के घर वाले भी विरोध नहीं कर रहे थे। पुलिस को शक है कि हो सकता है कि किसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हो गई हो, जिससे अचानक गुस्से में आकर प्रीति ने यह कदम उठा लिया। उसके मोबाइल को जब्त कर लिया गया है। घटना सोमवार देर रत 10 बजे की है।

दिवाली बोनस: केजरीवाल ने कहा, हम प्रणाली को धीरे-धीरे दुरुस्त करने का प्रयास कर रहे हैं

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी (आप)-नीत दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की ओर से अपने गैर राजपत्रित कर्मचारियों को बोनस देने के फैसले की प्रशंसा की है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने मंगलवार को कहा कि एमसीडी शहर में अच्छा काम कर रहा है। केजरीवाल ने कहा कि वह प्रणाली को धीरे-धीरे दुरुस्त करने का प्रयास कर रहे हैं। एक संक्षिप्त ऑनलाइन प्रेसवार्ता में उन्होंने विभिन्न श्रेणी के अपने गैर राजपत्रित कर्मचारियों और दिहाड़ी कामगारों को दिवाली बोनस देने के एमसीडी के निर्णय की तारीफ की।

कार्यशाला का आयोजन हुआ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय के वैश्विक अध्ययन केंद्र द्वारा समीक्षा 2023: मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना विधान सभा चुनावों के सर्वेक्षण की प्रथम कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में केंद्र के निदेशक प्रो॰ सुनील कुमार चौधरी द्वारा इस कार्यशाला की अध्यक्षता की गई। प्रो. सुनील कुमार चौधरी के अनुसार यह पहली बार है जब दिल्ली विश्वविद्यालय का कोई केंद्र भारत के पश्चिमी से पूर्वी भाग से लेकर दक्षिण भाग की ओर भी जा रहा है। इससे पहले केंद्र उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय नागालैंड और कर्नाटक का चुनाव सर्वेक्षण कर चुका है। समीक्षा की इस सर्वेक्षण कड़ी में यह 11वां चुनाव सर्वेक्षण है, जो केंद्र द्वारा किया जा रहा है। केंद्र के निदेशक प्रो. सुनील के चौधरी के अनुसार इन सभी भारतीय राज्यों के विधानसभा चुनाव सर्वेक्षण उन राज्यों के लिए तो आवश्यक है ही, किंतु 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के लिए भी यह बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। केंद्र को दिल्ली विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह द्वारा औपचारिक रूप से अनुमति प्रदान कर दी गई है।

इस मिशन में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के बी.ए और एम.ए के छात्रों, अध्यापकों व एम फि ल और पीएचडी के शोधार्थियों जो इन चुनावी राज्यों से आते है वे सभी इस सर्वेक्षण में सम्मिलित होंगे। यह सर्वेक्षण ऑफलाइन किया जायेगा। ऑफलाइन टीम मिजोरम ने सफलता पूर्वक सर्वेक्षण को कर लिया है और दूसरी टीम छत्तीसगढ़ ने पहले चरण के विभिन्न ज़िलों के सर्वेक्षण को भी सफल बनाया। दूसरे चरण के सर्वेक्षण के लिए भी टीम 10 नवंबर को छत्तीसगढ़ पहुच रही है। इसी के साथ मध्य प्रदेश के लिए भी तीन टीमों का केंद्र के द्वारा चयन किया गया है जो राज्य के विभिन्न जिलों के सर्वेक्षण के लिए निकलेगी। इसी प्रकार आने वाले सभी चुनावी राज्यों में ऑफलाइन टीम जाएंगी। केंद्र पहली बार इतने व्यापक और समग्र प्रबंधन के माध्यम से भारत के इन पाँच राज्यों में सर्वक्षण के लिए जा रहा है, जो केंद्र के छात्रों और शोधार्थियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य अवश्य होगा, जो केंद्र के लिए नए अवसर का सृजन करता है।

धानुका एग्रीटेक का दूसरी तिमाही में लाभ 39.4% प्रतिशत बढ़कर 101.77 करोड़ रुपये हुआ

- कुल आय सालाना आधार पर 13.8% बढ़कर 617.92 करोड़ रुपये रही

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

भारत की अग्रणी एग्री-इनपुट कंपनियों में शुमार धानुका एग्रीटेक लिमिटेड ने आज वित्तीय वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी किये। गुरुग्राम में मुख्यालय वाली कंपनी ने वित्तीय वर्ष24 की जुलाई-सितम्बर तिमाही में 101.77 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही से 39.4 प्रतिशत ज्यादा है। वित्तीय परिणाम पर बोलते हुए धानुका एग्रीटेक के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री एम. के. धानुका ने कहा, विषम बारिश, गिरती कीमतों और निर्यात में नरमी के बीच कंपनी ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है। देश में हुई विषम बारिश ने हमारी आय और लाभ दोनों को प्रभावित किया। एल नीनो की परिस्थितियों और एग्रोकेमिकल की वैश्विक इन्वेंटरी को देखते हुए हम इस वित्तीय वर्ष के शेष समय में मांग के प्रति सतर्क रहते हुए आशावान हैं।

धर्म हम सभी को जोड़कर रखता है : मोहन भागवत

नई दिल्ली। अमेरिका में बसे एक बड़े भारतीयों की संस्था एन आर आई फेडरेशन द्वारा यहां आयोजित समारोह में आर एस एस प्रमुख डाक्टर मोहन भागवत ने कहा आज भी सारी दुनिया का धर्म एक है, जबकि पंथ और संप्रदाय अलग हो सकते हैं। भागवत ने कहा धर्म हम सभी को जोड़कर रखता हैं। धर्म शाश्वत है। इसका अंत होगा तो सृष्टि समाप्त होगी। भागवत के अनुसार संत भी अलग अलग संप्रदाय के होते हैं, हमे अंदर और बाहर से पवित्रता रखना बेहद जरूरी हैं। किसी भी धर्म के संतों और विद्वानों के साथ अगर आप कुछ भी वक्त गुजारते है तो इसका आपको जीवन में लाभ ही होगा। विश्व प्रसिद्ध आर्थिपोडिक डॉक्टर संजीव चौधरी और यूएसए बेस एनआरआई फेडरेशन के चेयरमैन, संस्थापक दीपक कावड़िया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के प्रचार प्रसार से जुड़े पूर्व राजनियक मोहमद अमीन और राजधानी की सबसे विशाल और लोकप्रिय रामलीला के आयोजन से जुडे स्माजसेवी डाक्टर अंकुश अग्रवाल ने कहा मुझे खुशी है अब विदेश में बसे भारतीय समुदाय के लोगो में आर एस एस बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और युवा वर्ग शाखा के महत्व को जानने लगा है अब विदेशी धरती पर भी संघ से जुड़ने वालों में सिर्फ हिंदू ही नही हर समुदाय के लोग है।

पूर्व राजनियक और फेडरेशन के प्रवक्ता मोहम्मद अमीन ने कहा अमेरिका में बसा भारतीय समूह यहां आर एस एस का एक भव्य कार्यक्रम संघ प्रमुख मोहन भागवत के सानिध्य में आयोजित करना चाहता है, जिस पर इन दिनों हम कार्य कर रहे है, उन्होंने कहा संघ सभी धर्मो का आदर करता है देश में आई किसी भी प्राकृतिक विपदा के समय संघ का हर सदस्य तन मन धन से पिडितो की सेवा में जुट गया इसलिए हर सच्चा भारतीय संघ के साथ हैं। इस अवसर पर आर एस एस प्रमुख मोहन भागवत ने देशवासियों को दिवाली की बधाई दी।

दिवाली से पहले बिजली उपभोक्ताओं को सरकार का खास तोहफा, गाजियाबाद के लाखों लोगों को इस स्कीम से बिल में मिलेगी भारी छूट

साहिबाबाद। जिले के छोटे-बड़े ढाई लाख विद्युत निगम के बकाएदारों को एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के अंतर्गत करीब 52 करोड़ की छूट मिलेगी। इसके लिए विद्युत निगम ने बकाएदारों को एडवाइजरी जारी कर दी है।

बिजली बिल पर मिलेगा यह लाभ

योजना के तहत उपभोक्ताओं का बिजली बिल पर लगाया गया 100 फीसदी ब्याज माफ किया जाएगा। जिले में बिजली के करीब 11 लाख उपभोक्ता हैं, जिनमें से साढ़े तीन लाख उपभोक्ता विद्युत निगम के बकाएदार हैं। इनमें 1.80 लाख बकाएदार शहरी क्षेत्र के हैं और 69 हजार ग्रामीण क्षेत्र के हैं।

बिल से ज्यादा बकाया ब्याज

इन बकाएदारों ने पिछले कई साल से बिजली बिल जमा नहीं किया है। यानी ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में करीब 30 फीसदी उपभोक्ता ऐसे हैं जो बिजली बिल जमा नहीं कर रहे। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे बकाएदार भी हैं जिन पर बिल से ज्यादा ब्याज की राशि हो गई है। इस तारीख से शुरू होगा काम इससे वह बिजली बिल जमा नहीं कर पा रहे हैं। अगर ये एकमुश्त समाधान योजना के अंतर्गत बिल जमा करेंगे तो ब्याज पर सौ फीसदी की छूट मिल जाएगी। विद्युत निगम के मुख्य अभियंता नीरज स्वरूप ने बताया कि बिजली बिल जमा करने का कार्य आठ नवंबर से से विद्युत निगम के एसडीओ कार्यालय, खंड कार्यालय, कलेक्शन सेंटर या जन सुविधा केंद्र पर शुरू कर दिया जाएगा।

पार्क में बैठे शख्स की लाठी डंडों से पीटकर हत्या

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली क्षेत्र के सुल्तानपुरी में पार्क में बैठे विनोद नामक एक शख्स की लाठी और डंडों से पीट पीटकर और फिर चाकू से वार करके हत्या कर दी गई। घटना बीती रात उस वक्त हुई, जब विनोद अपने कुछ साथियों के साथ पार्क में बैठकर बात कर रहा था। फिलहाल, हत्या की वजह पता नहीं चल पाई है।

विनोद की पत्नी रेखा का आरोप है कि मामूली कहासुनी के कारण हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया है। रात में हमलावर वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। लोगों से मिली जानकारी के अनुसार पार्क में बैठे विनोद पर अचानक कुछ लोगों ने हमला किया। हमलावर पहले पिटाई करते रहे फिर एक ने चाकू निकालकर उसपर वार करना शुरू कर दिया। चाकू लगने की वजह से खून निकलने लगा और जबतक उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया जाता, उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात के बाद आसपास के लोगों में भी दहशत का माहौल बन गया। वारदात की जानकारी तुरंत किसी ने रात में ही पुलिस को दी। स्थानीय पुलिस के साथ साथ जिला डीसीपी जिम्मी चिरम भी मौके पहुंचे और घटनास्थल पर छानबीन की। साथ ही मौके पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक की टीम को भी जांच के लिए और सबूतों को इकठ्ठा करने के लिए बुलाया गया। हमलावरों को पकड़ने के लिए सुल्तानपुरी थाने की पुलिस के अलावा जिला के ऑपरेशन सेल की टीम को भी लगाया गया है। पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर लिया है और आरोपितों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीम टेक्निकल सर्विलांस से छानबीन कर आरोपितों की तलाश सरगर्मी से की जा रही है।

सुल्तानपुरी में हुई हत्या के मामले में डीसीपी जिम्मी चिरम ने बताया कि यह वारदात छठ पूजा पार्क में बीती रात हुई थी। पुलिस जब मौके पर और हॉस्पिटल पहुंची तो पता चला कि विनोद को उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हालत में हॉस्पिटल लेकर गई थी लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। शुरूआती छानबीन में पता चला कि विनोद पार्क में जब बैठा हुआ था, उसी दौरान रोहित नाम का एक युवक उसके पास पहुंचा और उसने डंडे से उसकी पिटाई की और उसके बाद चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह नीचे गिर गया। इस मामले में रोहित उर्फ फजुल और उसके साथी की पुलिस तलाश कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट से फटकार के बाद मुख्यमंत्री केजरीवाल दें इस्तीफा: बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि केजरीवाल सरकार ने प्रदूषण पर किसी तरह का नियंत्रण न करके दिल्ली की जनता को जीते-जी मार दिया है। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि दिल्ली के लोगों के स्वास्थ्य की हत्या कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की इस फटकार के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपने पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्हें तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

बिधूड़ी ने कहा कि हम पहले ही कहते आ रहे हैं कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के तीन कारण हैं और इन तीनों कारणों के लिए केजरीवाल सरकार ही जिम्मेदार है। पंजाब में जलने वाली पराली का धुआं लगातार दिल्लीवालों का दम घोंट रहा है। अरविंद केजरीवाल कहते रहे हैं कि अगर पंजाब में उनकी पार्टी की सरकार आ गई तो पराली जलना बंद करा देंगे लेकिन इस साल पराली जलने की घटनाओं के तमाम रिकॉर्ड टूट रहे हैं। पराली के कारण दिल्ली के हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा है कि हम लोगों को इस तरह मरते नहीं देख सकते। पराली जलाने की प्रतिदिन 4 हजार से अधिक घटनाएं हो रही हैं लेकिन आम आदमी पार्टी हाथ पर हाथ रखकर बैठी है।

उन्होंने कहा कि पराली के अलावा बड़े कारण दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुलभ न होना और सड़कों की मरम्मत न होना है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इन दो कारणों को भी प्रदूषण का सबसे बड़ा जिम्मेदार माना है। दिल्ली में आप सरकार ने अब तक एक भी सीएनजी बस नहीं खरीदी। जो 800 इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली में चल रही हैं, वे केंद्र द्वारा ही दी गई हैं। डीटीसी का पूरा बेड़ा ओवरएज हो चुका है और उन खटारा बसों के बार-बार खराब होने के कारण जाम लग रहा है और प्रदूषण बढ़ रहा है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुलभ न होने के कारण लोग अपने वाहन सड़कों पर लाने के लिए मजबूर हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वाहनों पर नियंत्रण के लिए भी दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि दिल्ली की सड़कों की मरम्मत न होने के कारण धूल का गुबार पूरी दिल्ली को प्रदूषण की चपेट में लिए हुए है लेकिन सरकार इस समस्या पर ध्यान देने की बजाय भ्रष्टाचार में लिप्त है। बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार प्रदूषण पर काबू पाने में हर लिहाज से फेल साबित हुई है और निकम्मी साबित हुई है। अब सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के बाद यदि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जरा भी लज्जा महसूस हो रही हो तो उन्हें तुरंत अपना पद छोड़ देना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट के सामने जाकर यह मान लेना चाहिए कि प्रदूषण समेत बाकी समस्याओं को हल करने के लिए उनके पास कोई विजन नहीं है।

दुनिया में अमन व शांति के लिए आतंकवाद का खात्मा जरूरी: गोलोक बिहारी

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच ने आतंकवाद के खिलाफ दिल्ली में किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के बैनर-तले दिल्ली के तीन मूर्ति हाइफा चौक पर आज आतंकवाद के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य विश्व को आतंकवाद से मुक्त बनाना और अमन व शांति का वातावरण पैदा करना था। राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के संगठन महामंत्री गोलोक बिहारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मंच के कार्यकताओं ने इस विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

मीडिया से बात करते हुए श्री गोलोक बिहारी ने कहा कि आज पूरी दुनिया आतंकवाद से त्रस्त है। दुनिया का हर व्यक्ति भय के वातावरण में जी रहा है। असुरक्षा का भाव हर व्यक्ति के मन-मस्तिष्क पर हावी है। विश्व में शांति और मानव विकास के लिए सभी प्रकार के आतंकवाद की समाप्ति आवश्यक है। मंच के वरिष्ठ अधिकारी एडवोकेट जेपी शर्मा ने कहा कि भारत 75 वर्षों से आतंकवाद झेल रहा है। दुनिया आतंकवाद की चपेट में अब आई है। इसलिए अब पूरी दुनिया को एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ना पडेगा। सरदार टीपी सिंह ने कहा कि कश्मीर, पंजाब, मुंबई समेत पूरा भारत आतंक का दर्द झेल चुका है, अब नो मोर टेररिज्म। ले. जेनरल आरएन सिंह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व में गलत का बोलबाला बहुत दिनों तक नहीं रह सकता। दुनिया अब एकजुट हो चुकी है। आतंकवाद का खात्मा अब दूर नहीं।

मंच के कार्यकर्ता हाथ में वैश्विक आतंकवाद से मुक्ति, विश्व हो आतंकवाद से मुक्त, हमाश का नाश, आइएसआइ का नाश हो, नो मोर हिजबुल्ला, नो मोर लश्कर, नो मोर पीएफआई, नो मोर जैशे मोहम्मद जैसे स्लोगन वाले बैनर के साथ हाइफा चौक के चारों ओर कई चक्कर लगाए। मंच के कार्यकताओं ने भारत समेत विश्व के अमनपसंद लोगों से अपील करते हुए कह

संक्षिप्त खबरें

चिकत्सक के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

गया ।मगध प्रमंडल में आइबीएफ निः संतान मां को मातृत्व सुख प्रदान करने वाली महिला डा तेजस्वी नंदन के जन्मदिन पर सभी मगध प्रमंडल के महिलाओं के साथ साथ किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राहुल रंजन और धीरज गुप्ता ने डॉ तेजस्वी नंदन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं ।डा तेजस्वी नंदन ने अपने मेडीवर्स हास्पिटल मे डा तेजस्वी नंदन एवं डा मंजूल वीजय और सभी डा स्टाफ के साथ अपने जन्मदिन मनाई गई है ।इस अवसर पर डा तेजस्वी नंदन ने कहा कि आप सभी बढो और सभी स्टाफ,मरिजो और मगध प्रमंडल में अपने शुभचिंतकों और चाहने वालों,मेम्बर्स के आशीर्वाद से अपने नये उम्र में प्रवेश कर रही है यह सब आपके आशीर्वाद और दुआ का असर है इसे बढायुगी, जितना होगा करुगी यह कहा है ।सभी को आभार प्रकट की डा तेजस्वी नंदन ने।

वर्ष से चल रहे नाली व रास्ता का विवाद मुखिया ने किया निदानः मनोज कुमार

वंशी (अरवल) स्थानीय प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अनुवा पंचायत स्थित कस्तूरीपुर एवं भगवतीपुर में वर्षों से चल रहे नाली रास्ता विवादित समस्या का स्थानीय मुखिया मनोज कुमार ने निदान किया, वहीं मुखिया मनोज कुमार ने बताया कि कई वर्षों से इस गांव में रास्ते और नाली के लेकर विवाद चल रहा था जिसे आम जनता का काफी परेशानी हो रही थी आने-जाने में, मुखिया ने समस्या निदान करने के बाद जेसीबी लगवा कर रास्ते को साफ कराया और उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही नाली का निर्माण कार्य किया जाएगा, स्थानीय ग्रामीण ने बताया कि नाली नहीं रहने के कारण पूरी सड़क कीचड़ में तब्दील रहता था जिसे आने-जाने में काफी परेशानी होती थी ,समस्या का समाधान होने पर ग्रामीण में खुशी दिखी।

पुलिस ने देसी महुआ शराब के साथ एक कारोबारी को किया गिरफ्तार

आरा ।भोजपुर जिले के चांदी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर बाइक पर लदे देसी महुआ शराब के साथ एक शराब कारोबारी को धर दबोचा।गिरफ्तार शराब करबारी की पहचान बहीरों गांव निवासी अंबिका यादव का पुत्र पप्पू कुमार के रूप में हुई अपर थानाध्यक्ष राजविजय सिंह यादव ने बताया कि सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के रामडीहल टोला गांव से एक शराब कारोबारी बाइक पर शराब लेकर आ रहा पुलिस ने सलेमपुर मोड़ से उसे 40 लीटर देसी महुआ शराब की गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार शराब कारोबारी के खिलाफ शराब अधिनियम के तहत प्राथमिक की दर्ज कर न्यायिक हिरासत के लिए जेल भेज दिया गया।

बीज वितरण में धांधली को लेकर किसानों ने किया हंगामा

चरपोखरी ।भोजपुर जिले के चरपोखरी प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन मंगलवार को बीज वितरण के दौरान अचानक रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। विभागीय कर्मियों और किसानों के बीच तू-तू, मैं-मैं से शुरू हो गई ।किसानों के द्वारा बताया गया कि दूसरे प्रखंडों में निर्धारित मूल्य पर ही बीज का वितरण किया जा रहा है लेकिन चरपोखरी प्रखंड के ई-किसान भवन में किसानों को 10 रुपये प्रति किलो ज्यादा मूल्य पर दिया जा रहा है इस संबंध में प्रखंड कृषि पदाधिकारी शंभू शरण से फोन के द्वारा संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो पाया जिसकी ज्यादा जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई।

विभिन्न छठ घाटों का अधिकारियों ने लिया जायजा

चरपोखरी ।लोक आस्था के महापर्व कार्तिकी छठ को लेकर अधिकारी काफी मुस्तैद है ।छठ के दौरान चरपोखरी प्रखंड अंतर्गत विभिन्न छठ घाटों पर जुटने वाली छठ व्रतियों की भीड के मद्देनजर देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी मोनिका कुमारी,थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा,चरपोखरी राजद अध्यक्ष सत्यनारायण यादव,सियाडीह पंचायत के मुखिया लालमुक्ति पासवान के द्वारा छठ घाटों का दौरा कर भौतिक स्थिति का जायजा लिया गया ।जिसमें धनौती,नगरी,चरपोखरी,सियाडीह,बरखी सहित अन्य छठ घाटों का जायजा लेकर कई दिशा निर्देश दिया गया उस दौरान राजद के प्रधान महासचिव हरि यादव, कृष्ण मुरारी,अजय कुमार, विकास कुमार सहित कई अन्य पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

सीयूएसबी में बायोइन्फरमेटिक्स के माध्यम से औषधि खोज पर कार्यशाला

प्रात : किरण संवादादाता

गया ।सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार सीयूएसबी में ड्रग डिस्कवरी थ्रू बायोइन्फरमेटिक्स बायोइन्फरमेटिक्स के माध्यम से औषधि खोज पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला विशेषज्ञों के विचार-मंथन सत्रों के बाद संपन्न हुई है। सीयूएसबी के जन संपर्क पदाधिकारी पीआरओ ने बताया कि कार्यशाला का आयोजन बायोइन्फरमेटिक्स विभाग द्वारा किया गया था। गौरतलब हो कि सीयूएसबी के बायोइन्फरमेटिक्स विभाग ने हाल ही में डीएसटी-एफआईएसटी समर्थन अर्जित किया है, जो बिहार और कई पूर्वी राज्यों में बायोइन्फरमेटिक्स के क्षेत्र में एक अग्रणी केंद्र है।

कार्यशाला का आयोजन आणविक औषधि खोज के अग्रणी क्षेत्रों में छात्रों और युवा शोधकताओं को आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में किया गया था। जैव सूचना विज्ञान विभाग के प्रमुख और कार्यशाला के संयोजक प्रो. आशीष शंकर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइन सीएडीडी जैव प्रौद्योगिकी और फार्मास्युटिकल उद्योगों में एक उभरता हुआ और सबसे अधिक मांग वाला क्षेत्र है। सीएडीडी विधियों का उद्देश्य किसी बीमारी के इलाज के लिए उचित दवा अणुओं को विकसित करने के लिए आणविक संरचनाओं और बलों के सूक्ष्म ज्ञान का उपयोग करना है। भारत में अधिक से अधिक फार्मास्युटिकल कंपनियां नई दवाओं की खोज के लिए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में अपने राजस्व का एक बड़ा हिस्सा निवेश कर रही हैं, जिससे इस क्षेत्र में कुशल छात्रों के लिए नौकरी की आवश्यकता तेजी से बढ़ने की उम्मीद है ।इसके अलावा विशेषज्ञों ने ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिए और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जिससे प्रतिभागी नवीनतम टूल और सॉफ्टवेयर से रूबरू हुए हैं। प्रो. आर. एस. राठौड़ ने अणुओं की वर्चुअल स्क्रीनिंग और दवा डिजाइन में उपयुक्त सीसा अणुओं की पहचान के लिए उद्योग में नियोजित नवीनतम तकनीकों पर व्याख्यान दिए और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए हैं। व्याख्यान देते हुए उन्होंने इस कौशल के अत्यधिक महत्व पर प्रकाश डाला है। अनुमान है कि दुनिया में 10,000 बीमारियाँ मौजूद हैं, और एक आश्चर्यजनक विपरीत में हमने इन आधुनिक तकनीकों सामूहिक रूप से तर्कसंगत दवा डिजाइन तकनीकों के रूप में संदर्भित का उपयोग करके केवल 3000 दवाओं की खोज की है।

इसलिए इस छेत्र में अधिक से अधिक अनुसंधान की आवश्यकता है` आगे डॉ. अजय कुमार सिंह और डॉ. दुर्ग विजय सिंह ने डसॉल्ट सिस्टम्स बीआईओवीआईए डिस्कवरी स्टूडियो जैसे कई अत्याधुनिक उपकरण और सॉफ्टवेयर पर अपने प्रेजेंटेशन पेश किए गए हैं। दोपहर के सत्र में, मोलसॉफ्ट एलएलसी, पुणे और स्कूब साइंटिफिक सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस, नई दिल्ली के विशेषज्ञों ने दवा खोजों के लिए अपने सबसे हालिया सॉफ्टवेयर और प्रौद्योगिकियों पर सॉफ्टवेयर डेमो प्रस्तुत किया है। कार्यशाला को संकाय सदस्यों, डॉ. के.के. ओझा, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. वी.के. सिंह, स्टाफ श्री प्रियतम और ज्ञान प्रकाश राय, मयंक कुमार, कृष्णेंदु बेरा और निहारिका सहित कई पीएचडी छात्रों के सामूहिक प्रयासों से सफल बनाया गया है। प्रो प्रधान पार्थ सारथी, डीन, एसईबीईएस ने स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित कार्यशाला आयोजित करने के लिए टीम के प्रयास को बधाई दी और सराहना की है।

डीएम गया को चैंबर ऑफ कॉमर्स चैरिटेबल ट्रस्ट ने की सम्मानित

प्रात : किरण संवादादाता

गया। विश्व प्रशिद्ध पितृपक्ष मिला महासंगम 2023 में बड़ी संख्या में आए तीर्थयात्रियों की उसकी सेवा तथा कुशल निर्देशन के लिए चेंबर ऑफ कॉमर्स चैरिटेबल ट्रस्ट गया द्वारा जिला पदाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस एम को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र द्वारा सम्मानित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सेवाओं द्वारा इस साल प्रशंसनीय प्रयास किया गया है। इस अवसर पर ट्रस्ट के चेयरमैन डा अनूप केडिया, सचिव डा कौशलेंद्र प्रताप, महासचिव आलोक नन्दन, पूर्व अध्यक्ष विपेन्द्र अग्रवाल आदि उपस्थित थे। जिला पदाधिकारी ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि जिले के सभी सामज सेवी और अधिक बढ़ चढ़ कर पितृपक्ष मेला अवधि में यात्रियों को पूरी सेवा भाव से मदद करे।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस का आयोजन

प्रात : किरण संवादादाता

आरा : सदर अस्पताल, आरा के जी.एन.एम. भवन परिसर में " राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. के.एन. सिन्हा, ए.सी.एम.ओ. और डॉ. प्रवीण कुमार सिन्हा एन.सी.डी.ओ. भोजपुर, प्राचार्य ए. एन. एम. स्कूल, आरा डॉ. स्नेहिल स्नेहा एवं डॉ. सुहानी भारद्वाज ने सम्मिलित रूप से किया। इस अवसर पर डॉ. प्रवीण कुमार सिन्हा ने बताया कि हमारे देश में कैंसर के मरीजों को बढ़ते हुए देश के केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्स वर्धन द्वारा सितम्बर सन् 2014 में एक उच्च स्तरीय बैठक के उपरांत सर्वसम्मति से 7 नवंबर को देश में "राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस" मनाने की प्रक्रिया शुरू हुई, तब से हर वर्ष इस दिन को कैंसर जागरूकता के रूप में मनाया जाता है। कैंसर एक जान लेवा बिमारी है, एक बार हो गया तो समय के साथ दिन व दिन बढ़ता ही जाता है। इसका इलाज भी काफी खचीर्ला होता है और अनेकों प्रकार का शारीरिक पीड़ा दे जाता है। आयोजन का मुख्य आकर्षण था - ए.एन.एम. स्कूल की छात्राओं ने पेन्टिगं कर सभी प्रकार के कैंसर को प्रदर्शित किया और मुख्य मुख्य लक्षण, कारण एवं इलाज के संबंध में लिखा और माईक द्वारा सभी को अवगत कराया। डॉ. प्रवीण कुमार सिन्हा ने सभी प्रतिभागियों को एक-एक खूबसूरत कलम गिफ्ट स्वरूप भेंट कर सबों का हौसला अफजाई की।

छात्राओं के जोश से पूरा पंडाल उत्साहित हो गये। इस अवसर पर डॉ. सुहानी भारद्वाज एवं डॉ स्नेहिल स्नेहा ने कैंसर स्क्रीनिंग पर जोर देते हुए शुरूआती दौर में कैंसर का डायग्नोसिस कराने की सलाह दी। इस अवसर पर ए.एन.एम. की शिक्षिका श्रीमती रिन्सी ने भी कैंसर के संबंध में जानकारी साझा किया।

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा

प्रात : किरण संवादादाता

गया ।मुख्य सचिव, बिहार के अध्यक्षता में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा की गई है। जिसमें निदेश दिया गया कि ग्राम पंचायतों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन अंतर्गत हो रहे कचरा उठाव का उपयोगिता शुल्क 30रू०, अधिक से अधिक घरों में संग्रह करने का निदेश दिया गया है। ताकि ग्राम पंचायतों में स्वच्छता बरकरार रखा जा सके। इसके साथ हीं सभी ग्राम पंचायतों में अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का निर्माण जल्द से जल्द करने का निदेश दिया गया है। ग्राम पंचायतों से कचरा से धन इक्ट्ठा करने हेतु गीला एवं सूखा कचरा को पृथक्करण कर उसे बेच कर राशि ग्राम पंचायत के खाते में जमा करने का निदेश दिया गया है। जिससे ग्राम पंचायतों को स्वच्छ बनाने में सहयोग मिल सके। इस बैठक में जिला पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, निदेशक डीआरडीए, जिला समन्वयक, जिला सलाहकार आदि उपस्थित थे।

मध्य विद्यालय अखगांव के प्रांगण में प्रोजेक्ट बेस्ट लर्निंग प्रदर्शनी का आयोजन

प्रात : किरण संवादादाता

आरा। भोजपुर जिले के संदेश प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय अखगांव के प्रांगण में प्रोजेक्ट बेस्ट लर्निंग प्रदर्शनी का उद्घाटन भोजपुर जिला शिक्षा पदाधिकारी मोहम्मद अहसन ने दीप प्रज्वलित कर किया। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत बच्चों को विशेष ध्यान देने की योजना बनाई गई है ताकि बच्चे कबाड़ से जुगाड करके विज्ञान विषय में जानकारी प्राप्त कर सकें।

इसी मद्देनजर आज मध्य विद्यालय अखगांव में विज्ञान शिक्षक राजेश कुमार एवं विजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में वर्ग छः से आठ के बच्चों ने दर्जनों प्रोजेक्ट बनाकर विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया जिसमें 20 प्रतिभागियों को जिला शिक्षा पदाधिकारी मोहम्मद अहसन के द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। जिसमें प्रथम आदित्य कुमार, सिमरन, खुशी द्वितीय विकास कुमार,भावना,अलिना एवं तृतीय समीक्षा एवं अंजली समेत 20 प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की आने वाला समय विज्ञान का युग होगा और आज हम सभी जो कल्पना करते थे की चांदा मामा दुर के लेकिन वैज्ञानिकों ने उसके पास भी चन्द्रयान को भेजकर नजदीक कर दिया। इसलिए नई शिक्षा नीति में संशोधन कर बचपन से ही विज्ञान के प्रति बच्चों को जागरूक करने की जरूरत है। इसमें बच्चों एवं शिक्षकों को ईमानदारी से कार्य करने पर भी बल दिया। मंच संचालन कुमार गौरव एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार सिंह ने किया ।कार्यक्रम में उपस्थित राजेश रौशन, शैलेन्द्र सिंह, जीतेन्द्र सिंह, अमृता कुमारी, प्रियंका कुमारी, चंद्रशेखर सिंह,आशिया बेगम,रजिया,प्रिया, इरशाद,गुफराना,रिहा, घनश्याम,अनुराग,शिवम,प्रमिला देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नगर आयुक्त ने मानपुर घाट पर स्लैब को ठीक कराने का दिया निर्देश

प्रात : किरण संवादादाता

गया। बिहार के विश्व प्रसिद्ध छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए नगर निगम आयुक्त अभिलाषा शर्मा,,गया नगर निगम द्वारा मंगलवार को गया नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया गया है।

सिंगारा स्थान के निरीक्षण के दौरान अच्छी तरह से साफ सफाई कराने एवं पहुंच पथ के गड्ढे को स्टोन डस्ट से भरवाने का निर्देश दिया गया है ।झारखंडी घाट के निरीक्षण के क्रम में नाली की सफाई कराने ,अच्छी तरह से पहुंच पथ एवं घाट की सफाई कराने एवं किशोर प्रसाद कनीय अभियन्ता को निर्देश दिए,वही पहुंच पथ में टूटे हुए नाली स्लैब को बनवाने का निर्देश दिया गया है ।सीताकुंड के निरीक्षण के क्रम में पानी की सफाई के लिए पाच मजदूर कल से प्रतिदिन लगाने का निर्देश दिया गया है ।मानपुर दिनकर घाट के निरीक्षण के दौरान पहुंच पथ में नाली की मरम्मती, नाली स्लैब का निर्माण आवश्यक पाया गया है जिसपर किशोर कुमार कनीय अभियन्ता को नाली निर्माण, नाली कवर बनवाने तथा पार पथ का निर्माण कराने का निर्देश दिया गया है। शैलेंद्र कुमार सिन्हा, नोडल पदाधिकारी सफाई को दिनकर घाट पर कुंड का निर्माण कराने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही सभी आवश्यक घाट पर कल से साफ सफाई हेतु अतिरिक्त मजदूर देने का निर्देश दिया गया है ।इस निरीक्षण में शिवनाथ ठाकुर उप नगर आयुक्त, आसिफ सेराज नगर प्रबंधक, नोडल पदाधिकारी, सफाई शैलेंद्र सिन्हा, कनीय अभियंता एवं वार्ड निरीक्षक मौजूद थे।

लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत कचरा अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट का किया गया उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

तरारी : भोजपुर जिला क्षेत्र अंतर्गत तरारी प्रखण्ड के कुरमुरी पंचायत मे लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अपशिष्ट प्रसंस्करण का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन तरारी बीडीओ अशोक कुमार जिज्ञासु ,कुरमुरी मुखिया गौरी शंकर , तरारी मध्य जिला परिषद सदस्य गिरिश नन्दन उर्फ राकेश सिंह,मनरेगा पीओ रामानुज सिंह,चकिया मुखिया मुन्ना सिंह , भकुरा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि रामईश्वर यादव द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित व फीता काट कर उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम उद्घाघाटन के बाद सभी अतिथियों को अगं बस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वही अपशिष्ट ढोने वाली इ-रिक्शा व ठेला को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कुरमुरी पंचायत को स्वच्छ रखना है। प्रत्येक वार्ड में एक ठेला दिया गया,जिसमें 6 डब्बा,तीन सूखा और तीन गीला के लिए।

वहीं एक इ-रिक्सा जो कि सभी कचरे को समुचित जगह पर लाकर रखेगा। मौके तरारी मध्य जिला परिषद सदस्य गिरिश नन्दन उर्फ राकेश सिंह ने पंचायत के ग्रामीणों से अपील की गाँवो को स्वच्छ रखने के उदेश्य से ही सरकार ने पंचायत स्तर पर कचरा अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य शुरू किया है जो स्थानीय लोगों के सहयोग ही सफल हो सकता है। वही मुखिया गौरी शंकर ने कहा कि हम चाहते है कि मेरा पंचायत स्वच्छ रहे। मौके पर प्रखण्ड समन्वयक कृष्णा सिंह , मुनि सिंह ,बिनोद कुमार ,पंचायत पर्यवेक्षक, सहित पंचायत के सभी कमीयी समेत हजारो ग्रामीण मौजूद थे।

भारत स्काउट और गाईड का मनाया गया स्थापना दिवस

प्रात : किरण संवादादाता

बारुण(औरंगाबाद)। बारुण प्रखंड के कृष्ण कोचिंग सेंटर में मंगलवार को भारत स्काउट और गाइड का स्थापना दिवस स्काउट प्रशिक्षक राष्ट्रपति पुरस्कार सम्मानित आचार्य मयंक शास्त्री की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम में स्काउट और गाइड के संस्थापक बेडेन पावेल के चित्र पर माल्यार्पण श्रद्धा सुमन अर्पित कर व सलामी देकर सभी स्काउट गाईड ने उनके योगदान को याद किया। स्काउट प्रशिक्षक आचार्य मयंक शास्त्री द्वारा स्काउट-गाइड के महत्व, बेडेन पावेल के व्यक्तित्व के बारे में बताया गया। बच्चों से कहा कि राष्ट्रप्रेम, अनुशासन व समाजसेवा जो भावना स्काउट-गाइड में देखने को मिलती है। वह काबिल- ए- तारीफ होती है। 7 नवंबर 1950 को आजादी के बाद भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री अब्दुल कलाम आजाद के अध्यक्षता में विधिवत रूप से भारत स्काउड गाइड की स्थापना की गई थी। बताया कि स्थापना दिवस पर जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्रीनिवास कुमार के निर्देश पर बभंडी प्रशिक्षण केंद्र, दाउदनगर, गोह,हसपुरा बारुण में धूमधाम से स्थापना दिवस मनाया गया। श्रीनिवास कुमार द्वारा बताया गया कि आज के समय में स्काउटिंग की शिक्षा को अति आवश्यक है। भारतीय संस्कृति को संजोकर रखने में और विश्व बंधुत्व को बढ़ावा देने में स्काउड-गाइड की भूमिका सबसे अहम है। बताया कि कार्तिक छठ देवा मेला में जिलापदाधिकारी के आदेशानुसार 400 स्काउट गाईड देव में 17 नवम्बर से 20 नवम्बर तक सुरक्षा विधि व्यवस्था बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे।

जिला आपूर्ति शाखा की समीक्षा बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवादादाता

औरंगाबाद। जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री द्वारा समाहरणालय सभा कक्ष में जिला आपूर्ति शाखा की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि माह अक्टूबर 2023 से प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी बारुण, मदनपुर, गो ह एवं हसपुरा द्वारा जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं का निरीक्षण विभागीय निदेश के अनुरूप नहीं किया गया है। प्रखंड स्तर पर राशन कार्ड निर्गत करने हेतु प्राप्त ऑनलाइन आवेदन पत्र काफी संख्या में लंबित है। जिला पदाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को विभागीय निदेश के अनुसार उचित मूल्य की दुकानों का निरीक्षण करने एवं राशन कार्ड निर्गत करने हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों का ससमय निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी विजयंत, दाउदनगर अनुमंडल पदाधिकारी मनोज कुमार, प्रभारी जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्वेतांक लाल, वरीय उप समाहर्ता आलोक कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम एवं अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मन का दीपक जब जले, जगमग जग संसार : जनार्दन जलज

प्रात : किरण संवादादाता

औरंगाबाद। राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था 'शब्दाक्षर' की औरंगाबाद जिला इकाई के तत्त्वावधान में शहर के बिराटपुर स्थित ज्ञान कुंज विद्यालय के सभागार में एक काव्य-संध्या का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता उक्त संस्था के बिहार संगठन मंत्री विनय मामूली बुद्धि तथा संचालन जिला संगठन सचिव अनिल अनिल ने किया। गोष्ठी की शुरूआत मंत्रध्वनि के साथ दीप प्रज्वलित कर की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह, प्रवक्ता डा रश्मि प्रियदर्शिनी एवं बिहार प्रदेश अध्यक्ष प्रो मनोज मिश्र 'पद्मनाभ' ने दूरभाष द्वारा संस्था के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की। 'शब्दाक्षर' के कुटुंबा प्रखंड अध्यक्ष कुमार सानू मौर्य ने सरस्वती वंदना के साथ कवि-गोष्ठी की विधिवत शुरूआत की। कविता पाठ के दौरान उन्होंने कहा- 'मत हंसा कर अश्कों पर कभी किसी के, आंसू हमेशा दर्द के सबूत ना होते।' संचालन के दौरान अनिल अनल द्वारा पढ़ी गई इन पंक्तियों पर खूब तालियां बरसीं -"वारि वायु की बातें करे क्या कोई, जब प्रदूषित यहां आदमी हो गया। है सिसकती खड़ी आदमीयत कहीं, आदमी में यहां आदमी खो गया।" उपाध्यक्ष जनार्दन मिश्र जलज ने आनेवाली दीपावली पर्व पर लोगों को नसीहत देते हुए कहा- "ज्ञान ज्योति का पर्व है, हृदय करो उजियार। मन का दीपक जब जले, जगमग जग संसार।।" कवि की इस प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट से परिसर गूंजायमान हो गया।

नागेंद्र कुमार केसरी की प्रस्तुति- "एक नन्हा बच्चा सोया था,६ मीठे सपनों में खोया था" पर दर्शन-श्रोता भाव-विह्वल होकर आंसू पोंछते नजर आए। नवोदित शायर हिमांशु चक्रपाणि ने एक गजल प्रस्तुत करते हुए कहा -"जब किसी रोज मेरे दिल की गली तू आई, तो लगा जैसे किसी बाग से खुशबू आई।" कवि अनुज बेचैन ने-'प्रेमचंद तुम्हारी याद आती है आज भी' नामक कविता के माध्यम से प्रेमचंद की अधिकतर रचनाओं से संबंधित घटनाओं का विहगावलोकन ही करा दिया।

जिलाध्यक्ष धनंजय जयपुरी की श्रृंगार रस से ओत-प्रोत कवित्त -"द्वार खड़ी इक सुन्दर नार लगे जस मन्मथ की यह जाया, है कच रम्य कपोल सुरम्य कुचादि अनन्य व कंचन काया" ने उपस्थित जन सामान्य के मन में प्रेम रस का संचार कर दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में मामूली बुद्धि ने उक्त संस्था के माध्यम से लोगों को साहित्यिक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस गोष्ठी में उपरोक्त लोगों के अलावा और सुरेश विद्यार्थी, राहुल कुमार, अनिल कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, मोहम्मद परवेज सहित लगभग दो दर्जन लोग उपस्थित थे।

जदयू कार्यकर्त्ता ने जाती अधारित गणना के लिए मख्यमंत्री का जताया आभार

प्रात : किरण संवादादाता

छपरा कार्यालय। सर्किट हाऊस छपरा में जद(यू) जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू के अध्यक्षता में जाति आधारित गणना जैसे ऐतिहासिक कदम के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आभार कार्यक्रम आयोजित की गई कार्यक्रता को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री मुनेश्वर चौधरी ने जाति आधारित गणना रिपोर्ट पर कहा है कि जाति आधारित गणना रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद जहां सर्वप्रिय नेता माननीय नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच को बल मिला है वहीं भाजपाइयों में हताशा का माहौल फैला हुआ है । संकीर्ण मानसिकता की धनी भाजपा जाति आधारित गणना रिपोर्ट से इतनी विवेक शून्य हो गई है कि फिर मिथ्या वोट की राजनीति की शुरूआत कर रही है।

प्रदेश उपाध्यक्ष वैधनाथ प्रसाद सिंह विकल ने कहा की भाजपा का एक सूत्री कार्यक्रम है हिंदू-मुसलमान ' कर समाज को बांटना। किंतु अब देश की जनता जागरुक हो रही है अब लोग माननीय मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता से प्रभावित होकर भाजपा के मकड़जाल से बाहर निकल रहे हैं नीतीश कुमार में लोगों का विश्वास बढ़ा है। जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू ने कहा की समाजवाद में सांप्रदायिकता का कोई स्थान नहीं है यहां समता मूलक समाज की स्थापना होती है । हमारे समाजवादी नेता का उद्देश्य है कि जाति आधारित गणना रिपोर्ट से प्राप्त आंकड़े के अनुसार समाज के हर वर्ग के सापेक्ष विकासात्मक एवं लोक कल्याणकारी योजना बनायी जाए ताकि समाज के हर वर्ग के लोगों के समानुपातिक लाभ मिल सके।

आनंदकीशोर सिंह ,सत्यप्रकाश यादव , बालमुकुंद चौहान,जयप्रकाश यादव ,महेश्वर चौधरी,ओमप्रकाश शर्मा,पसुपतिनाथ पटेल , मदन सिंह कुशवाहा,जावेद अब्बास पप्पू, मनोज पटेल,काजिम राजा रिजवी ,जयप्रकाश महतो,सकील सिद्दीकी,ई0 प्रभास शंकर, चांदनी सिंह ,हरेंद्र महतो, डा0 रीता भारती,बरजेश सिंह ,कुसुम देवी , कंचन कुशवाहा ,जहागिर आलम मुन्ना , भगवान दास, निर्मल कुमार,संजय राम ,विकास सिंह,संभू मांझी, सत्य नारायण सिंह , इम्तियाज परवेज,कुसुम रानी, गुड्डी जयसवाल,हरेंद्र सिंह , सम्भू सिंह , शिव नारायण सिंह पटेल, गुड्डू सिंह, अजय सिंह ,हसनैन अंसारी,सोहाग सिंह,संजीव सिंह , अजय साह , मन्नूलाल बैठा, नीतीश पटेल,ज्वाला प्रसाद, जितेंद्र कुमार सोनी,मनोज सिंह , शाबुद्दीन मंसूरी,आदि उपस्थित थे।

अग्निशमन कर्मियों ने बच्चों को आग से बचाव का दिया प्रक्षिक्षण

मांझी ।स्थानीय प्रखंड स्थित कन्या मध्य विद्यालय माँझी कंचनपुर में मंगलवार को इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी छपरा द्वारा आयोजित अग्निशमन के पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, मुकुल राय, सुधीर कुमार, नेहा कुमारी, ज्योति कुमारी एवं अभिषेक कुमार द्वारा स्कूली बच्चों के बीच मार्क ड्रिल किया गया अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने आग से सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया स्कूली बच्चों को आग से बचाव के विभिन्न उपाय का प्रदर्शन मार्क ड्रिल के माध्यम से किया गया अग्निशमन दस्ता के सदस्यों ने सिलेंडर से निकले गैस में लगी आग पर नियंत्रण पाने के लिए पानी से भीगे हुए कपड़े को गैस सिलेंडर पर लगाकर आग बूझकर दिखाए एवं विभिन्न प्रकार के एक्टिविटी कर आग पर कैसे काबू पाया जा सके इसकी जानकारी बच्चों को दी अग्निशमन कर्मियों ने बताया कि आपदा से निपटने के लिए हर व्यक्ति में जागरुकता जरूरी है हम जागरूकता फैला कर आग से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं इस सम्बंध में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव जीनत मसीह ने बताया कि खासकर दीपावली के त्योहार मौके आग से बचाव की जानकारी हरेक लोगों में होनी चाहिए आज अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने दिये जलाने पटाखे जलाने की भी जानकारी बच्चों को दी।

सम्पादकीय

सड़कों पर जारी मौतें

साल 2022 में भारत में सड़क हादसों में एक लाख 68 हजार लोग मारे गए। कुल चार लाख 61 हजार हादसे हुए, जिनमें बड़ी संख्या में लोग जख्मी और विकलांग भी हुए। घायलों की संख्या 4.43 लाख रही। भारत में जानलेवा परिवहन की चर्चा अक्सर होती है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकलता। शायद इसलिए कि समाधान निकालना किसी की प्राथमिकता में नहीं है। यह एक तरह से सड़कों पर रोजमर्रा के स्तर पर घटने वाली त्रासदियों के प्रति हमारी सामूहिक बेरहमी का संकेत है। इस त्रासदी का दायरा कितना बड़ा है, यह एक बार फिर सामने आए आधिकारिक आंकड़ों से जाहिर हुआ है। केंद्रीय सड़क यातायात मंत्रालय ने सड़क हादसों के बारे में अपनी रिपोर्ट जारी की है। इस सालाना रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में देश में सड़क हादसों में एक लाख 68 हजार लोग मारे गए। कुल हादसे चार लाख 61 हजार हुए, जिनमें बड़ी संख्या में लोग जख्मी और विकलांग भी हुए। घायलों की संख्या 4.43 लाख रही। मरने वालों में से 71.2 प्रतिशत लोग तेज गति से वाहन चलाने की वजह से हुए हादसों का शिकार बने। सबसे ज्यादा हादसों के शिकार दोपहिया वाहन चलाने वाले हुए। यह भी इस घटनाक्रम का एक पहलू है। दोपहिया वाहन अक्सर निम्न मध्य वर्ग परिवारों के परिवहन का जरिया होते हैं। नीति निर्माण से लेकर मीडिया की चर्चा और आम संवेदनाओं की प्राथमिकता में गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवार अक्सर काफी नीचे आते हैं। एक और तथ्य गौरतलब है: 47.7 प्रतिशत हादसे और 55.1 प्रतिशत मौतें खुले इलाकों में हुईं- यानी उन क्षेत्रों में जहां मानव गतिविधि ज्यादा नहीं थी। मतलब यह कि हादसों के पीछे लापरवाही एक बड़ा कारण बनी हुई है। पिछले लगभग दो दशक इस बात को चर्चा में लाया गया कि अगर लोगों को दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की मदद के लिए प्रोत्साहित किया जाए, तो बहुत-सी जानें बच सकती हैं। विधि आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि सड़क हादसों में मारे गए लोगों को अगर समय से अस्पताल पहुंचा दिया जाए तो उनमें से 50 प्रतिशत की जान बचाई जा सकती है। इसे संभव बनाने के उद्देश्य से 2020 में केंद्र सरकार ने नए नियम भी बनाए। लेकिन इस दिशा में वास्तव में कोई प्रगति हुई है, इसका संकेत नहीं है। कुल मिलाकर दुखद स्थिति यह है कि हमारी सड़कों का जानलेवा रूप बदल नहीं रहा है।

तेल की तलब व पश्चिम एशिया का संकट

राम पुनियानी

सात अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजराइल के कुछ ठिकानों पर हमले और करीब 200 यहूदियों को बंधक बना लिए जाने के बाद से इजराइल फिलिस्तीन पर हमले कर रहा है। दोनों ही तरफ के हमलों में सबसे ज्यादा नुकसान हिंसा का शिकार होने वालों का होता है, चाहे वे सैनिक हों या नागरिक। अमरीका, ब्रिटेन और फ्रांस समेत कई पश्चिमी देशों ने इजराइल के साथ एकजुटता प्रदर्शित की है। यहां तक कि हमास के हमले के कुछ ही घंटों बाद, भारत ने उसका समर्थन कर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर के बारे में मुंह खोलने में कई महीने लगा दिए, लेकिन इजराइल के साथ हमदर्दी जताने में उन्होंने जरा भी देरी नहीं की। पूरे मामले में अपराधी बताया जाने वाला हमास (इस्लामी प्रतिरोध आन्दोलन) सन् 1987 में गठित फिलिस्तीनियों की एक सशर्स संस्था और मुख्य पार्टी है। इसके सशस्त्र विभाग का गठन 1992 में हुआ था। इस मामले में कई स्तंभकार केवल हमास को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं और युद्ध की स्थितियां निर्मित करने के लिए उसे जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, लेकिन साथ ही यह भी स्वागतयोग्य है कि इंग्लैंड और अमरीका में इजराइल के खिलाफ कई बड़े प्रदर्शन हुए हैं, हालांकि मीडिया ने उनकी बहुत कम चर्चा की है।

कई यहूदियों ने भी पश्चिम एशिया में इजराइल की नीतियों की कड़ी आलोचना की है। जहां तक भारत का सवाल है, उसकी नीतियां इस मुद्दे पर महात्मा गांधी के विचारों पर आधारित रही हैं। गांधी जी ने 1938 में लिखा था, फिलिस्तीन उसी तरह से अरब लोगों का है, जिस तरह इंग्लैंड अंग्रेजों का और फ्रांस फ्रांसीसियों का है। उन्होंने यह भी लिखा कि ईसाइयों के हाथों यहूदियों ने प्रताडा भोगी है, मगर इसका यह मतलब नहीं कि उन्हें मुआवजा देने के लिए फिलिस्तीनियों से उनकी जमीन छीन ली जाए। यहूदी यूरोप में व्याप्त यहूदी-विरोधवाद के शिकार रहे हैं। यहूदियों के प्रति ईसाइयों के बैरभाव के कई कारणों में से एक यह है कि ऐसा माना जाता है कि ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाये जाने के लिए यहूदी जिम्मेदार थे। आगे चलकर व्यापारिक होड़ के कारण यह बैर और बढ़ा। यहूदी-विरोधवाद का सबसे क्रूर और सबसे हिंसक पैरोकार था एडोल्फ हिटलर, जिसने लाखों यहूदियों को मौत के घाट उतार दिया था। अकेले गैस चैम्बरों में 60 लाख यहूदी मारे गए थे। यूरोप में यहूदियों को कई तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता था। इसी के नतीजे में जोयनिज्म या यहूदीवाद का जन्म हुआ। थियोडोर हट्र्सजल ने दि ज्यूइश स्टेट शीर्षक से एक पुस्तक लिखी और इस मुद्दे पर स्विट्जरलैंड में कुछ यहूदियों की बैठक हुई। ओल्ड टेस्टामेंट के हवाले से उन्होंने घोषणा की कि फिलिस्तीन की भूमि यहूदियों की है। उनका नारा था, भूमि-विहीन मानवों (यहूदियों) के लिए मानव-विहीन भूमि (फिलिस्तीन)। जाहिर है, यह नारा उस भूमि पर 1000 साल से रह रहे उन फिलिस्तीनियों के साथ बेरहमी करने का आह्वान था जो केवल मुसलमान नहीं थे। उनमें से 86 फीसदी मुसलमान, 10 फीसदी ईसाई और 4 फीसदी यहूदी थे। बहरहाल एक ज्यूइश नेशनल फण्ड स्थापित किया गया और दुनिया भर से यहूदी फिलिस्तीन आकर वहां जमीन खरीदने लगे। शुरूआत में अधिकांश यहूदी भी यहूदीवाद के खिलाफ थे। जो यहूदी फिलिस्तीन में बसे, उनसे कहा गया कि वे अपनी जमीन न तो किसी अरब को किराये पर दें और न किसी अरब को बेचें। उनका इरादा साफ था- धीरे-धीरे फिलिस्तीन पर कब्जा जमाते जाओ। यहूदियों की संख्या बढ़ती गयी, फिर एक अंतर्राष्ट्रीय समझौते के अंतर्गत फिलिस्तीन का शासन इंग्लैंड के हाथ में आ गया और वहां की आतंरिक समस्याएं बढे लगीं। सन 1917 में इंग्लैंड ने ह्यबेलफोर घोषणापत्र जारी कर फिलिस्तीन में यहूदी लोगों के लिए गृहराष्ट्र की स्थापना का समर्थन किया। इस तरह फिलिस्तीन की समस्या की जड़ में ब्रिटिश उपनिवेशवाद है। यहूदी लेखक आर्थर केस्लेर ने ह्यबेलफोर घोषणापत्र के बारे में लिखा, इससे विचित्र दस्तावेज दुनिया ने पहले कभी नहीं देखा था। अमरीकी-इजराइली इतिहासवेत्ता मार्टिन क्रेमर के अनुसार, ह्ययह दस्तावेज संकीर्ण और तरह-तरह के प्रतिबंधों पर आधारित राजनैतिक यहूदीवाद की ओर पहला कदम था। अरब लोगों ने 1936 के बाद से इस घुसपैठ का प्रतिरोध करना शुरू किया, परन्तु उसे ब्रिटेन ने कुचल दिया। हिटलर द्वारा यहूदियों की प्रताडा के चलते द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद यहूदी और बड़ी संख्या में यहां बसने लगे। यह दिलचस्प है कि यूरोप के देशों और अमरीका ने यहूदियों को उनके देश में बसने के लिए कभी प्रोत्साहित नहीं किया। कुछ वक्त बाद फिलिस्तीन को दो हिस्सों में बांट दिया गया- फिलिस्तीन और इजराइल, और यह तय हुआ कि येरुशलम और बेथलेहम को अंतर्राष्ट्रीय नियंत्रण में रखा जाएगा।

जमीन का यह बंटवारा अरबों के हितों के खिलाफ था। लगभग 30 प्रतिशत यहूदी, जो सात प्रतिशत जमीन पर रह रहे थे, को 55 प्रतिशत जमीन दे दी गयी और फिलिस्तीनियों को केवल 45 प्रतिशत। फिलिस्तीनियों ने इस निर्णय को अल-नकबा (तबाही) कहा। इजराइल को अमरीका और ब्रिटेन का पूरा समर्थन मिला। युद्धों के जरिये वह धीरे-धीरे अपने कब्जे की जमीन का विस्तार करता गया और आज स्थिति यह है कि वह मूल फिलिस्तीन की 80 प्रतिशत से भी ज्यादा जमीन पर काबिज है। फिलिस्तीनी अपनी ही जमीन पर शरणार्थी बन गए हैं और आज 15 लाख फिलिस्तीनी सुविधा-विहीन कैम्पों में रहने पर मजबूर हैं। शुरूआती विस्थापनों में से एक में 14 लाख फिलिस्तीनियों को अपने घर-बार छोडे पड़े थे। इन्हीं विस्थापितों में से प्रतिरोध की एक नायिका लैला खालिद उभरी थीं। वे पॉपुलर फ्रंट फॉर दि लिबरेशन ऑफ पेलेस्टाइन की सदस्य थीं। प्रतिरोध के एक अन्य बड़े नायक थे- यासेर अराफात, जिन्होंने बीच का रास्ता चुना और फिलिस्तीन को वैश्विक मुद्दा बनाया। समाधान के कई प्रयास असफल हो गए जिनमें ओस्लो समझौता शामिल है। जमीन को बांटकर वहां दो देशों- फिलिस्तीन और इजराइल, की स्थापना का प्रस्ताव इजराइल को मंजूर नहीं है, बल्कि इजराइल तो एक तरह से फिलिस्तीन को मान्यता ही नहीं देता। इजराइल की एक प्रधानमंत्री गोल्डा मायर ने कहा था फिलिस्तीन जैसी कोई चीज नहीं है। इजराइल की मूल नीति यही है। इजराइल लगातार फिलिस्तीन की भूमि पर कब्जा बढ़ाता जा रहा है और इस बारे में संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) के कई प्रस्तावों को इजराइल नजरअंदाज करता आ रहा है। अमरीका इजराइल की यहूदीवादी नीतियों का खुलकर समर्थन करता रहा है और इसके बदले इजराइल पश्चिम एशिया में कच्चे तेल के संसाधनों पर कब्जा जमाने में अमरीका की मदद करता रहा है।

असुरक्षित हो गई बेटियां कब रुकेंगें अत्याचार?

आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं। आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है। इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है। सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है। आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं। बेखौफ दरिंदें अराजकता फैला रहे है दरिदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी,अपराध की तारीख बदल जाती है ,मगर तस्वीर नहीं बदलती। बेशक प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया गया। मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते है

नरेन्द्र भारती
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

देश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं। बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है। यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। ताजा घटनाक्रम वाराणसी में घटित हुआ है जहाँ बीएचयू परिसर कुछ गुंडों द्वारा एक लड़की के साथ अश्लील हरकते करना व और वीडियो बनाना की घटना सामने आई है' साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं। आज कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं। आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है। इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है। सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है। आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं। बेखौफ दरिंदें अराजकता फैला रहे है दरिदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी,अपराध की तारीख बदल जाती है ,मगर तस्वीर नहीं बदलती। बेशक प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया गया। मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं मगर धरातल की सच्चाईयां बेहद ही खौफनाक तस्वीरें प्रस्तूत कर रही है। आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देंश के लिए अशुभ संकेत है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छुह रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता। आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो, बस, सड़क, गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है। है। 2019, 2020, 2021, 2022 में भी दरिंदो ने दरिन्दगी जारी रखी 'वर्ष 2023 में भी हालात सुधर नहीं रहे है। आंकड़ों के अनुसार 12 सितंबर 2018 को हरियाणा के रेवाड़ी में एक 19 साल की मेधावी छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म कर दिया था। 27 जून 2018 को मध्यप्रदेश के मंदसौर में एक सात साल की नाबालिग स्कली बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था। यह बच्ची तीसरी में पढ़ती थी। मासूम से हुई दरिदगी व हैवानियत की यह घटना बहुत ही दिल दहलाने वाली थी। दरिदों ने जिस बर्बरता व हैवानियित से घटना को अंजाम दिया था उससे रौगटे खडे हो जाते है। दरिदों ने दरिदंगी की हदे पार कर दी थी। 16 दिसंबर 2012 सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्म की वारदात से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था। यह रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना बहुत ही दुखद थी। हर रोज अस्मत लूटी जा रही है। दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदगी का सामाज्य बना रहे है। दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है। जंगलराज स्थितियां बन रही है। कानून को धता बताकर दरिदें दरिदगी का तांडव कर रहे है। दरिदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है। वर्ष 2023 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है। साल के दस माह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी। हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है। देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। इससे पहले कठुआ में भी एक बच्ची के साथ दरिदगी का मामला प्रकाश में आया था। प्रतिदिन इन अपराधों में इजाफा होता जा रहा है। देश में दरिदगी की वारदातें कब रुकेगीं। गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था। इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था। यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। 26 मार्च 2017 को उतर प्रदेश के लखीमपुरीमें दो नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। ऐसी वारदातें खौफनाक है। रेप व हत्या की ऐसी घटनाएं दिल दहला देने वाली हैं। 26 मार्च को ही नई दिल्ली में एक युवक ने एक बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने दुष्कर्म किया। देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है। फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। बीते वर्ष 2022 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई। वर्ष 2023 के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारों की शुरूआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर अक्टूबर माह तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हो चुकी हैं। प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है और निरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्वि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी। गत वर्ष उतर प्रदेश का बंदायू एक बार फिर शर्मसार हुआ था जहां एक बार फिर दो नाबालिग चचेरी बहनों से गैगरेप का मामला प्रकाश में आया था पांच आरोपियों ने शौच को गई नाबालिगों को अगवा करके उनके साथ बदूंक की नोक पर दुष्कर्म किया था। आज बाल-विवाह हो रहे है नाबालिग लड़कियों की शादियां अधेड़ो से की जा रही है ऐसे लोगों के विरुद्व समाज को कारवाई करनी चाहिए। 16 दिसंबर 2012 को जो हादसा दिल्ली में निर्भया के साथ हुआ था उसके बाद देश में महिलाओं से होने वाले दुष्कर्मों की बाढ़ सी आ गई कि हर दिन राजधानी से लेकर शहर व गांवों में सामूहिक दुष्कर्म थमनें का नाम ही नहीं ले रहे हैं। आज हर जगह दुशासन महिलाओं की इज्जत नीलाम कर रहे हैं। विश्व गुरु कहलाने वाले भारत में महिलाओं पर जुल्मों की सूची लम्बी होती जा रही हैं। जब देश की राष्ट्रीय राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो महानगरों व छोटे कस्बों का क्या हाल होगा इससे अदांजा लगाया जा सकता है। देश में आज भ्रूण हत्याएं हो रही हैं नवजात शिशु झाड़ियों व कूड़ेदानों व मंदिरों में मिल रहे है जिनमें ज्यादातर शिशु लड़कियां ही होती है। आज लड़कियों से इतनी नफरत क्यों की जा रही है आदमी यह कैसे भूल रहा है कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी। देश में ऐसे मामले प्रतिदिन घटित हो रहे है। नवजात व अबोध बच्चियो से दुष्कर्म हो रहे है। गत वर्ष दिल्ली में गुड़िया के साथ ऐसा ही एक दरिंदगी हुई थी जब एक किराएदार ने उसके साथ रुह कंपा देने वाला घिनौना काम किया था। दरिदें हर जगह दरिंदगी की शरणस्थली बना रहे। कुछ बीमार मानसिकता के लोगो ने भारत की छवि को दागदार किया है जनमानस को अब संकल्प लेना होगा तथा एकजुट होकर ऐसे लोगों का खात्मा करना होगा जो देश के लिए कंलक हैं। फांसी के जितने भी मामले लंबित हैं त्वरित कारवाई करके दरिदों का सर्वनाश करना चाहिए। ताकि आने वाले समय में ऐसे अमानवीय कृत्यो पर लगाम लग सके। यदि अब भी कानूनों में सख्ती न बरती तो ऐसे दरिदें फिर से इन घिनौनी वारदातों को अंजाम देते रहेगें। इसलिए अब ऐसे लोगों को समाज से बहिष्कृत करना चाहिए। केन्द्र सरकार को चाहिए कि देश के सार्वजनिक स्थलों पर हर समय सुरक्षा व्यवस्था कायम की जाए। सादी वर्दी में महिला पुलिस तैनात करनी चाहिए। सरकार को बिना समय गंवाए इन दरिदों का खात्मा करना चाहिए। ऐसे दरिदें देश के लिए घातक हैऐसे दरिदें न जाने कैसे वातावरण में रहते होगें। ऐसे लोगो को समाज की कोई फिक्र नहीं होती कि उनके कृत्यों से पूरा समाज द्रवित होता है। समाज में ऐसे लोग बहुत ही घातक सिद्व हो रहे है। ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए

संविधान की धज्जियाँ राजनीति में धर्म का प्रवेश शीर्ष स्तर से....?

आज यह सवाल इसलिए सहज रूप से सामने आ रहा है, क्योंकि राजनीतिक दल और उसके सर्वगुण सम्पन्न नेता अभी भी भारत के मतदाताओं को धर्मभिरू ही समझ रहे है और धार्मिक अवतारों की वैतरणी थामकर अपनी चुनावी नैया पार लगाना चाहते है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने इसी गरज से मध्यप्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान भगवान राम को आदिवासियों से जोड़कर अपना स्वार्थ सिद्ध करने का प्रयास किया। उन्होंने आदिवासियों को कहकर महिमा मंडन किया कि भगवान राम को पुरूषोत्तम बनाने वाले आदिवासी ही थे, उन्होंने मध्यप्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में गौंड, बैगा, पनिका जैसा आदिवासी वोटर बहुसंख्यक मात्रा में है और ये वर्ग क्षेत्र की 47 सीटों को प्रभावित करते है, इसलिए मोदी ने यहां यह राजनीतिक खेल खेला। ये सीटें प्रारंभ से ही कांग्रेस प्रभावित रही है, इसलिए यहां राजनीति जरूरी समझी गई। यद्यपि भारतीय संविधान में स्पष्ट उल्लेख है कि राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का सहारा लेना गैरकानूनी है, किंतु यदि राजनीति के शीर्ष पुरूष ही संविधान की परवाह न करें तो उसे क्या कहा जाए? यह तो सिर्फ मध्यप्रदेश के महाकौशल क्षेत्र की ही बात हुई, किंतु इससे भी बढ़कर पांच राज्यों के विधानसभाओं और करीब 150 दिन बाद होने वाले लोकसभा चुनावों के पूर्व अभी से अयोध्या के प्रस्तावित भव्य राम मंदिर को राजनीतिक स्वार्थ के तहत मुख्य मुद्दा बनाने की तैयारी की जा रही है

ओमप्रकाश मेहता
विख्यात अर्थशास्त्री

क्या आजादी के पचहत्तर साल बाद भी देश के नामचीन राजनीतिक दल मतदाताओं का मनोविज्ञान समझ नहीं पाए है और इसीलिए आज भी उसी पुराने ढर्रे से चुनाव जीत हासिल करना चाहते है? आज यह सवाल इसलिए सहज रूप से सामने आ रहा है, क्योंकि राजनीतिक दल और उसके सर्वगुण सम्पन्न नेता अभी भी भारत के मतदाताओं को धर्मभिरू ही समझ रहे है और धार्मिक अवतारों की वैतरणी थामकर अपनी चुनावी नैया पार लगाना चाहते है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने इसी गरज से मध्यप्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान भगवान राम को आदिवासियों से जोड़कर अपना स्वार्थ सिद्ध करने का प्रयास किया। उन्होंने आदिवासियों को कहकर महिमा मंडन किया कि भगवान राम को पुरूषोत्तम बनाने वाले आदिवासी ही थे, उन्होंने मध्यप्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में गौंड, बैगा, पनिका जैसा आदिवासी वोटर बहुसंख्यक मात्रा में है और ये वर्ग क्षेत्र की 47 सीटों को प्रभावित करते है, इसलिए मोदी ने यहां यह राजनीतिक खेल खेला। ये सीटें प्रारंभ से ही कांग्रेस प्रभावित रही है, इसलिए यहां राजनीति जरूरी समझी गई।

यद्यपि भारतीय संविधान में स्पष्ट उल्लेख है कि राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का सहारा लेना गैरकानूनी है, किंतु यदि राजनीति के शीर्ष पुरूष ही संविधान की परवाह न करें तो उसे क्या कहा जाए? यह तो सिर्फ मध्यप्रदेश के महाकौशल क्षेत्र की ही बात हुई, किंतु इससे भी बढ़कर पांच राज्यों के विधानसभाओं और करीब 150 दिन बाद होने वाले लोकसभा चुनावों के पूर्व अभी से अयोध्या के प्रस्तावित भव्य राम मंदिर को राजनीतिक स्वार्थ के तहत मुख्य मुद्दा बनाने की तैयारी की जा रही है, जिससे कि हिन्दू वोट प्रभावित हो सकें। लोकसभा चुनावों के चंद दिन पहले 22 जनवरी को अयोध्या स्थित राम मंदिर में रामलला की मूर्ति स्थापित की जानी है और मूर्ति स्थापना से पूर्व रामलला की दस करोड़ तस्वीरों के घर-घर बांटे जाने की तैयारी भाजपा कर रही है और मूर्ति स्थापना दिवस पर करीब पांच लाख लोगों की क्षमता की टेन्ट सिटी (तम्बू नगरी) वहां तैयार की जा रही है। यह भव्य समारोह आगामी लोकसभा चुनावों के बाद तक चलेगा और दुनिया भर के पांच हजार से ज्यादा कलाकार करीब एक साल तक यहां रामलीला का मंचन करेगें। इस भव्य महोत्सव को अयोध्या में त्रेतायुग की वापसी नाम दिया गया है, यहां राम जन्मोत्सव करीब 9 दिन चलेगा और पूरी दुनिया को उसके दर्शन कराए जाएगें। यह समारोह दीपावली से ही शुरू हो जाएगा, जब देश और दुनिया के ढ़ाई हजार कलाकार यहां तीन दिन रामलीला का मंचन शुरू करेगें।

इस प्रकार यदि यह कहा जाए कि विधानसभाओं और भावी लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भाजपा के प्रचार का मुख्य मुद्दा धर्म आधारित होगा तो कतई गलत नहीं होगा। इसी परिदृष्य को देखकर देश के जागरूक और बुद्धिजीवी मतदाताओं के दिल-दिमाग में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या शीर्ष राजनेता अभी भी देश के आम मतदाताओं को सत्तर साल पुराना अनजान और अशिक्षित मतदाता ही मानते है, जो धर्म के आधार पर अपनी राजनीति को चमकाना चाहते है और अपनी कुर्सी को ह्यदीर्घजीवीह्न बनाना चाहते है। जबकि आज के राजनेता वास्तव में भरोसे के संकट और वादों की ग्यारंटी के बीच की दूरी नहीं समझ पा रहे है। क्योंकि जागरूक और बुद्धिजीवी मतदाता भरोसे पर भरोसा नहीं करते, उन्हें तो ठोस तथ्यों के साथ वादे पूरे होने की ग्यारंटी चाहिए, जिसका आज सर्वत्र अभाव है। इसलिए आज की सबसे पहली जरूरत राजनेताओं द्वारा अपने संविधान पर भरोसा करने और उसके ईमानदारी पूर्ण परिपालन करने की है, न कि उसे अपनी स्वार्थ सिद्धी का माध्यम बनाने की, आखिर देश की राजनीति व उसके नेता देश और देशवासियों के बारे में कब चिंतन-मनन करेंगे? या ऐसा वक्त अब आने वाला नहीं है?

आटा ले लो आटा ,मोदी ब्रांड सस्ता आटा.....

राकेश अचल

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच केंद्र सरकार ने सस्ता आटा,सस्ती दाल लांच कर एक नेक काम किया है। सरकार की ये जनकल्याणकारी योजना है क्योंकि देश में अब एक तरफ अडानी का फार्च्यून आटा आम जनता का खून पी रहा है तो दूसरी तरफ अडानी दाल। ऐसे में अडानी के कान खींचने के बजाय सरकार ने अपनी ही देशी सहकारी संस्थाओं को अडानी के मुकाबले मैदान में उतार दिया या यूं कहिये खुद मैदान में मोर्चा सम्हाल लिया। खुद प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस भारत आटे की ब्रांडिंग करने की उदारता दिखाई है। केंद्र सरकार देशभर में 27.50 रुपए प्रति किलो की कीमत पर भारत आटा उपलब्ध कराएगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 6 नवंबर को दिल्ली में आटे के वितरण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसे 10 किग्रा और 30 किग्रा के पैक में उपलब्ध कराया जाएगा। मोदी जी देश के पहले उदार प्रधानमंत्री हैं जो चीनी पेटीएम से लेकर देशी भारत आटा बेचने तक के लिए अपनी तस्वीर के इस्तेमाल की इजाजत देते हैं। वे पांच किलो मुफ्त अन्न का थैला हो या कोरोना से बचाव के लिए लगाए गए टीके का प्रमाणपत्र सभी जगह छपने के लिए राजी हो जाते है। इतना सहज,सरल और उदार प्रधानमंत्री कम से कम मैंने तो अपने जीवन में अभी तक नहीं देखा। इस समय सचमुच जनता महगाई की मार से सिसक रही है। आर्तनाद कर रही है। बाजार पर अडानी और अम्बानी जी का कब्जा है। ये दोनों महानुभाव आटा-दाल से लेकर हर माल पर हावी हैं और इनकी चाबी सरकार के पास भी नहीं है। ऐसे में जनता को राहत देने के लिए सरकार ने मोदी ब्रांड सस्ता भारत आटा और अरहर की दाल बेचने का समानांतर इंतजाम कर सचमुच लोकल्याणकारी काम किया है। सरकार देश की 80 करोड़ आबादी को पहले से मुफ्त का राशन दे रही है। अब जो शेष 60 करोड़ लोग बचे वे मोदी ब्रांड सस्ता भारत आटा और दाल खरीदकर अपना जीवनयापन आसानी से कर सकते हैं। अपने आपको सच्चा भारतीय साबित करने कि लिए ससताभारत आटा खाने से सस्ता दूसरा क्या रास्ता हो सकता है? आपको मै इस योजना के बारे में तफ्सील से बताये देता हूँ। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक देशभर में कोई 2 हजार ठिकानों पर यह मोदी ब्रांड सस्ता आटा मिलेगा। इसे नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ ही नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, सफल, मदर डेयरी और अन्य सहकारी संस्थानों के माध्यम से बेचा जाएगा।

देश में इस समय अलग-अलग ब्रांड का आटा 35 से 50 रुपए किलो के भाव से बिक रहा है। जिसकी जैसी हैसियत है ,वो वैसा आटा खरीदता है। मैंने भी अपनी हैसियत कि मुताबिक कल ही सबसे सस्ता 35 रुपए किलो के भाव से दस किलो आटा खरीदा। पहले हम लोग पूरे साल के लिए गेंहूं खरीदकर रखते थे और फिर चक्की पर जाकर गेंहूं पिसवा लाते थे। अब न गेंहूं खरीदकर भंडारण की क्षमता बची है और न चक्की तक जाने का हौसला ,सो मजबूरन अडानी,अम्बानी आशीर्वाद ब्रांड आटे पर निर्भर रहना पड़ता है। सरकार बताती है कि मोदी ब्रांड भारत आटा बनाने केल

संक्षिप्त खबरें

बिजली विभाग के सफाई कर्मचारियों को नहीं मिला है दस माह से वेतन

बिसौली बिजली विभाग के बिजली घरों पर सफाई का कार्य करने वाले सफाई कर्मचारियों को 10 माह से वेतन नहीं मिला है आज सफाई कर्मचारी एकत्रित हो कर विद्युत वितरण खंड बिसौली कार्यालय पर वेतन को लेकर अधिशासी अभियंता रामलाल के पास पहुंचे तो अधिशासी अभियंता किसी आवश्यक कार्य से बाहर होने के कारण वेतन का प्रार्थना पत्र कार्यालय में दिया और उपखंड अधिकारी आसफपुर मनीष यादव से वेतन दिलवाने की मांग की तो उन्होंने कहा कि आप सभी लोग कल आइये हम अधिशासी अभियंता से बात कर वेतन दिलवायेंगे। सफाई कर्मचारी महेश चंद्र ने बताया कि हम लोगों को दस माह से वेतन नहीं मिला है जबकि दीपावली तथा भैया दूज का त्यौहार इतना बड़ा है फिर भी अधिकारियों के द्वारा वेतन नहीं दिया जा रहा है वहीं सफाई कर्मचारी राजीव कुमार ने बताया कि हम लोगों मात्र रुपए 50 प्रति दिन के हिसाब से इतनी मंहगाई मजदूरी दी जाती है वह भी समय पर नहीं बल्कि दस माह होने पर भी नहीं दी जा रही है

प्रेमिका के शादी से इनकार करने पर युवक ने खुद को आग लगाई; हालत नाजुक

मुजफ्फरनगर से सटे शामली जिले में कथित तौर पर अपनी प्रेमिका के शादी से इनकार करने से क्षुब्ध एक युवक ने आत्मदाह की कोशिश की। उसे गम्भीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शामली के पुलिस अधीक्षक अभिषेक ने मंगलवार को बताया कि विनय नामक 28 वर्षीय युवक ने सोमवार को महिला पुलिस थाने के बाहर खुद को आग लगा ली। इस घटना में उसका करीब 80 प्रतिशत शरीर जल गया है और उसे नाजुक हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि विनय एक विधवा महिला से प्रेम करता था और दोनों ने शादी करने की योजना बनाई थी। हालांकि बाद में महिला ने कुछ कारणों से उससे शादी करने से इनकार कर दिया जिससे वह परेशान था। अभिषेक ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डीएम ने तड़के ही किया निरीक्षण, तत्काल जल भराव की समस्या दुरुस्त कराने के दिए निर्देश

बदायूँ: ।जिलाधिकारी के संज्ञान में आया कि बदायूं-पुवायां स्टेट हाइवे पर नाला बंद होने से गलियों में जल भराव हो जाता है। जनसामान्य को वहां से निकलने के लिये पानी से होकर गुजरना पड़ता है। जिलाधिकारी मनोज कुमार ने प्रातः ही नगर पालिका परिषद दातागंज का औचक रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने पाया कि यहां नाला-नालियाँ चोक होने से पानी इकट्ठा होने से जनसामान्य विशेष तौर पर स्कूली बच्चों की दिक्कत हो रही है, जिसको दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने उपजिलाधिकारी दातागंज, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता व नगर पालिका दातागंज के अधिशासी अधिकारी को सख्त निर्देश दिए हैं कि तत्काल पानी निकासी की व्यवस्था करें, जो भी निर्माण कार्य वहां किए जाने है, उन्हें त्वरित तौर पर कराकर समस्या का समाधान किया जाए, जिससे जनसामान्य को आने-जाने में किसी प्रकार की कोई समस्या न होने पाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कहीं भी जलभराव की समस्या न हो, साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखा जाए। नालियों में एंटी लारवा का छिड़काव व फॉगिंग नियमित रूप से होती रहे। लापरवाही किसी दशा में क्षम्य नहीं की जाएगी।

लेनदेन के विवाद में मारपीट

सेक्टर-8 में मदन कबाड़ी और उसके बेटे सूरज ने रुपये के लेनदेन को लेकर पड़ोसी जोगिंदर शाह और उनके बेटे राजू शाह से मारपीट की। दोनों ने हत्या करने के मकसद से राजू का गला दबा दिया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उसे मूर्छित अवस्था में अस्पताल में भर्ती करवाया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। प्राथमिक जांच में दोनों के बीच पूर्व में भी विवाद और मारपीट होने की बात सामने आई है।

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप चोरी

सेक्टर-74 स्थित नॉर्थ आई बिल्डिंग के पास बने रेस्टोरेंट में दो नवंबर को आयुष पाठक भोजन करने के लिए आए थे। वह अपनी कार खड़ी करके रेस्टोरेंट में गए। जब वह वापस आए तो उनकी कार का शीशा टूटा हुआ था। कार में रखा लैपटॉप, पर्स, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और डेबिट कार्ड गायब थे। उन्होंने थाने में केस दर्ज कराया है। ठक-ठक गिरोह ने वारदात को अंजाम दिया।

बीएचयू परिसर में छात्र गुटों में टकराव : 49 लोगों पर मुकदमा दर्ज

वाराणसी, एजेंसी

काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में आईआईटी की छात्रा से हुई कथित छेड़खानी के विरोध में परिसर में जारी आंदोलन के दौरान रविवार को छात्रों के दो गुटों के बीच हुई झड़प के मामले में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कार्यकताओं ने 17 नामजद और 32 अज्ञात लोगों पर मारपीट, छेड़खानी और हिन्दू धर्म का अपमान करने समेत कई आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया है। लंका थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि काशी हिंदू विश्वविद्यालय के गेट पर रविवार को आंदोलन के दौरान दो छात्र गुटों के बीच हुई मारपीट के मामले में एबीवीपी से जुड़े छात्र–छात्राओं की तहरीर पर 17 नामजद और 32 अज्ञात लोगों के खिलाफ हिन्दू धर्म का अपमान करने, धार्मिक वैमनस्य फैलाने, मारपीट, छेड़खानी और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने के आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। एबीवीपी की बीएचयू इकाई के अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह ने बताया कि छेड़खानी की पीड़ित छात्रा को न्याय दिलाने के लिये आंदोलन कर रही एबीवीपी की सदस्य छात्राओं से रविवार को आइसा तथा भगत सिंह छात्र मोर्चा के कार्यकताओं ने अभद्रता करने के साथ ही उन पर जान से मारने की नीयत से हमला कर दिया और धमकी भी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना में एबीवीपी कार्यकताओं को गंभीर चोटें आयी हैं। उन्होंने कहा इस मामले में हमलावरों के विरुद्ध सोमवार को वाराणसी के लंका थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मालूम हो कि गत रविवार को बीएचयू के मुख्य द्वार पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) और भगत सिंह छात्र मोर्चा (बीसीएम) के छात्र सदस्यों के बीच झड़प हो गई थी। एबीवीपी के पदाधिकारियों के अनुसार, उनके सदस्य पिछले हफ्ते विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के पास छेड़छाड़ की शिकार हुई आईआईटी-बीएचयू की छात्रा को न्याय देने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। एबीवीपी ने आरोप लगाया कि आइसा और बीसीएम के सदस्य वहां पहुंचे और हाथापाई शुरू कर दी। बीसीएम के पदाधिकारियों ने आरोपों से इनकार करते हुए एबीवीपी पर ही हिंसक और अन्यायपूर्ण होने का आरोप लगाया। गत एक नवंबर की रात विश्वविद्यालय परिसर में अपने एक दोस्त के साथ घूम रही आईआईटी–बीएचयू की एक छात्रा को करमन बाबा मंदिर के पास मोटरसाइकिल सवार तीन लोग जबरन एक कोने में ले गए, उसे कथित तौर पर निर्वस्त्र करके उसकी तस्वीरें ले लीं और वीडियो भी बना लिया। दर्ज रिपोर्ट में कहा गया है कि आरोपियों ने लगभग 15 मिनट के बाद उसका मोबाइल नम्बर लेकर उसे छोड़ दिया। पीड़ित छात्रा की शिकायत के आधार पर लंका थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के सुसंगत प्रावधानों के तहत अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

रामलला की प्रतिष्ठापना से पहले अयोध्या में 9 नवंबर को होगी योगी कैबिनेट की बैठक

लखनऊ, एजेंसी

दीपोत्सव से पहले नौ नवंबर को योगी कैबिनेट की बैठक राम नगरी अयोध्या में होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में अयोध्या से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है। विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए गए हुए योगी सरकार के मंत्रियों को बैठक की सूचना दे दी गयी है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्रतिष्ठापना के लिए 22 जनवरी को भव्य कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इस लिहाज से योगी कैबिनेट की यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक गुरुवार (09 नवंबर) को होने वाली इस बैठक में अयोध्या से जुड़े कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है। यह बैठक दीपोत्सव से पहले की जा रही है। अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर इस बार 21 लाख दीपक जलाकर नया रिकार्ड बनेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश की कमान संभालने के बाद से ही अयोध्या के विकास को लेकर गंभीर हैं। एक समय था जब राजनीतिक लोग खासकर सत्ता में बैठे लोग अयोध्या जाने से गुरेज करते थे। मुख्यमंत्री योगी अयोध्या बार-बार गए ही नहीं बल्कि जिले के विकास को लेकर हजारों करोड़ की परियोजनाओं की सौगात भी दी। उल्लेखनीय है कि 2019 में योगी कैबिनेट की बैठक प्रयागराज में भी हो चुकी है।

उप्र. के शामली में आईएसआई के संदिग्ध एजेंट कलीम के परिवार से एनआईए ने की पूछताछ

शामली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के शामली जिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एसटीएफ के साथ मिलकर मंगलवार की सुबह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के संदिग्ध एजेंट कलीम के घर पर छापा मारा। इसके बाद उसके माता-पिता और परिवार के अन्य लोगों से करीब चार घंटे तक पूछताछ की। एनआईए ने इस बारे में अभी कोई बयान नहीं जारी किया है, लेकिन सूत्रों ने बताया कि एनआईए और एसटीएफ ने संयुक्त रूप से सुबह सदर कोतवाली क्षेत्र के नौकुआं रोड स्थित कलीम के घर पर दबिश दी। कलीम के माता, पिता और अन्य परिजनों से करीब चार घंटे तक पूछताछ भी की। इस दौरान जांच एजेंसी ने घर से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए हैं। इसके बाद टीम यहां से रवाना हो गई। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने कहा कि उनके पास इस संदर्भ में कोई विस्तृत जानकारी नहीं है। एनआईए के सिर्फ दबिश देने की जानकारी है। उल्लेखनीय है कि एसटीएफ और पुलिस ने विगत 17 अगस्त को शामली के नौ कुआं रोड निवासी कलीम को गिरफ्तार किया था। कलीम पर आरोप है कि वह आईएसआई का संदिग्ध एजेंट है और पाकिस्तान में बैठे आईएसआई एजेंट दिलशाद मिर्जा के लगातार संपर्क में बना हुआ है। उसका भाई तहसीम भी आईएसआई के संपर्क में है। सहारनपुर निवासी युसुफ समशी इन दोनों के संपर्क में था। इन्हें फर्जी सिम उपलब्ध करा रहा था। वॉट्सऐप पर भारत के सैन्य क्षेत्रों और अन्य स्थानों के फोटो भी भेजे थे।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सभी राजनीतिक दलों के राष्ट्रीय अध्यक्षों को आमंत्रित करने की तैयारी

● सभी राज्यों के राज्यपाल व मुख्यमंत्री भी किए जाएंगे आमंत्रित

अयोध्या, एजेंसी

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में 22 जनवरी को सभी राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित करेगा। इसके अलावा कांग्रेस, सपा और बसपा सहित देश के सभी राजनीतिक दलों के राष्ट्रीय अध्यक्षों को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। एक पदाधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण देने के लिए ट्रस्ट के पदाधिकारी एक-दो दिन के भीतर लखनऊ जाएंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण देश के सभी राजनीतिक दलों के राष्ट्रीय अध्यक्षों को भी भेजा जाएगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, बसपा अध्यक्ष मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को ट्रस्ट आमंत्रित करेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह क्षेत्र सम्पर्क प्रमुख और रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति के सदस्य मनोज जी के मुताबिक राम सबके हैं। जन-जन की आस्था भगवान श्रीराम में है। प्रत्येक हिंदू परिवार ने राम मंदिर के लिए समर्पण निधि प्रदान की है। अब राम मंदिर बन रहा है इसलिए अयोध्या आकर मंदिर में विराजमान रामलला के दर्शन करने का आमंत्रण देशभर में दिया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह समिति के सदस्य मनोज जी ने बताया कि देश के सभी प्रांतों में रामलला के समक्ष पूजित अक्षत पहुंच चुका है। अब स्थानीय योजना के अनुसार संघ के कार्यकर्ता घर-घर जाकर प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण देंगे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने देश के पांच लाख गांवों के प्रत्येक हिंदू परिवारों में पूजित अक्षत, राम मंदिर का चित्र और आमंत्रण पत्र पहुंचाने का संकल्प लिया है। विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में संघ के विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता टोलियां बनाकर घर-घर जाएंगे और रामलला का आमंत्रण देंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संपर्क विभाग प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए देशभर से विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान करने वाले साहित्यकार, लेखक, पत्रकार, चिकित्सक, पद्म पुरस्कारों से अलंकृत शख्सियत, खिलाड़ी व उद्योगपतियों की सूची बना रहा है।

खाद्यान्न वितरण के साथ बनाए जा रहे हैं आयुष्मान कार्ड

प्रात: किरण, संवाददाता

बदायूँ : जिलाधिकारी मनोज कुमार ने अवगत कराया है कि आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 के पत्र द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत आच्छादित अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी लाभार्थियां को माह नवम्बर, 2023 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण कराये जाने के सम्बन्ध दिशा निर्देश दिये गये है, जिसके दृष्टिगत अन्त्योदय कार्डधारकों को 35 किग्रा0 खाद्यान्न (14 क्रिगा0 गेहूँ व 21 किग्रा0 चावल) तथा पात्र गृहस्थी राशनकार्डो से सम्बद्ध यूनिटों पर 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति यूनिट (02 किलोग्राम गेहूँ व 03 किलोग्राम चावल) का निःशुल्क वितरण दिनांक 20.11.2023 तक किया जायेगा। उन्होने बताया कि वर्तमान में शासन की महत्वपूर्ण योजनान्तर्गत आयुष्मान कार्ड बनवाए जा रहे हैं जिसमें अन्त्योदय योजना के अन्तर्गत आयुष्मान कार्ड बनाये जाने से छूटे हुये लाभार्थियों तथा 06 यूनिट या 06 यूनिट से अधिक वाले पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों के प्रत्येक यूनिट/सदस्य का आयुष्मान कार्ड बनवाकर शासन की मंशानुरूप उनको लाभान्वित कराया जाना है, जिसके दृष्टिगत माह नवम्बर 2023 में खाद्यान्न के वितरण के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु प्रत्येक उचित दर की दुकान पर दिनांक 06.11.2023 से दिनांक 10.11.2023 के मध्य विशेष कैम्पों का आयोजन किया रहा है। इन निर्धारित वितरण तिथियों में खाद्यान्न के वितरण के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड भी बनाये जा रहे हैं। उन्होंने सभी राशनकार्डधारकों को सूचित किया है कि माह नवम्बर, 2023 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न अन्त्योदय कार्डधारकों को 35 किग्रा0 खाद्यान्न (14 क्रिगा0 गेहूँ व 21 किग्रा0 चावल) तथा पात्र गृहस्थी राशनकार्डो से सम्बद्ध यूनिटों पर 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति यूनिट (02 किलोग्राम गेहूँ व 03 किलोग्राम चावल) का निःशुल्क वितरण दिनांक 06.11.2023 से दिनांक 20.11.2023 के मध्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस अवधि में अपने-अपने उचित दर विक्रेताओं से निःशुल्क खाद्यान्न प्राप्त करना सुनिश्चित करें, साथ ही अन्त्योदय कार्डधारकों के छूटे हुए सदस्य तथा 06 यूनिट या उससे अधिक यूनिट वाले पात्र गृहस्थी कार्डधारक राशनकार्ड में सम्मिलित सभी सदस्यों को आधारकार्ड सहित साथ में ले जाकर उक्त विशेष कैम्प तिथियों में उचित दर विक्रेता की दुकान पर आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें।

बिना लाइसेंस रेस्टोरेंट में शराब परोसने के मामले में दो गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी

आबकारी विभाग और सेक्टर-113 थाने की टीम ने सेक्टर-117 स्थित अर्बन नाइटस रेस्टोरेंट में बिना लाइसेंस के शराब परोसने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। आबकारी विभाग के अधिकारी ने बताया कि विभाग की टीम सोमवार रात गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-117 स्थित अर्बन नाइट्स रेस्टोरेंट में अवैध रूप से शराब पिलाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने रेस्टोरेंट पर छापा मारा तो वहां लोग जाम छलकाते हुए मिले। आबकारी विभाग की टीम ने रेस्टोरेंट में शराब परोस रहे पिंटू और दिनेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। रेस्टोरेंट से विदेशी शराब बरामद हुई। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह रेस्टोरेंट में अवैध रूप से ग्राहकों को शराब परोस कर मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। जिले के अलग-अलग हिस्से में स्थित रेस्टोरेंट और होटल में अवैध रूप से शराब पिलाने की शिकायतें आए दिन मिलती रहती हैं। आबकारी विभाग द्वारा स्थानीय पुलिस से समन्वय स्थापित कर कार्रवाई भी की जाती है। रेस्टोरेंट संचालक वीक एंड पर दिखावे के लिए दो दिन का अस्थायी लाइसेंस ले लेते हैं। इसी अस्थायी लाइसेंस की आड़ में वे पूरे सप्ताह ग्राहकों को अवैध रूप से शराब पिलाकर सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचाते हैं। इसके अलावा अलग-अलग जगहों पर दुकानों और घरों में भी कुछ आरोपी शराब की तस्करी कर मोटा मुनाफा कमाते हैं।

मेट्रो स्टेशनों पर ऑटो-ई रिक्शा जाम लगा रहे

नोएडा, एजेंसी

मेट्रो स्टेशनों के नीचे व आसपास ऑटो-ई रिक्शा जाम का कारण बन गए हैं। इनके चालक सड़क को घेरकर खड़े हो जाते हैं। इससे रोजाना लंबा जाम लगता है। ऐसे वाहनों पर कार्रवाई करने में नोएडा प्राधिकरण, यातायात पुलिस और मेट्रो प्रबंधन नाकाम दिख रहे। नोएडा एरिया में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) और नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) के अंतर्गत मेट्रो चलती है। डीएमआरसी की ब्लू लाइन दिल्ली के द्वारका से नोएडा के सेक्टर-63 इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्टेशन तक चलती है। इसके अलावा मजेंटा लाइन पर मेट्रो दिल्ली के जनकपुरी से नोएडा के सेक्टर-38ए बॉटनिकल गार्डन तक चलती है। वहीं एनएमआरसी की एक्वा लाइन पर नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेनो डिपो तक मेट्रो जाती है। जिले में इन तीनों मेट्रो लाइन के 28 स्टेशनों के नीचे जाम की समस्या बनी हुई है। इसकी वजह यह है कि ऑटो, ई-रिक्शा जैसे वाहन सड़क के अधिकांश हिस्से को घेरकर खड़े हो जाते हैं। खासतौर से सेक्टर-15, 16, 18, सिटी सेंटर, सेक्टर-52, 59, 51 आदि स्टेशन के नीचे व आसपास ऐसे वाहनों की वजह से जाम लग रहा है। सुबह-शाम इन यहां एक घंटे तक जाम लगता है। रेस्टोरेंट और दुकानें भी बन रहीं जाम का कारण : सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन के नीचे कुछ नामी रेस्टोरेंट व दुकाने हैं। यहां खाने व खरीदारी करने के लिए आने वाले लोग सड़क पर ही गाड़ियों को खड़ा कर देते हैं। इसके अलावा यहां पर ऑटो व ई-रिक्शा वालों का भी जमावड़ा रहता है। साथ ही इसके नजदीक सीएनजी स्टेशन भी है। यहां पर भी सड़क पर ही गाड़ियां खड़ी रहती हैं। ऐसे में मेट्रो स्टेशन और सीएनजी पंप एक साथ होने से लोगों को लगातार जाम में फंसना पड़ रहा है।

गांवों को आदर्श बनाने में गौतमबुद्ध नगर जिला पिछड़ा

नोएडा, एजेंसी

ग्राम पंचायतों को संवारने में गौतमबुद्धनगर काफी पिछड़ गया है। गांवों को आदर्श (मॉडल) बनाने के मामले में जिले की प्रदेश में 71वीं रैंक आई है। शासन से बजट जारी होने के बावजूद पंचायती राज विभाग इनमें सुधार कराने में पूरी तरह नाकाम रहा। रिपोर्ट में जनपद की बेकार स्थिति को लेकर अब शासन स्तरीय अधिकारी सख्त हो गए हैं। उच्च अधिकारियों को गांव में हो रहे विकास कार्यों में तेजी लाने की हिदायत दी गई है। पंचायती राज विभाग के अंतर्गत 82 गांव हैं। इन गांवों को मॉडल बनाया जाना था। यहां गीले और सूखे कचरे के निस्तारण समेत विभिन्न विकास कार्य किए जाने थे। पंचायती राज विभाग अभी तक सिर्फ 16 गांवों को मॉडल बना सका है। शेष गांवों में अब भी कई कार्य बचे हुए हैं, जबकि शासन से गांवों में होने वाले विकास कार्यों के लिए बजट तक जारी हो चुका है। विभागीय लापरवाही के कारण सुविधाएं शुरू न होने से ग्रामीणों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निस्तारण न होने से घरों से निकलने वाला कचरा सड़क किनारे पड़ा रहता है। साथ ही गांवों को ओडीएफ प्लस भी बनाया जाना है। ग्राम प्रधानों के लिए होगी कार्यशाला : ग्रामीणों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रधानों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम होंगे। ब्लॉक स्तर पर कार्यशाला आयोजित होगी। प्रधानों को योजनाओं के फार्म भरने व जमा कराने के तरीके सिखाएं जाएंगे। प्रधान सरकारी कामकाज के बारे में सीखेंगे और ग्रामीणों की मदद कर सकेंगे। ग्राम पंचायतों की जमीन और उनके चिह्नांकन के बारे में भी प्रधानों को बताया जाएगा। इससे ग्राम सभा की जमीन सुरक्षित रहेगी। प्रदेश में पांच हजार गांव बने मॉडल : रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में पांच हजार से अधिक गांव अबतक मॉडल बन चुके हैं। नए सत्र में फिर से गांव मॉडल के लिए चुने जाएंगे। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर 443 मॉडल गांव के साथ पहली रैंक पर है। मेरठ की चौथी, बिजनौर की पांचवीं, हापुड़ की 41, गाजियाबाद की 53 बागपत की 57वीं रैंक है। पीछे रहे सभी जिलों के जिला पंचायत राज अधिकारियों को कार्य में सुधार के आदेश दिए गए हैं।

एल्विश प्रकरण में गिरफ्तार पांचों आरोपियों को रिमांड पर लेगी नोएडा पुलिस

नोएडा, एजेंसी

रेव पार्टी आयोजित करने और उसमें सांपों का जहर सप्लाई करने के मामले में घिरे एल्विश यादव प्रकरण में नोएडा पुलिस जेल भेजे गए पांचों आरोपियों को कस्टडी रिमांड पर लेगी। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने इसकी पुष्टि की है। दूसरी ओर, एल्विश के खिलाफ केस दर्ज करने वाले सेक्टर-49 थाना प्रभारी को लाइन हाजिर करने के बाद मामले की जांच भी सेक्टर-20 थाने में ट्रांसफर कर दी गई है। सोमवार को गिरफ्तार किए गए सपेरों का बयान लिया गया। बयान दर्ज होने के बाद सेक्टर-20 पुलिस आरोपी राहुल, जयकरण, टीटूनाथ, नारायण और रविनाथ को मजिस्ट्रेट के आदेश पर पीसीआर पर लेकर पूछताछ करेगी। पुलिस ने आरोपियों की 14 दिन की रिमांड के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई है। मंगलवार या बुधवार को पता चल जाएगा कि पुलिस को कितने दिन की रिमांड मिलेगी। इससे कई बातों से पर्दा उठने की संभावना है। पुलिस जांच के लिए आरोपियों को लेकर उन स्थानों पर भी जाएगी, जहां इनके द्वारा पार्टी आयोजित करने की बात सामने आई है। पांचों आरोपियों की कॉल रिकार्ड भी खंगाली जा रही है। इससे स्पष्ट हो जाएगा कि आरोपियों की एल्विश से बात होती थी या नहीं। राहुल की कॉल डिटेल पर पुलिस की विशेष नजर है। सेक्टर-20 थाने की पुलिस जांच करेगीः मामले की जांच सेक्टर-49 से सेक्टर-20 थाने के लिए ट्रांसफर कर दी गई है। इससे पहले मामले के जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर दीपक थे। अब जांच का जिम्मा इंस्पेक्टर कैलाशनाथ को मिला है। मामले में उच्च अधिकारियों को तत्कालीन थाना प्रभारी संदीप चौधरी समेत कई पुलिसकर्मियों की लापरवाही मिली थी।

धनतेरस पर कार की बुकिंग पिछले साल से 25% बढ़ी

नोएडा, एजेंसी

धनतेरस पर कारों की बुकिंग पिछले साल की तुलना में इस बार करीब 25 फीसदी तक अधिक है। हालांकि एक्सचेंज और छूट के कुछ ऑफर के अलावा कोई बड़े ऑफर नहीं है। नवरात्र के बाद धनतेरस पर सबसे अधिक वाहनों की बिक्री होती है। बुकिंग कराने वाले लोगों के पहुंचने के चलते देर तक कार शोरूम खुल रहे हैं और कर्मचारियों को अधिक काम करना पड़ रहा है। सेक्टर 63 स्थित सागर मोटर्स के एजीएम सेल्स दीपक वर्मा ने कहा कि बीते साल की तुलना में इस बार धनतेरस पर करीब 25 फीसदी अधिक कारों की डिलीवरी होगी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और सीएनजी कारों की बुकिंग अधिक है। कारों के कुछ मॉडल्स पर प्रतीक्षा के चलते सिर्फ उन्हीं लोगों को धनतेरस पर कार मिल सकेगी, जिन्होंने पहले बुकिंग करा ली थी। उन्होंने कहा कि पंच और नेक्सॉन की मांग अधिक है। रोहन मोटर्स के टीम लीडर शिव प्रकाश ने कहा कि इस साल धनतेरस पर बीते वर्ष की तुलना में अधिक कारों की डिलीवरी की तैयारी है। उन्होंने कहा कि कार के हर मॉडल और वैरिएंट की मांग है। इसमें अर्टिगा, वैगनॉर, ब्रीजा आदि शामिल हैं। सीएनजी कार की बुकिंग सबसे ज्यादा है। अन्य वाहन डीलरों के अनुसार भी बीते साल की तुलना में 22 से 25 फीसदी से अधिक कार की बुकिंग अधिक है। कार के अलग-अलग मॉडल छूट की जा रही है, जो कि अधिकतम 50 हजार रुपये तक है। वाहन डीलरों के अनुसार 20 लाख और इससे अधिक कीमत की कारों की बुकिंग अधिक है। नवरात्र पर इस बार रिकॉर्ड बिक्री : नवरात्र पर इस साल बीते वर्षों की तुलना में रिकॉर्ड वाहनों की बिक्री हुई थी। परिवहन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 में 2254 वाहनों का पंजीकरण हुआ था। इसमें दोपहिया और चार पहिया दोनों तरह के वाहन शामिल हैं। वहीं 2020 में 747 वाहनों का पंजीकरण हुआ था। वर्ष 2021 में 3695 वाहन पंजीकृत हुए थे। वहीं इस साल करीब 3800 वाहनों का पंजीकरण हुआ था। एआरटीओ प्रशासन डॉ. सियाराम वर्मा ने कहा कि वाहनों की बिक्री में उछाल आया है।

छठ पूजा के लिए घाटों की सफाई शुरू

नोएडा, एजेंसी

शहर में छठ पर्व की तैयारियां शुरू हो गईं। छह समितियों ने छठ घाटों की साफ-सफाई का काम शुरू कर दिया है। 17 नवंबर से चार दिवसीय छठ पूजा शुरू होगी। इसमें नहाय खाय, खरना, डूबते हुए सूर्य और फिर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद और छठ पूजा समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्रा ने कहा कि छठ पूजा महापर्व देश से लेकर विदेशों में धूमधाम से मनाया जाता है। इस बार 21वां छठ पूजा सेक्टर-82 पॉकेट-7 के सेंट्रल पार्क में मनाई जाएगी। इसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। छठ व्रतियों की सुरक्षा और सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। छठ कुंड में गंगाजल कि व्यवस्था और व्रतियों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। छठ घाट पर व्यवस्थाओं के लिए पत्र लिखकर प्राधिकरण से भी सहयोग मांगा गया है। वहीं, अखिल भारत हिन्दू महासभा और अखिल भारतीय प्रवासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने कहा कि 17 नवंबर को कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व शुरू होगा। फिर चौथे दिन कार्तिक शुक्ल सप्तमी को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया जाएगा। छठव्रती और श्रद्धालु सुबह के समय सर्वप्रथम अपने घरों और आस-पास की सफाई करेंगे। स्नान करके छठव्रती चावल, चना दाल और लौकी की सब्जी का प्रसाद बनाएंगे। पूजा के उपरांत छठव्रती प्रसाद ग्रहण करेंगे और घर के सभी सदस्यों व पड़ोसियों को प्रसाद वितरित करेंगे। इस दिन छठव्रती पूर्ण रूप से शुद्ध और स्वच्छ होकर सूयोर्पासना में समर्पित हो जाते हैं। उसके बाद उनका व्रत शुरू हो जाएगा। खरना से छठव्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास व्रत शुरू हो जाएगा। इस 36 घंटे के उपवास में छठव्रती पानी भी ग्रहण नहीं करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

संजय केशरी बने एनसीपी के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता

मुंगेर सदर। एनसीपी श्रमिक प्रकोष्ठ के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष संजय केशरी को उनके जन्मदिन के अवसर पर एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष मो० राहत कादरी ने पार्टी का प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता मनोनीत किया है। दो नंबर गुमटी स्थित अपने आवासीय कार्यालय में अपने जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता के रूप में अपने मनोनयन की खुशी मनाते हुए श्री केशरी ने संकल्प लिया कि मुंगेर संसदीय क्षेत्र को ललन मुक्त करना उनकी प्राथमिकता होगी। श्री केशरी ने आगे कहा कि ललन सिंह के सांसद रहते मुंगेर में ना तो मेडिकल कॉलेज स्थापित हो सकता है और ना ही विकास की कोई इबारत लिखी जा सकती है इसलिए मुंगेर के समग्र विकास के लिए मुंगेर संसदीय क्षेत्र को ललन मुक्त बनाना ही एकमात्र विकल्प है। इसके साथ-साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा पार्टी को बिहार की राजनीति के मुख्यधारा में लाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष मो० राहत कादरी के हाथों को मजबूत किया जाएगा। इस अवसर पर अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भारत स्काउट और गाइड का मना 74 वां स्थापना दिवस समारोह

छपरा। भारत स्काउट और गाइड का 74वां स्थापना दिवस समारोह स्काउट गाइड सारण के जिला कार्यालय दिल्ली प्ले स्कूल प्रभुनाथ नगर के प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया. स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि जिला मुख्य आयुक्त हरेन्द्र प्रसाद सिंह थे. इस कार्यक्रम में जिला मुख्यालय दल के स्काउट और गाइड शामिल हुए. कार्यक्रम का नेतृत्व स्काउट मास्टर अमन राज ने किया।विदित हो कि भारत स्काउट गाइड की स्थापना 7 नवंबर 1950 में की गई थी। जिसको लेकर आज 74 वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया है। समारोह में भारत स्काउट गाइड से जिला मुख्य आयुक्त हरेन्द्र प्रसाद सिंह, स्काउट मास्टर अमन राज, प्रणव, चंदन,विकाश, आशुतोष एवम युवा समाज सेवी संजीव चौधरी सही जिला मुख्यालय दल के लगभग 75 स्काउट और गाइड शामिल हुए।

रघुनीटोला-मानूपुर पथ की स्थिति हुई जर्जर

दरियापुर।स्थानीय प्रखण्ड क्षेत्र के रघुनीटोला-मानूपुर पथ की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी है।जिससे इस रास्ते से गुजरने वाले राहगीरों को हमेशा दुर्घटना होने का भय लगा रहता है।विदित हो की उक्त पथ प्रखण्ड क्षेत्र के पश्चिमी छोर स्थित विश्वंभरपुर,फतेहपुर, ककरहट,प्रतापपुर पंचायत समेत कई अन्य गांवों के ग्रामीणों को प्रखण्ड मुख्यालय से जोड़ने के साथ ही सूबे की राजधानी जाने के लिए फोरलेन से भी जोड़ने का काम करती है।जिस कारण पूरे दिन दो पहिया और चार पहिया वाहनों का आवागमन होता है।ऐसे में कई जगहों पर काफी जर्जर होने के कारण आए दिन छोटी -बड़ी घटनाएं होती रहती है।सामाजिक कार्यकर्ता विश्वंभरपुर गिरी टोला निवासी अरुण गिरी ने बताया की रास्ता की स्थिति खराब होने के कारण कुछ साल पूर्व एक ट्रैक्टर चालक दुर्घटनाग्रस्त होकर वाहन समेत सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में चला गया था।जिससे चालक की मौत हो गई थी। सड़क की स्थिति जहां सबसे खराब है उस जगह पर दोनो किनारे काफी गहरा गड्ढा है जो पानी से भरा रहता है।जबकि ग्रामीणों ने बताया की इस सड़क का निर्माण वर्ष 2015 में लाखों रुपए की लागत से कराया गया था।ऐसे में ग्रामीणों ने उक्त सड़क को शीघ्र बनाने की मांग की है।

बालू से लदे दो ट्रक जपत

मकेर। थाना क्षेत्र के एनएच 722 पर मकेर बाईपास गौरी टोला से बालू से लदा दो ट्रक को खनिज विकास पदाधिकारी ने औचक जांच के दौरान जप्त कर मकेर थाना को सौप दिया। बालू से लदा दोनों ट्रक छपरा से मुजफ़्फरपुर की ओर जा रहा था। जांच के दौरान दोनों ट्रक के चालक के साथ बालू पास कराने वाला दो लाइनर को भी ग्रिफ्तार किया गया। ग्रिफ्तार चालक दरभंगा जिला के फुलबुआ गावँ के कल्लू यादव के पुत्र कमलेश यादव तथा सिमिरी थाना के सिमिरी गावँ के शम्भू यादव का पुत्र सुधीर कुमार को गाड़ी के साथ पकड़ा तथा लाइनर दरभंगा जिला के फुलबुआ गावँ के रामबाबू यादव का पुत्र सुमन यादव एवं मुजफ़्फरपुर जिला के गायघाट थाना के शिवनंदन साहनी का पुत्र राहुल कुमार बताया जाता है।

जिला प्रशासन द्वारा जनसंवाद का किया भव्य आयोजन

प्रमंडलीय आयुक्त, जिलाधिकारी व एसएसपी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का किया शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर (भागलपुर)। जगदीशपुर प्रखंड परिक्षेत्र अंतर्गत लोकनाथ माध्यमिक विद्यालय जगदीशपुर के प्रांगण के मैदान में जिला प्रशासन द्वारा जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भागलपुर प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन, एसएसपी आनंद कुमार, उप विकास आयुक्त, प्रखंड प्रमुख ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस दौरान जिला प्रशासन के तमाम विभाग के पदाधिकारीयो ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं की विस्तृत चर्चा के साथ साथ लाभान्वित होने के विकल्पों पर जानकारी उपस्थित हुए ग्रामीणजन को दिये, साथ ही लोगों के समस्या को भी सुना और उसके निराकरण का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर आयुक्त ने बताया कि सरकार का उद्देश्य है कि जन संवाद के माध्यम से सरकार द्वारा चलाए गए जितनी भी महत्वकांक्षी योजनाएं हैं। उसकी जानकारी जन जन तक पहुंचाई जाए और जिस योजनाओं का लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रही है और उनसे वंचित चल रहे हैं वैसे लोगों के बीच उसे किस प्रकार पहुंचाया जाए। ये जनसंवाद का विकल्प शेष है, जिसके जरिये आम जन के बीच

अधिकारी, पदाधिकारी व कर्मचारियों की टीम योजना का लाभ किस तरह लिया जाएगा इसका फॉर्म भर के कहां दिया वैसे पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दिये जाय, इस प्रकार की जानकारी जनसंवाद के माध्यम से पहुंचा जा रहा है, साथ ही चल रहे योजनाओं के अलावा और कौन सी योजना चलाया जाय, उसपर भी मंथन किया जाय, जिससे आम जनता लाभान्वित हों सकें। इसकी भी जानकारी जनसंवाद के माध्यम से ली जा रहा है। वही जिलाधिकारी ने बताया कि जन संवाद का मुख्य उद्देश्य है कि जिला स्तर एवं प्रखंड स्तर सभी अधिकारियों को आम लोगों के बीच पहुंचना एवं आम लोगों का विकास की दिशा में सुझाव लेना है, तथा लोगों के समस्याओं का समाधान किस प्रकार होगा। उसकी जानकारी प्राप्त करना संबंधित विभाग से लोगों की समस्याओं का निदान दिलाते हुए उन्हें लाभान्वित करना है। इसके अलावा जिलाधिकारी ने बताया कि सरकार के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं का लाभ आम जनों को मिलने में क्या कठिनाई हो रही है उसका समाधान करना उन्होंने बताया कि किसानों के हर खेत में पानी पहुंचाने के लिए सरकार ने एक बड़ी योजना बनाई है जिससे कि हर खेत तक पानी पहुंचाया जाएगा। यह काम शीघ्र ही धरातल पर उतर जाएगा। सरकार ने इसके लिए एक बहुत बड़ी राशि बजट में लाया है।

स्थानीय लोगों का मुख्य मांग था कि यहां सिंचाई की व्यवस्था के लिए चादन नदी में चेक डैम बनाया जाए। इसका जवाब देते हुए आयुक्त एवं जिलाधिकारी ने बताया कि चांदन नदी एंव खलखलिया नदी में चेक डैम बनाने के लिए डीपीआर बनाकर सरकार को भेजा गया है जिसमें की एक चेक डैम का कार्य मंगलवार से आरंभ किया जाएगा। जिसकी स्वीकृती मिल चुकी है शेष चेक डैम का कार्य भी शीघ्र ही आरंभ किया जाएगा।वहीं सोनूचक पुरैनी टोला पंचायत के महमदपुर में झील की जमीन पर अमृत सरोवर बनाया जाएगा।इस अवसर पर एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा पुलिस विभाग में इमरजेंसी सेवा 112 चलाया है जो तत्काल शहरी क्षेत्र में ही उपलब्ध है, लेकिन इसका दूसरा फेज भी आरंभ हो रहा है जो ग्रामीण क्षेत्रों में यह सेवा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। 112 से अपराध में नियंत्रण एवं दुर्घटना में किसी भी व्यक्ति घायल होने पर उन्हें तुरंत स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिल सके, जिससे लोगों का जान बचाई जा सकें। इसके अलावा साइबर अपराध की रोकथाम के लिए साइबर थाना भी खोला गया है जिससे लोगों को ठगी से बचाया जा सकें। इसका पूरा लाभ लोगों को मिल रहा है। वही जगदीशपुर पंचायत के पूर्व मुखिया घनश्याम मंडल गोपीनाथ मंडल, रणवीर सिंह, संजीव कुमार ने पंचायत के समस्याओं की जानकारी अधिकारियों को दिया। घनश्याम मंडल ने चंदन नदी में चेक डैम बनाने का मांग एंव कॉलेज बनाने का मांग करते हुए बताया कि चेक डैम बन जाने से यहां के किसानों को काफी सुविधा मिलेगी। यहां के किसानों द्वारा पिछले 40-50 वर्षों से इसकी मांग की जा रही है ।वही सकते संत विश्वास ने कतरनी धन एवं चावल के बाजार को लेकर समस्या बताया। इस मौके पर सुनील तिवारी ने चांदन नंदी पर बनाने की बात करें जिला कृषि पदाधिकारी जिला सहकारिता पदाधिकारी जिला उद्योग पदाधिकारी जगदीशपुर के अंचलाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड विकास अधिकारी सहित जिला के कई अधिकारी एवं प्रखंड अंचल के तमाम कर्मी मौजूद थे।

किसान की पत्नी को मारी चाकू इलाज के दौरान मौत

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नवगछिया पुलिस जिला परिक्षेत्र के इस्माइलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत परबत्ता भमरा इलाके में बदमाशों ने एक महिला को चाकू मारकर घायल किये जाने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक देर शाम जीरोमाइल स्थित एक प्रशिद्ध चिकित्सक के आवास से काम कर घर लौट रही इस्माइलपुर के नवटोलिया के मनोज मंडल की पत्नी शीला देवी को पूर्व से घात लगाए बदमाशों ने चाकू मार गम्भीर रूप से घायल व जख्मी कर दिया था।

जिसकी सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों व पुलिस के सहयोग से त्वरित इलाज के लिए नवगाछिया सदर अस्पताल लेजाया गया जहां7 से चिकित्सक द्वारा हालत की गंभीरता को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल भेज दिया गया था। जहां इमरजेंसी सर्जरी वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा था, वही इलाज के दौरान उसकी देर रात अचानक हालत गंभीर हो गई जिसके कुछ समय बाद चिकित्सक द्वारा जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया। वही घटना को लेकर स्थानीय बरारी थाना पुलिस पदाधिकारी द्वारा मृतिका के पति के फर्द बयान पर मामला दर्ज कर मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए नवलखा भेज दिया। जहां पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के साथ ही मृतिका के शव की अंतिम संस्कार प्रक्रिया को लेकर शव परिजनों को सौंप दिया। वही घटना के पीड़ित मृतिका के पति पेशे से किसान है, जिन्होंने घटना को लेकर बताया कि काम कर मेरी पत्नी रोजाना की तरह अपने घर लौट रही थी तभी परबत्ता भमरा के पास पूर्व से घात लगाए सोनू साह ने उसकी पत्नी को पीछे से चाकू मार दिया था। जिसकी जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों व पुलिस के सहयोग से इलाज मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वही हत्या का कारण जमीनी विवाद से जुड़ा हुआ बताया है, वही उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सोनू साह के साथ गुड्डू साह, रूपेश साह, चौधरी साह आदि लोग भी इस घटना में संलिप्त हैं। यह लोग गांव के दबंग है और मुझे पूर्व में भी हत्या करने धमकी दे चुके हैं।

एनटीपीसी का मनाया 49वां स्थापना दिवस समारोह, किया कई कार्यक्रम का भव्य आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। सुपर थर्मल पावर स्टेशन एनटीपीसी लिमिटेड कहलगाँव का 49वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन परियोजना प्रमुख (कहलगाँव) नारायण प्रकाश शाहर ने प्रशासनिक भवन प्रांगण में एनटीपीसी ध्वजरोहण के साथ ही उपस्थित कर्मचारियों को स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। वही कार्यक्रम के दौरान परियोजना प्रमुख (कहलगाँव) श्री शाहर ने अपने संबोधन में कहा कि एनटीपीसी की स्थापना विगत 7 नवम्बर 1975 को राष्ट्र को निर्बाध और सुनिश्चित बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी । वही आज एनटीपीसी ने विगत 49 वर्षों में अधिक सशक्त स्वरूप में विकसित हुई है तथा यह विद्युत उत्पन्न के क्षेत्र में वैश्विक रूप से बिजली उत्पाद व्यवसाय की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में अपनी उपस्थिति के साथ खुद को एक प्रमुख विद्युत कंपनी के रूप में स्थापित किया है। इस कार्य में जो एनटीपीसी की टीम व सदस्यों ने अपनी कार्य प्रतिबद्धता, समर्पण, विश्वास, सक्षमता और सृजनात्मकता के कारण ही संभव हो पाया है। विधुत ऊर्जा के दिशा में हमने बिजली उत्पादन के साथ-साथ पर्यावरण-हितैसी अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति के लिए महत्वपूर्ण पहल की है, जो भविष्य में निरंतर सफलता सुनिश्चित करेगी। वही

श्री शाहर ने कहा कि कई चुनौतियों के बावजूद, एनटीपीसी के विकास की गति काफी तेजी से आगे बढ़ रही है जो मुझे और आपको आश्वस्त करने में सक्षम बनाती है कि वैश्विक और राष्ट्रीय व्यापार क्षितिज पर उभरने वाले मुद्दों के बावजूद कंपनी लगातार सफलता की ओर बढ़ती रहेगी और समृद्ध होगी। वही उन्होंने बताया कि आज एनटीपीसी लिमिटेड की कुल संस्थापित क्षमता संयुक्त उद्यम सहित 73,874, टह (मेगावॉट) के साथ विश्व की सबसे बड़ी और सर्वोत्तम विद्युत उत्पादक कंपनी बनने की ओर अग्रसर है। कंपनी ने वर्ष 2032 तक 130 गीगावॉट की स्थापित विद्युत क्षमता उत्पादन करने का लक्ष्य स्थापित किया है। वही इसके पूर्व एनटीपीसी ध्वजारोहण के साथ ही सभी एनटीपीसी कर्मियों ने नैगमिक गीत अंधकार की घोर निशा में ज्योति किरण बनकर हम छाये सुस्वर के साथ प्रस्तुत किये गए। इस दौरान एनटीपीसी के बड़ी संख्या में कर्मियों ने अपने संस्थान के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए एनटीपीसी लिमिटेड को ह्यह्यभारत की शक्ति प्रदान करने हेतु संकल्प लिया। इस अवसर पर दीप्तिनगर स्थित सार्वजनिक भवन, द्वार एवं प्लांट परिसर को पुष्प एवं रंगीन बल्बों से सजाया गया है।

इस मौके पर परियोजना प्रमुख श्री शाहर द्वारा अपने अपने कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 20 कर्मियों को बीयूएच अचीवर व एक कर्मी को मानवीयता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है ।

इस दौरान परियोजना प्रमुख (कहलगाँव) श्री शाहर ने एनटीपीसी कहलगाँव टीम के प्रत्येक सदस्य एवं सहयोगी एजेंसी के साथ साथ सीआईएसएफ जिला प्रशासन, अनुमंडल प्रशासन, सामाजिक संगठन, यूनियन एवं एसोशियेशन से मिले निरंतर सहयोग व योगदान की काफी सराहना की। इसी क्रम में प्रशासनिक भवन स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोसे प्रेक्षागृह में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी लिमिटेड के गुरदीप सिंह ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी एनटीपीसी कर्मियों को स्थापना दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर महाप्रबंधक (ओ&एम) अजय शर्मा, महाप्रबंधक (प्रचालन) बी राजेंद्र कुमार, महाप्रबंधक (एस डाइक मेनेजमेंट) राजेश गुप्ता, महाप्रबंधक (एफजीडी) राकेश चौहान, दीपक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक(टीएडी) हफिजुर रहमान मलिक, महाप्रबंधक (एफएम) प्रभात रंजन बारीक, महाप्रबंधकगण (मैंटेनेंस) एन.डी. आनंद, सीनियर कमांडेंट (सीआईएसएफ) डॉ. सुष्मिता सिंह, सीएमओ (जीवन ज्योति अस्पताल), श्री सौरव शर्मा, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सभी विभागाध्यक्षगण यूनियन एवं एसोसियेशन के प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में एनटीपीसी कर्मी उपस्थित थे।

नए थाना अध्यक्ष रोहित कुमार सिंह ने किया पदभार ग्रहण

प्रात : किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर)। नए थानाध्यक्ष के रूप में रोहित कुमार सिंह ने पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण के बाद संग्रामपुर थाने के सभी पुलिसकर्मियों से औपचारिक जान-पहचान की। उसके बाद उन्होंने थाने का जायजा लिया। नए थानाध्यक्ष ने थाना क्षेत्र की जानकारी हासिल कर महत्वपूर्ण समस्याओं पर चर्चा करते हुए थाने में पदस्थापित पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ बैठक कर विचार विमर्श कर कई दिशा निर्देश दिया। नव पदस्थापित थानाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि अपराध नियंत्रण, विधि व्यवस्था, के साथ साथ थाना क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण, शराब तस्करों पर शिकंजा ,शांति व्यवस्था कायम रखना व नागरिकों के बीच पुलिस की बेहतर कार्य कुशलता व छवि प्रस्तुत करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इस मौके पर संग्रामपुर थाना एस आई शेखर सौरभ, ब्यूटी कुमारी, सत्यम कुमार सिंह, केदार यादव, नवल यादव सहित पुलिसकर्मी एवं पुलिस के जवान आदि मौजूद थे।

तारापुर थाना में की गई शांति समिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। तारापुर थाना प्रांगण में दीपावली काली पूजा एवं छठ पूजा समारोह को शांतिपूर्ण एवं सद्भाव के साथ मनाए जाने को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार की अध्यक्षता में विगत सोमवार के दिन बैठक आयोजित किया गया । बैठक में मुख्य रूप से काली पूजा समिति के अध्यक्ष मेढ़पति सहित पंचायत एवं तारापुर नगर पंचायत के सभी प्रतिनिधि गण सामाजिक कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे। क्षेत्र के खुदिया परसा महेशपुर सांढी. मोहनगंज एवं उल्टानाथ महादेव जैसे जगहों पर काली प्रतिमा स्थापित से लेकर विसर्जन तक एवं मेला को लेकर सभी जनप्रतिनिधियों ने सर्वप्रथम अपना अपना विचार रखा । खासकर खुदिया परसा एवं सांढी. काली में काली पूजा के दौरान पुलिस बल एवं मजिस्ट्रेट देने की बात पूजा कमेटी के लोगों द्वारा रखा गया । वहीं छठ पूजा को लेकर भी क्षेत्र के सभी

छोटे बड़े घाटों में जहां ज्यादा पानी हो वैसे छठ घाटों को चिन्हित कर बांस बल्ला से बेरिंग बेरिकेटिंग करने का भी सामूहिक रूप से निर्णय लिया गया । क्षेत्र के परसा धनपुरा फजेलीगंज एवं धोबिया पोखर स्थित श्री भगवान की स्थापित होने वाली प्रतिमा के समीप लगने वाले मेला में भी विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर कई बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया । बैठक में धनतेरस से लेकर छठ पर्व के निस्तार दिन तक सड़क में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर रहे इस पर भी विशेष चर्चा की गई । डीएसपी सिंधु शेखर सिंह ने कहा कि दीपावली काली पूजा एवं छठ पूजा के मौके पर प्रशासन के साथ जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ता का सहयोग अपेक्षित है । तभी हम किसी भी बड़े समारोह एवं पर्व त्यौहार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करा सकते हैं । खासकर दीपावली से छठ पर्व तक तारापुर खड़गपुर मुख्य सड़क में बड़ी वाहनों सहित छोटी-छोटी गाड़ियों का पार्किंग आरएस कॉलेज तारापुर से लेकर खुदिया नहर मोड के बीच कराने का भी निर्णय लिया गया जिससे जाम की स्थिति से निपटा जा सके एवं किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हो । वहीं थाना अध्यक्ष राजेश कुमार रंजन ने काली प्रतिमा स्थापित करने वाले सभी मेढ़पतियों को थाना से लाइसेंस लेने की अपील की । वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नाटक कराने के लिए भी थाना से लाइसेंस लेने की जानकारी दी गई । शहर में धमाकेदार पटाखा का कारोबार करने वाले कारोबारीयों पर भी विशेष नजर रखने को लेकर भी चचाएं की गई । बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी अंचलाधिकारी वार्ड पार्षद सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे ।

प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ पहुंचेगा सही लोगों तक : बैन प्रिया

प्रात : किरण संवाददाता

सौरबाजार/सहरसा- मंगलवार को नगर निगम सहरसा के दयावती लालजी महाविद्यालय बैजनाथपुर वार्ड नंबर 22 में प्रधान मंत्री आवास योजना को लेकर वार्ड कमिश्नर विपीन कुमार की अध्यक्षता में आम सभा आयोजित की गई। मौके पर मेयर बैन प्रिया भी उपस्थित हुई। वही दयावती लालजी महाविद्यालय परिवार बैजनाथपुर के द्वारा पाग और चादर सम्मानित किया गया। इस आम सभा में वार्ड के विभिन्न समस्याओ को लेकर लोगों ने अपनी-अपनी बाते रखी। कुछ लोगो ने वार्ड में जलजमाव निकासी एवं रास्ता को लेकर मेयर का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। रास्ता नहीं रहने के कारण बरसात के दिनों आवागमन के लिए समस्या उत्पन्न हो जाती है। मौके पर उपस्थित सहरसा नगर निगम के मेयर बैन प्रिया ने कहा

की सभी समस्याओं का निदान संभव है और हम जल्द से जल्द समस्या के समाधान की प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ सही लोगों के हाथों तक पहुंचाया जाएगा। हर गली पक्की सड़क योजना से लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर इंजीनियर रविराज कुमार, एमआईएस दीपक कुमार, पूर्व मुखिया चन्दकिशोर कुमार उर्फ चंदन मेहता, के डी शर्मा,शत्रुघन यादव, पुनित कुमार, विष्णुदेव यादव समेत दर्जनों लोग आम सभा में मौजूद थे।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम -2015 के तहत अपील की सुनवाई जिला पदाधिकारी के द्वारा की गई

छपरा कार्यालय। जिला पदाधिकारी अमन समीर के द्वारा बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम-2015 के तहत कुल 17 अपीलार्थियों के द्वारा किए गए द्वितीय अपील वाद की सुनवाई समाहरणालय परिसर अवस्थित कार्यालय कक्ष में की गई। जिला पदाधिकारी के द्वारा आज कुल 17 विभिन्न तरह के मामलों के लोक शिकायत निवारण से संबंधित मामलों की द्वितीय अपील की सुनवाई कार्यालय कक्ष में परिवादकर्ता के उपस्थिति में एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबंधित पदाधिकारियों के उपस्थिति में की गई। इनमें से 12 मामलों पर अंतिम रूप से आदेश पारित करते हुए शेष 05 मामलों पर संबंधित विभागों के पदाधिकारियों से प्रतिवेदन की मांग करने का आदेश जिला पदाधिकारी महोदय के द्वारा दिया गया।

विश्व संस्कृति संसद में 127 संप्रदायो के प्रमुखों समेत 1500 संत-महंत रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर मे जुटे

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। अखिल भारतीय संत समिती और गंगा महासभा के तत्वाधान में आयोजित इस वैश्विक सांस्कृतिक समागम संस्कृति संसद रूद्राक्ष अंतराष्ट्रीय सहयोग एवं सम्मेलन केंद्र वाराणसी मे जिले से महर्षि मेंही योगाश्रम सह रामानंद स्वामी तपोभूमि के आचार्य स्वामी देवव्रत बाबा को भी आमंत्रित किया गया था।सनातन भारत हमेशा से विश्व के लिए पथ प्रदर्शक रहा है।देश भर से 127 संप्रदायो के प्रमुखों समेत 1500 संत-महंत रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर मे जुटे थे।चार दिनों में विद्वानों व धर्म मर्मज्ञों की चर्चा से निकले तथ्यों के आधार पर अखिल भारतीय संत समिति, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद, गंगा महासभा,विश्व हिंदू परिषद व श्रीकाशी विद्वत परिषद ने प्रस्ताव पारित कर नौ सूत्रीय एजेंडा तय किया और सनातन हिंदू धर्मावलंवियो की राजनीतिक दलों से अपेक्षा की प्रेसवार्ता कर घोषणा की। कोई भी शक्ति किसी भी दशा मे समाज को विभाजित करने का कुचक्र न रचे,इसलिए एजेंडा घोषित किया जा रहा है।नौं सूत्री एजेंडा में

संविधान की धारा 30 में संशोधन कर सभी संप्रदायो को शैक्षिक, सांस्कृतिक संस्थान स्थापित करने का अधिकार देने,वक्फ एक्ट 1995 निरस्त कर संपत्ति का अधिकार व प्रक्रिया सभी संप्रदायों के जैसे ही धर्म विशेष को मिलने,संघीय कानून बनाकर समस्त मंदिरो को हिन्दू समाज को वापस देने,पर्यटन से अलग तीर्थाटन मंत्रालय बनाकर तीर्थो की शास्त्रीय मान्यताओं को ध्यान मे रखते हुए विकास करने, लव जिहाद और अवैध मंतातरण रोकने के लिए प्रभावी कानून बनाने,समान नागरिक संहिता लागू कर एक राष्ट्र, एक नागरिक, एक कानून लागू करने,जनजातीय समाज का कोई व्यक्ति मंतानतरित हो जाए तो उसे आरक्षण के दायरे से हटाने,अन्य मतावलंबियो की तरह मंदिर के पूजारियों को भी मानदेय देने तथा संतो को पासपोर्ट, आधार, मतदाता कार्ड आदि बनाने मे जैविक माता-पिता के नाम के वजह से दिक्कत आती है।इसलिए संत सेवा समिति बनाकर संतो की भौतिक कठिनाईयां दूर की जाए। मीडिया प्रभारी चंदन वर्मा ने बताया कि बनारस से लौटने के बाद देवव्रत बाबा का गाजे बाजे के साथ स्वागत किया गया।

दो दिवसीय स्किल डेवलपमेंट कार्यशाला में 90 लोगों को दो पाली में प्रशिक्षण आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। सैनिक चिकित्सा और सैनिक चिकित्सा चिकित्सा सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह सदस्य सचिव सदर अस्पताल मुकुल कुमार की अध्यक्षता में को कोविड सभा भवन में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजित हुई।जिसका समापन मंगलवार को समापन हुआ।इस अवसर पर सीनियर प्रोग्राम लीडर ने बताया कि इस प्रोग्राम के तहत 90 लोगों को दो पाली में प्रशिक्षित किया गया।बिहार सरकार की मिशन क्वालिटी के अंतर्गत चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अस्पताल परिसर में बेहतर माहौल

बनाना, कर्मचारियों के बीच आपस में सहयोगात्मक भावना बनाए रखना, कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा करना, मरीज और स्वास्थ्य कर्मी के बीच सेवा भाव का संबंध स्थापित करना, व्यक्तिगत व्यवहार में परिवर्तन लाना, जिस कठिन कामों को आसानी से प्राप्त किया जा सके। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ सिविल सर्जन मुकुल कुमार,क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक अविनाश कुमार, जिला सामुदायिक प्रबंधक राहुल कुमार, जिला अस्पताल प्रबंधक सिंपी कुमारी, पीरामल फाउंडेशन के सीनियर प्रोग्राम लीडर विभूति चंद्र युगल, क्षेत्रीय प्रोग्राम लीडर संदीप कुमार, प्रशिक्षक अवधेश कुमार मिश्रा, अमरेश कुमार एवं प्रोग्राम लीडर धीरज कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण में सदर अस्पताल के डॉक्टर नर्स पैरामेडिकल अकेडमी सफाई कर्मी एवं सुरक्षा गार्ड शामिल थे। पिरामल के गांधी फेलोज प्रियंका ठाकुर, सूरज कुमार,तरुण सेन, सौरभ काली, अनुराग सिंह, नम्रता कुमारी एवं मोहम्मद अशफाक ने कार्यशाला में सराहनीय योगदान दिया।

भारत स्काउट एंड गाइड का 73वां स्थापना दिवस धूमधाम से आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। जिला स्कूल के प्रांगण में अवस्थित भारत स्काउट गाइड ,कार्यालय में मंगलवार को 73 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया ।इस अवसर पर सर्वप्रथम सर्वधर्म प्रार्थना आयोजित किया गया। तत्पश्चात बेडेन पावेल के प्रतिमा पर जिला मुख्य आयुक्त नुनुमणी सिंह द्वारा माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर जिला सचिव, भारत स्काउट & गाइड शंभू प्रसाद यादव,

जिला उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ,जिला स्कूल के प्राचार्य कपिल देव प्रसाद यादव, सुधा कुमारी आजीवन सदस्य तारा सिंह, उच्च माध्यमिक विद्यालय महपूरा के प्रधानाध्यापक रंजन कुमार सिंह, जिला सहायक सचिव स्काउट & गाइड ,रोशन सिंह धोनी, जिला संगठन आयुक्त भारत स्काउट & गाइड रवि रंजन कुमार एवं कई स्काउट मास्टर्स उपस्थित थे।भारत स्काउट & गाइड के सहरसा जिला सहायक सचिव रौशन सिंह धोनी ने बताया कि इस अवसर पर भारत स्काउट एंड गाइड की रैली निकालकर जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना, क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक कार्यालय एवं आयुक्त के सचिव के कार्यालय पहुंचकर उन्हें भारत स्काउट एंड गाइड का स्स्टीकर लगाया गया।उसके बाद रैली केंद्र

तारा सुतारिया का बॉयफ्रेंड आदर जैन संग ब्रेकअप का ऐलान

कार्तिक आर्यन और तारा सुतारिया को लेकर डेटिंग की खबरें सामने आ रही थीं। अब तारा ने एक नया ऐलान कर सभी को चौंका दिया है। उन्होंने आदर जैन संग ब्रेकअप पर मुहर लगा दी है। दोनों कई साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। इससे पहले तारा और कार्तिक को सीक्रेट डेट पर देखा गया था। बी-टाउन के गलियारे से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने अपने रिलेशनशिप पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने आदर जैन संग ब्रेकअप की पुष्टि कर दी है। बीते कुछ दिनों से तारा का नाम एक्टर कार्तिक आर्यन से जुड़ रहा है। इन अफवाहों के बीच उन्होंने कहा, मैं किसी रिलेशनशिप में नहीं हूं। मालूम हो कि तारा और आदर एक-दूसरे को कई साल से डेट कर रहे थे। आदर की फैमिली फोटोज में भी तारा होती थीं। आदर जैन, राज कपूर के नाती हैं। वो राज कपूर की बेटी रीमा जैन के बेटे हैं। उन्होंने और तारा सुतारिया ने कई साल तक डेट करने के बाद 2020 में अपने रिश्ते पर पब्लिकली मुहर लगाई थी। कपूर खानदान में होने वाले जश्न में भी तारा शामिल होने लगी थीं। लेकिन अब उनका ये रिश्ता खत्म हो चुका है। पिछली बार एक विलेन रिटर्न्स (2022) मूवी में नजर आने वाली एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने इंटरव्यू में खुलासा किया कि वो किसी भी रिलेशनशिप में नहीं हैं।

रश्मिका मंदाना के वायरल डीपफेक पर भड़कीं मृणाल

साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना का हाल ही में एक मॉर्फ्ड वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। रविवार को रश्मिका का एक डीपफेक वीडियो ऑनलाइन सामने आया। इस फेक वीडियो में रश्मिका के चेहरे वाली महिला को डीप नेक वाले चुस्त ड्रेस पहने हुए लिफ्ट में चढ़ते देखा गया था।

वीडियो तुरंत वायरल हो गया और कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि यह डीपफेक वीडियो है। इसके बाद कई मशहूर हस्तियां रश्मिका के समर्थन में आई हैं।अब इस पर मृणाल ठाकुर की प्रतिक्रिया सामने आई है। मृणाल ठाकुर ने रश्मिका मंदाना के रुख की सराहना करते हुए एक नोट लिखा है। साथ ही दूसरों को ऐसी घटनाओं के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित किया है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मृणाल ने ऑनलाइन प्रसारित हो रहे वायरल डीपफेक वीडियो के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के लिए रश्मिका मंदाना की सराहना की है। उन्होंने खुले तौर पर उन दैनिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिनका सामना महिला अभिनेत्रियों को उनकी छवियों के साथ छेड़छाड़ और हेराफेरी के कारण करना पड़ता है।

मृणाल ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा, ऐसी चीजों का सहारा लेने वाले लोगों को शर्म आनी चाहिए, इससे पता चलता है कि ऐसे लोगों में कोई विवेक नहीं बचा है। इस मुद्दे पर बोलने के लिए रश्मिका मंदाना को धन्यवाद। अब तक हमने यह देखा, हममें से बहुतों ने चुप रहना बेहतर समझा। अभिनेत्री ने आगे कहा, हर दिन इंटरनेट पर अभिनोत्रियों के एडिट किए हुए वीडियो घूम रहे हैं, जिनमें अनुचित शारीरिक अंगों को जूम किया जाता है। हम एक समुदाय के रूप में, एक समाज के रूप में कहां जा रहे हैं? हम अभिनेत्री हो सकते हैं सुर्खियों में लेकिन दिन के अंत में, हम में से हर कोई इंसान है। हम इसके बारे में बात क्यों नहीं कर रहे हैं? चुप मत रहो, अब समय नहीं है। वहीं, मृणाल ठाकुर के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में उनकी पहली कॉमेडी फिल्म आंख मिचोली रिलीज हुई है। इसके अलावा वह जल्द पिप्पा में नजर आएंगी।

मौनी रॉय ने डांसर की बायोपिक करने की जताई इच्छा

इन दिनों मौनी रॉय डेटिंग बेस्ड रियलिटी शो टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया में बतौर क्वीन ऑफ हार्ट्स नजर आ रही हैं। उनकी मानें तो वे रियल लाइफ में बहुत ही इमोशनल हैं और इस शो की शूटिंग के दौरान, वे खुद को कई बार भावुक होने से नहीं रोक पाई। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान, मौनी ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े कुछ दिलचस्प बातें शेयर की। बातों-ही-बातों में उन्होंने इंडियन क्लासिकल डांसर की बायोपिक का हिस्सा बनने की ख्वाहिश भी जताई।

खुद को इमोशनल होने से नहीं रोक पाई

इस शो में जो ह्यूमन इमोशंस मैंने अनुभव किए वो बहुत ही अलग है। कहने को मैं क्वीन ऑफ हार्ट्स हूं लेकिन मुझे एहसास होता था कि मैं भी इस सोशल एक्सपेरिमेंट का हिस्सा हूं। जो कुछ कंटेस्टेंट्स इस जर्नी के दौरान महसूस करते थे, मैं भी उनके साथ-साथ वह इमोशंस से गुजरती थी। ये एक ऐसा रियलिटी शो है जो स्क्रिप्टेड नहीं हैं। शो साइन करने के दौरान, मैंने सोचा भी नहीं था कि इन इमोशंस से मुझे भी गुजरना होगा। मैंने सोचा था कि मैं अपना 100% शो को दूंगी और बस अपना काम खत्म करके घर लौट आऊंगी। लेकिन ऐसा बिलकुल नहीं होता था। मैं बहुत ही इमोशनल इंसान हूं और इस शो में मेरे इमोशंस काफी बाहर आए। मैं खुद को इमोशनल होने से नहीं रोक पाई।

पार्टनर के साथ अच्छी बॉन्डिंग है

जी हां, मुझे लगता है कि हर व्यक्ति इससे गुजरता है। हालांकि, अब तक मेरे पार्टनर के साथ मेरी बॉन्डिंग बहुत अच्छी है और मुझे किसी तरह की कोई शिकायत नहीं। देखिए, प्यार की परीक्षा हम सब देते है। ये शो एक ऐसा लव एक्सपेरिमेंट हैं, एक ऐसा सोशल एक्सपेरिमेंट हैं जहां एक कपल अपने मन से आता है। शुरुआत में मेरी भी यही सोच थी कि कोई कपल इस तरह के शो का हिस्सा क्यों बनेगा? लेकिन वक्त के साथ समझ आया कि इनके एक-दूसरे के लिए कई सवाल है जिसका जवाब शायद उन्हें इस शो में मिले।

बचपन से ही डांस करने का बहुत शौक

इंडियन क्लासिकल डांसर की बायोपिक का हिस्सा बनना चाहूंगी। मुझे बचपन से ही डांस करने का बहुत शौक है। यदि मौका मिला तो मैं कोई डांस ड्रामा का हिस्सा बनना चाहूंगी खासतौर पर कोई इंडियन क्लासिकल ड्रामा। मुझे क्लासिकल डांसिंग से बहुत ज्यादा लगाव है। बचपन में थोड़ा बहुत सीखने का मौका मिला था लेकिन उसे आगे नहीं बढ़ा पाई। वैसे तो मुझे हर किस्म का डांस पसंद है लेकिन मेरा फेवरेट या यूं कहे कि मेरा झुकाव क्लासिकल डांसिंग की तरफ ज्यादा है। इसमें भी कत्थक मेरा फेवरेट डांस फॉर्म है। अभी तो मुझे डांस सीखने का मौका बिलकुल नहीं मिलता लेकिन ये एक ऐसी चीज है जिसके लिए समय निकालना चाहूंगी। काश, डांस फिर से सीखने का मौका मिला और कोई सिखाए तो, जरूर करना चाहूंगी।

ब्रह्मास्त्र की सक्सेस के बाद आया बदलाव

ब्रह्मास्त्र की सक्सेस के बाद, जिस तरह के ऑफर्स मिल रहे हैं, उसमें बदलाव है। सबसे अच्छी बात ये है कि अब चुनने के लिए बहुत कुछ है जो पहले नहीं था। मैं अब केवल अच्छा काम करना चाहती हूं, अलग-अलग किस्म के रोल करना चाहती हूं। मैं इस बात पर बहुत फोकस्ड हूं।

डेली सोप बहुत बड़ी जिम्मेदारी

देखिए, अभी तो नहीं कर पाउंगी और इसकी वजह बस यही है कि टीवी में आपको बहुत टाइम देना पड़ता है। एक डेली सोप बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि आपने उस शो के लिए कमिटमेंट दी है तो आपको अपना 100त्न देना ही होगा और वह भी हर दिन। मैं इसके लिए तैयार नहीं। लेकिन हां, यदि टीवी पर कुछ और करने का मौका मिला, तो जरूर सोचूंगी।

नागिन शो देने के लिए एकता कपूर की शुक्रगुजार रहूंगी

आज जो कुछ भी मेरे पास है, वह इसी शो की वजह से है। इस शो के जरिए मैं ज्यादा लोगों तक पहुंच पाई। वह इतना पॉपुलर शो है। सिर्फ मैं ही नहीं, जिन-जिन एक्टर्स ने नागिन का किरदार अब तक निभाया, मुझे यकीन है कि हर एक को कुछ-न-कुछ उस शो से जरूर मिला होगा। मेरे लिए नागिन किसी आशीर्वाद से कम नहीं। मैं हमेशा एकता मैम (एकता कपूर) को ये शो देने के लिए शुक्रगुजार रहूंगी।

बर्थडे पर कमल ने फैंस को दिया गिफ्ट नई मूवी ठग लाइफ का ऐलान

साउथ और हिंदी फिल्मों के फेमस एक्टर कमल हासन 7 नवंबर को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। इस खास मौके पर उन्होंने फैंस को गिफ्ट दिया है। उन्होंने अपनी नई मूवी का ऐलान किया है, जिसका नाम ठग लाइफ है। वो 36 साल बाद मणिरत्नम के साथ फिर काम करने जा रहे हैं। साउथ के फेमस एक्टर कमल हासन ने अपने बर्थडे पर फैंस को एक स्पेशल गिफ्ट दिया है। उन्होंने अपनी नई मूवी की अनाउंसमेंट कर दी है। ये फिल्म मणिरत्नम के साथ होगी और इसका टाइटल ठग लाइफ है। साल 1987 की कल्ट एपिक क्राइम मूवी नायकन के 36 साल बाद कमल हासन और मणिरत्नम साथ आए हैं। दिग्गज एक्टर ने फिल्म से अपनी झलक भी दिखा दी है और पहला पोस्टर शेयर किया है। ठग लाइफ का सह-निर्माण राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल और मद्रास टॉकीज द्वारा किया जाएगा। फिल्म में जयम रवि, तृषा, दुलकर सलमान, अभिरामी और नासिर जैसे कलाकार हैं। संगीतकार एआर रहमान का म्यूजिक होगा।

इंडियन 2 में भी आएंगे नजर

ठग लाइफ के अलावा कमल इंडियन 2 में भी एक्टिंग करेंगे, जो शंकर की 1996 की ब्लॉकबस्टर विजिलेंट एक्शन फिल्म की अगली कड़ी है। फिल्म 12 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें काजल अग्रवाल, सिद्धार्थ और रकुल प्रीत सिंह भी हैं। इसके अलावा कमल नाग अश्विन की एपिक साइंस-फिक्शन मूवी कल्कि 2898 एडी में भी नजर आएंगे। इसमें प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन भी हैं। ये 12 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अर्जुन रामपाल ने पूरी की क्रैक- जीतेगा तो जियेगा! का शूटिंग

एक्टर अर्जुन रामपाल ने अपकमिंग फिल्म क्रैक- जीतेगा तो जियेगा! की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसे उन्होंने क्रेजी इमेजिनेशन का टैग दिया और इसे एक क्रेजी राइड कहा। अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर अपनी शूटिंग के आखिरी दिन का एक वीडियो शेयर किया। क्लिप की शुरुआत एक हेलिकॉप्टर से होती है और फिर निर्देशक आदित्य तक पहुंचती है। उन्होंने आगे कहा, क्रैक की शूटिंग समाप्त हुई। यह एक शानदार सफर रहा। एक छोटी सी झलक, किसी बड़ी चीज की। विद्युत जामवाल और आदित्य को मुझे इसका हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद। अब्बास सैयद और बाकी क्रू को इसे इतना आसान बनाने के लिए शुक्रिया। सबसे महत्वपूर्ण बात मेरे भाई पराग संघवी, आपके बिना यह संभव नहीं था। क्रैक - जीतेगा तो जिएगा!, जो अपनी शूटिंग के आखिरी फेज में है, इसमें विद्युत जामवाल और नोरा फतेही भी हैं। एक निर्माता के रूप में यह विद्युत का दूसरा प्रोडक्शन है। क्रैक- जीतेगा तो जिएगा एक स्पोर्ट्स फिल्म है, जो आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित है। इसे सरीम मोमिन और रेहान खान ने लिखा है।

रश्मिका मंदाना ने बिग बी को कहा शुक्रिया

रश्मिका मंदाना उन साउथ अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्होंने अपने टैलेंट और खूबसूरती के दम पर हिंदी पट्टी के दर्शकों के बीच भी खास जगह बनाई है। बेशक रश्मिका का बॉलीवुड डेब्यू फीका रहा हो, लेकिन वह लोगों के बीच आए दिन किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। जहां एक तरफ रश्मिका अपनी आगामी एक्शन फिल्म एनिमल के लिए चर्चा में हैं, वहीं आज कुछ ऐसा हुआ जिसने सभी के होश-फाख्ता कर दिए। दरअसल, रश्मिका मंदाना का एक मॉर्फ्ड वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिस पर अमिताभ बच्चन के लेकर सभी खूब भड़के। अब रश्मिका ने उनका पक्ष लेने के लिए अमिताभ को धन्यवाद कहा है। सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों के लिए छाई रहने वाली रश्मिका के फैंस तब हैरान रह गए, जब अभिनेत्री का एक डीप नेक ड्रेस पहने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। दरअसल, रश्मिका मंदाना साइबर क्राइम का शिकार हो गईं। जब उनका एक एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो सामने आया और तेजी से वायरल हो गया। हालांकि, बाद में साफ हो गया था कि यह एक मॉर्फ्ड वीडियो है। वायरल वीडियो को देखने के बाद बड़े-बड़े सेलेब्स भड़क उठे। इस वीडियो के वायरल होने के बाद अमिताभ बच्चन को भी बहुत गुस्सा आया और उन्होंने ऐसा करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

टाइगर 3 में टॉवल फाइट सीक्वेंस पर बोलीं कैटरीना कैफ

बॉलीवुड सुपरस्टार कैटरीना कैफ, जिनके टाइगर 3 में टॉवल फाइट सीक्वेंस ने कई लोगों का ध्यान खींचा है, ने बताया कि भारत में इससे पहले स्क्रीन पर दो महिलाओं का ऐसा कोई फाइट सीक्वेंस नहीं रहा है। कैटरीना ने कहा, मुझे स्क्रीन पर जोखिम भरे एक्शन सीक्वेंस करना पसंद है और जब एक फीमेल एक्शन हीरोइन होने की बात आती है तो टाइगर फ्रेंचाइजी ने हमेशा मुझे चीजों को कई पायदान ऊपर ले जाने का मौका दिया है! मैंने जोया के जरिए एक सुपर जासूस की लाइफ जी है और मुझे यह फैक्ट बहुत पसंद है कि वह एक फाइटर है! वह किसी को भी अपने साथ ले जा सकती है! यह मेरे और दर्शकों के लिए नया और रोमांचक है क्योंकि वे एक ऐसी महिला को देख सकते हैं जो एक पुरुष के बराबर ही लड़ सकती है।

उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि टाइगर 3 का हम्माम में टॉवल फाइट सीक्वेंस वायरल हो रहा है। इसे शूट करना बहुत ही कठिन था, क्योंकि इसे भाप से भरे हम्माम के अंदर शूट करना था। इसमें पकड़ना, बचाव करना, घूंसा मारना और लात मारना सब कुछ बेहद मुश्किल रहा। इस शानदार सीन के बारे में सोचने के लिए फिल्म मेकर्स को सलाम। मुझे नहीं लगता कि भारत में स्क्रीन पर दो महिलाओं का ऐसा कोई फाइट सीक्वेंस रहा है। कैटरीना के लिए ये फाइट सीक्वेंस बेस्ट है। उन्होंने आगे कहा, यह सबसे अच्छे एक्शन सीक्वेंस में से एक है, जिसे मैंने स्क्रीन पर महिलाओं को करते देखा है। यह बिल्कुल शानदार है और मैं लोगों द्वारा सिनेमाघरों में पूरा एक्शन सेट देखने का इंतजार नहीं कर सकती! फिल्म में कैटरीना की जोड़ी सलमान खान के साथ बनाई गई है।

एक टीचर जो ट्यूशन पढ़ाते-पढ़ाते बन गया अरबपति, खड़ी कर दी अरबों डॉलर की कंपनी

▶▶ 25,000 स्टूडेंट्स को स्टेडियम में मैथ्य पढ़ाते थे बायजू रवींद्रन ▶▶ कोचिंग पढ़ाने के लिए हर हफ्ते 9 शहरों की यात्रा करते थे रवींद्रन

रवींद्रन के 2 बार आईआईएम के एंट्रेंस में आए 100 पर्सेंटाइल

नईदिल्ली, एजेंसी। केरल के कन्नूर जिले में अझीकोड नाम से एक छोटा सा गांव है। गांव भले ही छोटा सा है, लेकिन इस गांव को आज केरल में सब लोग जानते हैं। कारण है बायजू रवींद्रन। वे इसी गांव के हैं। रवींद्रन की शुरुआती एजुकेशन इसी गांव में मलयालम मीडियम स्कूल से हुई थी। इसी स्कूल में रवींद्रन के पेरेंट्स टीचर थे। रवींद्रन पढ़ाई में शुरू से ही आगे थे। साथ ही स्पोर्ट्स में भी उनकी बहुत रुचि थी। उस समय कोई सपने में भी नहीं सोच सकता था कि रविंद्रन एक दिन अरबों डॉलर की कंपनी का मालिक बनेगा। पढ़ाई पूरी हुई तो वे यूके की एक शिपिंग कंपनी में इंजीनियर बन गए।

बायजू मैथ्स में बहुत अच्छे थे। छुट्टियों में रविंद्रन जब भारत आए, तो उन्होंने अपने कुछ दोस्तों की आईआईएम के एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी में मदद की। बायजू को लगा कि उन्हें भी आइआइएम देना चाहिए। उन्होंने एंट्रेंस दिया। रिजल्ट आया तो पता चला कि उन्हें

100 पर्सेंटाइल मिले थे। बायजू को लगा कि यह शायद कोई संयोग होगा। उन्होंने फिर से आईआईएम का एंट्रेंस टेस्ट दिया और फिर से उनका स्कोर 100 पर्सेंटाइल था। अब उन्होंने आईआईएम जॉइन करने के बजाय कोचिंग क्लास शुरू करने का फैसला किया।

हर हफ्ते करते थे 9 शहरों की यात्रा

रवींद्रन को कोचिंग में मजा आ रहा था। इसलिए उन्होंने इसके लिए नौकरी भी छोड़ दी। शुरुआत में बायजू छोटे कमरों में छोटे ग्रुप्स को कोचिंग देते थे। रवींद्रन का पढ़ाने का तरीका इतना मजेदार था कि स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ती ही चली गई। रवींद्रन की पत्नी और बायजूस की को-फाउंडर दिव्या गोकुलनाथ ने एक इंटरव्यू में कहा था, रवींद्रन हर हफ्ते 9 शहरों की यात्रा करते थे और स्टेडियम में स्टूडेंट्स को मैथ पढ़ाते थे।

25,000 स्टूडेंट्स को स्टेडियम में एक साथ पढ़ाते थे मैथ्स

गोकुलनाथ ने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, हमने एक किराये के कमरे और 40 स्टूडेंट्स के साथ बायजूस की जर्नी शुरू की थी। वे कहती हैं, हमारा पढ़ाने का तरीका इतना यूनीक था कि स्टूडेंट्स की संख्या बढ़ती चली गई। स्टूडेंट्स इतने आने लगे कि बायजू क बड़े ऑडिटोरियम में शिफ्ट होना पड़ा। बायजूस ने स्टेडियम किराए पर लिये। वे 6 स्क्रीन के बीच खड़े रहकर बच्चों को मैथ्स पढ़ाते थे। रवींद्रन ने दिल्ली के इंदिया गांधी इनडोर स्टेडियम में भी स्टूडेंट्स को पढ़ाया था। यहां 25,000 स्टूडेंट्स आए थे। इस तरह यह दुनिया का सबसे बड़ा क्लासरूम बन गया था।

जब व्यस्तता ज्यादा बढ़ने लगी तो बायजू ने सोचा कि क्यों ना एक ही जगह रहकर सभी स्टूडेंट्स तक पहुंचा जाए। इसके बाद उन्होंने साल 2009 में ष्ठञ्ज के ऑनलाइन वीडियो बेस्ड लर्निंग प्रोग्राम शुरू किया । इसके बाद साल 2011 में उन्होंने थिंक एंड लर्न नाम से एक स्टार्टअप लॉन्च किया, जो कि बायजूस की मूल कंपनी है। साल 2015 में उन्होंने बायजूस- द लर्निंग ऐप शुरू किया। यह स्टार्टअप के लिए गेमचेंजर साबित हुआ। इसका असर यह था कि रविंद्रन सिर्फ 7 साल में अरबपति बन गए थे। और फिर यह सिलसिला चलता ही गया।

22 से घटकर 5.1 अरब डॉलर पर आ गई वैल्यूएशन

आज बायजूस देश की सबसे बड़ी एजुकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी है। सितंबर 2023 तक बायजूस की वैल्यूएशन 5.1 अरब डॉलर थी। कंपनी का दावा है कि उसके पास 15 करोड़ रजिस्टर्ड स्टूडेंट्स हैं। हालांकि, साल 2023 बायजूस के लिए अच्छा नहीं रहा। कंपनी की वैल्यूएशन 22 अरब डॉलर से घटकर 5.1 अरब डॉलर पर आ गई।

जयप्रकाश एसोसिएट्स नहीं चुका पाया 4258 करोड़ रुपये का कर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। संकटग्रस्त जेपी समूह की प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स ने सोमवार को कहा कि उसने मूलधन और ब्याज राशि सहित 4,258 करोड़ रुपये के कर्ज का भुगतान नहीं किया है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) ने कहा कि कंपनी 31 अक्टूबर को 1,733 करोड़ रुपये की मूल राशि और 2,525 करोड़ रुपये के ब्याज का भुगतान करने में विफल रही। ऋण विभिन्न बैंकों से संबंधित हैं और ये फंड-आधारित कार्यशील पूंजी, गैर-फंड-आधारित कार्यशील पूंजी, सावधि ऋण और एफसीसीबी (विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांड) के रूप में हैं।

जेएएल ने कहा, कंपनी की कुल उधारी (ब्याज सहित) 29,272 करोड़ रुपये है, जिसे 2037 तक चुकाया जाना है, जिसके मुकाबले 4 अक्टूबर, 258 तक केवल 31,2023 करोड़ रुपये बकाया हैं। जेएएल ने कहा, कंपनी की कुल उधारी (ब्याज सहित) 29,272 करोड़ रुपये है, जिसे 2037 तक चुकाया जाना है, जिसके मुकाबले 31 अक्टूबर, 2023 तक केवल 4,258 करोड़ रुपये की देनदारी है। 29,272 करोड़ रुपये की उक्त उधारी में से 18,682 करोड़ रुपये प्रस्तावित विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) को हस्तांतरित करने पर और कम हो जाएंगे। कंपनी ने बताया है कि इसके लिए सभी हितधारकों की ओर से विधिवत अनुमोदित व्यवस्था की योजना एनसीएलटी के पास मंजूरी के लिए लंबित है। जेएएल की ओर से कहा गया है कि उसका पूरा ऋण पुनर्गठन के अधीन है। कंपनी ने कहा कि वह उधारी कम करने के लिए ठोस कदम उठा रही है।

रॉक्स हाई-टेक लिमिटेड का आईपीओ खुला

मुंबई, एजेंसी। एक ग्राहक केंद्रित आईटी सॉल्यूशंस प्रदाता, रॉक्स हाई-टेक लिमिटेड ने 07 नवंबर, 2023 को इनिशियल पक्बिलिक आफरिंग के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा आईपीओ के मार्फत अप्पर बैंड प्राइस पर 54.49 करोड़ जुटाने का है और कंपनी के शेयरों को एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट किया जाएगा. आईपीओ से प्राप्त शुद्ध धनराशि का उपयोग पूंजी खर्च का वित्त पोषण करने, कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने और आम कॉरपोरेट कार्यों का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. एंकर पोर्शन की बिडिंग 06 नवंबर, 2023 को खुलेगी और इश्यू 09 नवंबर, 2023 को बंद होगा. इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर स्वराज शेयर्स एंड सिक्योरिटीस प्राइवेट लिमिटेड है और इश्यू की रजिस्ट्रार पूर्वा शेयरजिस्ट्री इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है. रॉक्स हाई-टेक लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री जिम राकेश ने कहा, हम रॉक्स हाई-टेक लिमिटेड को पब्लिक में ले जाकर इस उत्साहजनक यात्रा पर आगे बढ़ते हुए रोमांचित है. यह माइलस्टोन अपवादात्मक आईटी सॉल्यूशंस प्रदान करने और इनोवेशन के प्रति हमारे समर्पण की प्रतिबद्धता से प्रदर्शित होता है. हमें विश्वास है कि यह आईपीओ हमें हमारी क्षमताएं और बढ़ाने और हमारे ग्राहकों की उत्कृष्ट सेवा करने में समर्थ बनाएगा. इस आईपीओ से प्राप्त शुद्ध धनराशि हमारे पूंजी खर्च का वित्त पोषण करने और हमारी कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने में सहायक रहेगी. फंड का यह व्यूहात्मक आवंटन निरंतर ग्रोथ और इनोवेशन करने के हमारे विजन के अनुरूप है और हमें एक प्रमुख आईटी सॉल्यूशंस प्रदाता के रूप में हमारी स्थिति बरकरार रखने की अनुमतिदेता है. स्वराज शेयर्स एंड सिक्योरिटीस प्राइवेट लिमिटेड की डायरेक्टर, सुश्री पंकिता पटेल ने कहा, पब्लिक में जाने का रॉक्स हाई-टेक लिमिटेड का निर्णय उनकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण पल को दर्शाता है. अपवादात्मक आईटी सॉल्यूशंस प्रदान करने और इनोवेशन के प्रति समर्पण की उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें उद्योग का एक खास खिलाड़ी बना दिया है. यह आईपीओ ना सिर्फ उनकी क्षमताओं में उसके विश्वास को दर्शाता है बल्कि नए सुअवसरों और ग्रोथ के द्वार भी खोलता है।

790 पर जाएगा एसबीआई का शेयर, 41 में से 37 एक्सपर्ट्स ने कहा-तुरंत खरीदो

नईदिल्ली, एजेंसी। आने वाले दिनों में भारत के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई के शेयर 790 रुपये तक पहुंच सकते हैं। यह मौजूदा रेट 574.35 रुपये से करीब 37 फीसद ऊपर है। घरेलू ब्रोक्रेज फर्म बीएनपी परिबास सिक्योरिटिज ने सोमवार को जारी अपने एक नोट में एसबीआई को बाय रेटिंग देते हुए 790 का टार्गेट दिया है। एक दिन पहले 5 नवंबर को प्रभुदास लीलाधर ने इसका टार्गेट प्राइस 770 रुपये रखा था और खरीदारी की सलाह दी थी, जबकि इसी दिन एक अन्य ब्रोक्रेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने भी 710 रुपये लक्ष्य के साथ बाय रेटिंग दी थी। अगर अन्य

एनॉलिस्टों की बात करें तो कुल 41 में से 24 ने स्टेट बैंक के शेयरों में स्ट्रांग बाय की सलाह दी है। जबकि, 13 विश्लेषकों ने भी बाय रेटिंग दी है। इस लिहाज से देखें तो मार्केट एक्सपर्ट्स एसबीआई को लेकर बुलिश हैं। इन 41 एनॉलिस्ट्स में से केवल 2 ने होल्ड और इतने ही लोगों ने बेचने की सलाह दी है। अगर एसबीआई के स्टैंड अलोन रिटर्न ऑन इक्विटी पर नजर डालें तो यह शेयर पिछले पांच साल से लगातार उछल रहा है। 2019 में इसका आरओई 0.35 फीसद था। 2020 में बढ़कर 6.74 फीसद हो गया। वहीं, 2021 में 9.02 और 2022 में 12.91 फीसद पर पहुंच गया।

तूफानी तेजी से बढ़ेगी भारत की अर्थव्यवस्था, फिच ने बढ़ाई ग्रोथ रेट, चीन की जीडीपी को लग सकता है बड़ा झटका

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी रेटिंग एजेंसी एजेंसी फिच का कहना है कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर टॉप-10 उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा रहने वाली है। यही नहीं फिच ने सोमवार को भारत के मिड टर्म ग्रोथ अनुमान को 0.7 प्रतिशत बढ़ाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया। इससे पहले ग्लोबल एजेंसी का अनुमान 5.5 प्रतिशत का था। फिच की मानें तो हालिया महीनों में भारत में रोजगार दर में सुधार हुआ है। वर्किंग एज पॉपुलेशन के फोरकास्ट में भी सुधार आया है। फिच के अनुसार, भारत की श्रम उत्पादकता का अनुमान भी अन्य देशों की तुलना में बेहतर है।

वहीं, इसने 10 उभरते देशों के ग्रोथ अनुमान को पहले के 4.3 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया है। इसके लिए फिच ने चीन की अर्थव्यवस्था में गिरावट को जिम्मेदार ठहराया है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 'यह कमी मुख्य रूप से चीन की सप्लाई-साइड ग्रोथ पोटेंशियल के अनुमान में 0.7 प्रतिशत अंक की बड़ी कमी के कारण आई है। चीन के मिड टर्म ग्रोथ अनुमान को 5.3 फीसदी से घटाकर 4.6 फीसदी कर दिया गया है। 'हमने भारत और मैक्सिको को बड़े पैमाने पर अपग्रेड किया है।

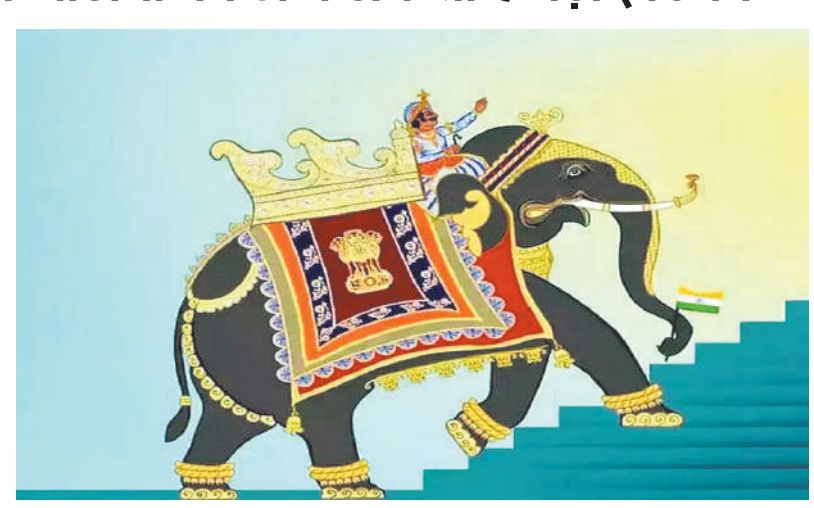

भारत के ग्रोथ अनुमान को 5.5 प्रतिशत से बढाकर 6.2 प्रतिशत जबकि मेक्सिको के ग्रोथ अनुमान को 1.4 प्रतिशत से बढाकर 2 प्रतिशत किया गया है। फिच ने कहा है कि 2023-24 के लिए भारत की विकास दर 6.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। फिच ने मध्यम अवधि 2023 से 2027 को माना है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार, भागीदारी दर में नकारात्मक वृद्धि के अनुमान को देखते हुए भारत की अनुमानित श्रम आपूर्ति वृद्धि 2019 की तुलना में कम है। हालांकि, भागीदारी दर अपनी कोविड-19 महामारी की नरमी से उबर गई है, लेकिन यह 2000 के दशक की शुरुआत में दर्ज स्तर से काफी नीचे बनी हुई है। महिलाओं के बीच रोजगार दर कम है।

कलर्स ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी हिंदी जीईसी, कलर्स ने अपने नए फिक्शन शो डोरी को लॉन्च करके बालिका परित्याग के मुद्दे को संबोधित करने के लिए, आज महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पहल के साथ अपने सहयोग की घोषणा की। टेलीविज़न ने एक माध्यम के रूप में समाज को आइना दिखाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है और कई महिलाओं को बदलाव का स्रोत बनने के लिए प्रेरित किया है। सामाजिक बदलाव लाने और बालिकाओं के प्रति लैंगिक पक्षपात को दूर करने के उद्देश्य से, इस सहयोग के माध्यम से कलर्स का उद्देश्य बालिका परित्याग की सामाजिक बुराई के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस विषय पर एक प्राइमटाइम शो लॉन्च करने के अलावा, इस सहयोग के तहत, कलर्स देश भर में किसी भी परित्यक्त बालिका हेतु सहायता चाहने वालों के लिए 24 घंटे की आपातकालीन टोल फ्री चाइल्डलाइन इंडिया हेल्पलाइन नंबर (1098) का प्रचार करेगा। कलर्स पर हर सोमवार से शुक्रवार रात 9ः00 बजे प्रसारित होने वाले शो 'डोरी' का उद्देश्य लोकप्रिय संवाद पैदा करना और इस तरह से बालिका परित्याग के मुद्दे पर जागरूकता फैलाना है।

एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में मध्य प्रदेश के किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की

बड़वानी , एजेंसी। भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2023 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार कट-ऑफ तिथियाँ निम्नलिखित हैं-पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को तूफ़ान, ओलावृष्टि, बाढ़, तूफ़ानी बारिश, बेमौसम बारिश, बादल फटने, प्राकृतिक कारणों से लगी आग जैसे कई बाहरी ख़तरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुक़सान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर संचालन करेगी। यदि सीसीई में फसल के कम आँकड़े पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि फसल की पैदावार कम हुई है, जिसके लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम भी शामिल हैं।

अज़ीम प्रेमजी विवि के बेंगलूरु और भोपाल कैम्पस में यूजी और पीजी कोर्सेस में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

भोपाल एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर कोर्सेस में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। इनमें एम.ए.एजुकेशन, एम.ए.डेवलपमेंट स्टडीज़, मास्टर ऑफ़ पब्लिक हेल्थ और एम.ए. अर्थशास्त्र स्नातकोत्तर के दो वर्षीय कोर्सेस हैं। स्नातक में बी.ए. ऑनर्स और बी.एससी.ऑनर्स कोर्सप्रस्तुत किए जा रहे हैं। स्नातक कोर्स ड्युअल-डिग्री हैं, जो बी.एड. के साथ हमारे कैम्पस में रहकर ही किए जाने हैं। विद्यार्थी हमारे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पहले आवेदकों की लिखित परीक्षा ली जाएगी। लिखित परीक्षा में शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को साक्षात्कार लिया जाएगा। आवेदकों को परीक्षा और साक्षात्कार के प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। एडमीशन के पहले राउण्ड के अंतरगत आवेदन करने की आख़िरी तारीख़ 22 नवम्बर 2023, राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा 24 दिसम्बर 2023, साक्षात्कार जनवरी 2024, एडमीशन फरवरी 2024 रखी गई हैं। यह कोर्स अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलूरु और भोपाल स्थित कैम्पस में चलाए जाएंगे। विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराते हुए उनमें विषय विशेषज्ञता व सामाजिक प्रतिबद्धता का निर्माण करना इन कोर्सेस का लक्ष्य है। उन्हें सार्थक करिअर की तलाश के लिए प्रेरित करना और शिक्षा की राह पर आगे बढ़ाना इन कोर्सेस का उद्देश्य है। विद्यार्थी हमारे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पहले आवेदकों की लिखित परीक्षा ली जाएगी। लिखित परीक्षा में शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को साक्षात्कार लिया जाएगा। आवेदकों को परीक्षा और साक्षात्कार के प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

सनरेस्ट लाइफसाइंस लिमिटेड ने आईपीओ से रु. 10.85 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई

अहमदाबाद एजेंसी। अहमदाबाद स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी, सनरेस्ट लाइफसाइंस लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 10.85 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ 7 नवंबर को सदस्यता के लिए खुला। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना आईपीओ लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करने सहित कंपनी की विस्तार योजनाओं को निधि देने के लिए किया जाएगा। मार्क कॉरपोरेट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के लीड मैनेजर है। पब्लिक इश्यू 09 नवंबर को बंद हो जाएगा।

आईपीओ में रु. 10 के अंकित मूल्य के रु. 84 प्रति शेयर (रु. 74 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) के 12.91 लाख इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है, जिसका मूल्य

कुल मिलाकर रु. 10.85 करोड़ है। एप्लिकेशन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1,600 शेयर है जो प्रति एप्लिकेशन रु. 1.34 लाख के निवेश के बराबर है। आईपीओ के लिए रिटेल आवंटन प्रत्येक इश्यू का 50त्न रखा गया है। मार्केट मेकर आरक्षण भाग 65,600 इक्विटी शेयर है।

2017 में स्थापित, सनरेस्ट लाइफसाइंस लिमिटेड स्वास्थ्य देखभाल और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है। कंपनी की उत्पाद श्रृंखला में कैप्सूल, टैबलेट, सिरप, मलहम, जेल, माउथवॉश, सॉल्यूशन, सस्पेंशन, ड्राई पाउडर और टूथपेस्ट शामिल हैं। सनरेस्ट लाइफसाइंस के उत्पाद पोर्टफोलियो में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-डायरियल, एंटी-फंगल, एंटी- मलेरियल, एंटी-डायबिटिक, डेंटल क्योर, एंटी-प्रोटोजोल, एंटी-हिस्टामाइन, एंटी-हाइपरटेंसिव ड्रग्स, कॉस्मेटिक, एंटी-पैरासिटिक, मल्टीविटामिन, मल्टीमिनरल, न्यूट्रास्युटिकल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी जैसी दवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। 32 उत्पादों के लिए 18 पंजीकृत ट्रेडमार्क के साथ, सनरेस्ट लाइफसाइंस अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद वितरित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी अपने उत्पादों का निर्माण थर्ड पार्टी फार्मा उत्पाद निर्माताओं से कराती है, जिसमें सनरेस्ट समूह की कंपनी ट्रिलेंड फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड (ट्राइलेंड) भी शामिल है। कंपनी के गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में थर्ड पार्टी निर्माता हैं।

श्री निखिलकुमार ठक्कर, श्री अमितभाई ठक्कर, श्री भाग्येश पारेख और श्री भरतकुमार ठक्कर कंपनी के प्रमोटर हैं। इश्यू के बाद प्रमोटर की हिस्सेदारी 69.91त्न होगी। वित्त वर्ष 22-23 के लिए कंपनी ने रु. 24.67 करोड़ का कुल राजस्व और रु. 2.04 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया। 30 जून 2023 तक, रिजर्व्स और सरप्लस रु. 86.6 लाख, कुल संपत्ति रु. 17.06 करोड़ और नेटवर्थ रु. 3.86 करोड़ है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

अडानी विल्मर में अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचेगा गौतम अडानी! कई कंपनियों से चल रही बात

नईदिल्ली, एजेंसी। ऐसी रिपोर्ट है कि गौतम अडानी का अडानी ग्रुप, अडानी विल्मर लिमिटेड में अपनी पूरी 43.97 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचना चाहता है। इसके लिए कई मल्टीनेशनल कंज्यूमर गुड्स कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है। अडानी विल्मर लिमिटेड, अडानी ग्रुप और सिंगापुर की विल्मर इंटरनेशनल का जॉइंट वेंचर है। इसके प्रोडक्ट्स में फॉर्च्यून ब्रांड एडिबल ऑयल प्रमुख है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक महीने के अंदर सौदे पर मुहर लगने की संभावना है। अडानी ग्रुप, अडानी विल्मर लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी की बिक्री के लिए 2.5-3 अरब डॉलर की मांग कर रहा है। विल्मर इंटरनेशनल की भी कंपनी में 43.97 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अडानी विल्मर को 1999 में स्थापित किया गया था। फरवरी 2022 में अडानी विल्मर का आईपीओ आया था। उसके बाद दोनों कंपनियों की शेयरहोल्डिंग कम होकर 43.97 प्रतिशत हो गई। अडानी विल्मर को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 131 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी को 49 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। मुनाफे के घटने का कारण पिछले वर्ष के दौरान रेवेन्यू में गिरावट थी, जिसका असर कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन पर पड़ा। सितंबर 2023 तिमाही में अडानी विल्मर का रेवेन्यू सालाना आधार पर 13.3 प्रतिशत की गिरावट के साथ 12,267.15 रुपए रहा। हालांकि कंपनी कुल खर्चों को घटाकर 12,439.45 करोड़ रुपए करने में सफल रही लेकिन रेवेन्यू में गिरावट इतनी बड़ी थी कि इसके चलते 131 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हो गया।

नोर्बिन ने भारत में अपनी पेशकश के लिए बीएएसएफ का क्राउडसोर्सिंग डिजिटल टूल, रिफिनिश हब पेश किया

मुंबई, एजेंसी। बीएएसएफ के कोटिंग डिवीज़न ने भारत में नोर्बिन ग्राहकों के लिए अपना लोकप्रिय डिजिटल क्राउडसोर्सिंग कलर फ़ॉर्मूला सर्च सिस्टम पेश किया है। इस बीएएसएफ रिफिनिश हब मोबाइल वेब एप्लिकेशन द्वारा भारत में नोर्बिन ग्राहक फ़ॉर्मूले को तेज़ी से सर्च करने, सेव करने और अपलोड करने में समर्थ बनेंगे और क्षेत्र के अन्य यूज़र्स के साथ उसे साझा कर सकेंगे। यह सुविधाजनक प्लेटफ़ॉर्म सबसे अच्छे फ़ॉर्मूलों की पहचान करके कलर एक्सपर्ट्स का एक शक्तिशाली समुदाय बनाता है। इस साझा ज्ञान से यूज़र्स को फ़ॉर्मूला खोजने में लगने वाले समय और बर्बादी को कम करने में मदद मिलेगी, जिससे उनकी एफिशिएंसी में सुधार आएगा। सुसान क्लूज़, वाईस प्रेसिडेंट, सेल्स मैनेजमेंट, ऑटोमोटिव रिफ़िनिश कोटिंग्स सॉल्यूशंस एशिया पैसिफ़िक, बीएएसएफ ने कहा, हम भारत में अपना सफल बीएएसएफ रिफिनिश हब लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

शाकिब अल हसन वनडे विश्व कप 2023 से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन बाईं तर्जनी में चोट के कारण मंगलवार को आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के शेष मैच से बाहर हो गए। शाकिब को सोमवार को श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश के अंतिम लीग चरण के खेल में बल्लेबाजी करते समय चोट लगी थी।

मैच के बाद एक्स-रे में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई जिससे वह पुणे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेश के टूर्नामेंट के आखिरी मैच से बाहर हो गए। राष्ट्रीय टीम के फिजियो बायजेदुल इस्लाम खान ने चोट के बारे में अधिक जानकारी देते हुए कहा, शाकिब को उनकी पारी की शुरुआत में बाईं तर्जनी पर चोट लगी थी, लेकिन उन्होंने सहायक टेपिंग और दर्द निवारक दवाओं के साथ बल्लेबाजी करना जारी रखा। उनके बाएं पीआईपी जोड़ पर फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। रिकवरी तीन से चार सप्ताह में होने का अनुमान है। वह अपना पुनर्वास शुरू करने के लिए आज बांग्लादेश रवाना होंगे।

शाकिब ने 65 गेंदों में 12 चौकों और दो छक्कों की मदद से 82 रन की मैच जिताऊ पारी खेली और अपनी टीम को श्रीलंका पर तीन विकेट से जीत दिलाई। इससे पहले दिन में उन्होंने गेंद से 2/57 का आंकड़ा दर्ज किया था। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी दिया गया।

भारत के विदित वैशाली नें रचा इतिहास बने फीडे ग्रांड स्विस चैम्पियन

डगलस , आइल ऑफ मैन (एजेंसी)। फीडे ग्रांड स्विस के अंतिम और फाइनल 11वें राउंड में सब कुछ वैसा ही हुआ जैसा भारत चाहता था , पुरुष वर्ग में विदित गुजराती और महिला वर्ग में आर वैशाली नें खिताब जीतकर एक नया इतिहास बना दिया । इस जीत के साथ इन दोनों खिलाड़ियों नें फीडे कैंडिडैट में जगह बना ली और ऐसा करने वाले विदित आनंद और प्रज्ञानन्दा के बाद तीसरे खिलाड़ी के बन गए तो वैशाली ऐसा करने वाली कोनेरु हम्पी के बाद दूसरी भारतीय खिलाड़ी बन गयी है ।

परूष वर्ग में अंतिम दिन जब मैच शुरू हुआ तो विदित 7.5 अंको के साथ यूएसए के हिकारु नाकामुरा और रूस के आन्द्रे एसीपेंकों के साथ सयुंक्त बढ़त पर तो थे पर टाईब्रेक में वह तीसरे स्थान पर चल रहे थे पर अंतिम दिन विदित के हाथ में सिर्फ उनकी जीत ही थी और विदित नें एक शानदार एंडगेम खेलते हुए सर्बिया के अलेक्ज़ेंडर प्रेडके को पराजित करते हुए 8.5 अंक बना लिए वहीं पहले बोर्ड पर यूएसए के हिकारु नाकामुरा और भारत के अर्जुन एरिगासी के बीच बाजी ड्रॉ रही तो नीदरलैंड के अनीश गिरि नें एसीपेंकों को मात दे दी और ऐसे में विदित सबसे आगे निकल गए , 8 अंक बनाकर नाकामुरा दूसरे तो 7.5 अंको पर सबसे बेहतर टाईब्रेक के आधार पर एसीपेंकों तीसरे स्थान पर रहे । 7.5 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर भारत के अर्जुन एरिगासी , जर्मनी के विन्सेंट केमर , ईरान के परहम मघसूदलू और नीदरलैंड के अनीश गिरि क्रमशः चौंथे से सातवें स्थान पर रहे ।

वर्ल्ड कप 2023 में आज इंग्लैंड और नीदरलैंड्स के बीच मुकाबला

पुणे (एजेंसी)। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 अपने अंतिम चरण में चल रहा है। जल्द ही सेमीफाइनल के लिए टॉप 4 टीमें सिलेक्ट हो जाएंगी। वहीं गत विजेता इंग्लैंड के लिए यह वर्ल्ड कप किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। वह 7 में से 6 मैच हार कर टूर्नामेंट से भी बाहर हो गए हैं। इतना ही नहीं बल्कि इस वक्त उनके चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए क्वालिफाइ करने के लिए भी लाले पड़े हैं। वह अंक तालिका में 2 पॉइंट्स के साथ आखिरी स्थान पर हैं। वहीं अब उनका अगला मैच 8 नवंबर को नीदरलैंड्स से पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हैं। इंग्लैंड को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालिफाइ करने के लिए किसी भी हाल में यह मैच जीतना होगा। वहीं डच टीम भी ऑफिशियली इस वक्त सेमी की रेस में बनी हुई है। तो दोनों टीमें यह मैच जीतने में पूरी जान लगा देंगी। आइये ऐसे में जानते हैं कि इस रोचक मुकाबले में पिच का मिजाज कैसा रहने वाला है।

इंग्लैंड-नीदरलैंड्स की पिच रिपोर्ट

पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम की पिच बल्लेबाजी के लिए स्वर्ग मानी जाती है। यहां गेंद बल्ले पर सही तरह से आती है और बल्लेबाज जमकर रन बनाते हैं। गेंदबाजों को यहां खास मदद नहीं मिलेगी। पिछले 10 में से 6 वनडे मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 300 से अधिक रन बनाए हैं। इतना ही नहीं बल्कि दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने भी गजब बल्लेबाजी की है। पहली पारी का औसत स्कोर पुणे में 300 है। इस मैदान पर अब तक कुल 10 वनडे मैच खेले गए हैं, जिसमें से 5 पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम और 5 दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। पुणे में ड्यू फैक्टर आने की संभावना ना के बराबर है। ऐसे में इस मैदान पर टीमें चेज करना पसंद करेंगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

इंग्लैंड- जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, सैम करन, लियाम लिविंगस्टोन, डेविड मलान, आदिल राशिद, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, ब्रायडन कार्स, डेविड विली, मार्क वुड और क्रिस वोक्स।

नीदरलैंड- स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान और विकेटकीपर), कोलिन एकरमैन, वेस्ले बारेसी (विकेटकीपर), बास डी लीडे, आर्यन दत्त, साइब्रांड एंगेलब्रेक्ट, रेयान क्लेन, तेजा निदामानुरु, मैक्स ओडोड, साकिब जुल्फिकार, शारिज अहमद, लोगान वान बीक, रोल्फ वान डर मर्वे, पॉल वान मीकेरेन और विक्रमजीत सिंह।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त करने का फैसला रद्द हुआ

कोर्ट करेगा मामले की सुनवाई, तब तक के लिए पुराने बोर्ड मेंबर्स को जगह दी

कोलंबो (एजेंसी)। वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद सोमवार को खेल मंत्री रोशन रणसिंघे द्वारा बर्खास्त किए गए श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड को कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। श्रीलंका की अपील पर अदालत ने देश के क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त करने के खेल मंत्री के फैसले को रद्द कर दिया और पूरी सुनवाई होने तक मंगलवार को फिर बोर्ड मेंबर्स को उनकी जगह दी। कोर्ट ने सोमवार को बोर्ड अध्यक्ष शम्मी सिल्वा की याचिका स्वीकार कर ली। बोर्ड की बहाली दो सप्ताह के लिए है जब अदालत मामले की दोबारा सुनवाई करेगी।

खेल मंत्री ने बोर्ड को बर्खास्त किया था – वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद श्रीलंका के खेल मंत्रालय ने सोमवार, 6 नवंबर, को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को बर्खास्त कर दिया था।श्रीलंका क्रिकेट के लिए एक अंतरिम बोर्ड का गठन भी किया था। खेल मंत्री रोशन रणसिंघे के कार्यालय ने एक बयान में कहा था कि, देश के 1996 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा को नए अंतरिम बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सोमवार को श्रीलंका को वर्ल्ड कप में पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश ने श्रीलंका को रोमांचक मुकाबले में 3 विकेट से हराया।

बोर्ड पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगे थे – बोर्ड पर भ्रष्टाचार के भी आरोप लगे थे। इससे पहले, भारत से मिली हार के बाद खेल मंत्री रोशन रणसिंघे ने शुक्रवार के अपने एक बयान में श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को देशद्रोही और भ्रष्ट कहा था। उन्होंने बोर्ड के सदस्यों से इस्तीफा देने की मांग की थी। इसके बाद, श्रीलंका क्रिकेट के सचिव मोहन डी सिल्वा ने शनिवार, 4 नवंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

श्रीलंका को 2 मैच में जीत और 6 में हार मिली – श्रीलंका आठ मैच में दो जीत के साथ 4 पॉइंट्स लेकर पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर है। श्रीलंका को साउथ अफ्रीका ने 102 रन से, पाकिस्तान ने 6 विकेट से, ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट से, अफगानिस्तान ने 7 विकेट से भारत ने 302 रन से और बांग्लादेश ने 3 विकेट से हराया था। वहीं श्रीलंका ने नीदरलैंड को 5 विकेट से और इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया था।

भारत से मिली 302 रन से हार के बाद बोर्ड था नाराज – वर्ल्ड कप में 2 नवंबर को खेले गए मैच में श्रीलंका को भारत ने 302 रन से हराया था। इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट के नुकसान पर 357 रन बनाया। 358 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंका टीम 55 रन ही बना सकी थी। श्रीलंका की आधी टीम केवल 14 बनाकर आउट हो गई थी। टॉप ऑर्डर पूरी तरह फेल हो गया था। भारत से हार के बाद श्रीलंका बोर्ड ने टीम के खराब प्रदर्शन पर चिंता जाहिर की थी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन, मिलेगा फल

रियान पराग की हो सकती है भारतीय टीम में एंट्री

नईदिल्ली (एजेंसी)। असम के ऑलराउंडर रियान पराग मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2023 में शानदार प्रदर्शन किया है और अब तक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन (510 रन) बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 21 वर्षीय खिलाड़ी का बल्ले से औसत 85 है और उन्होंने टूर्नामेंट में 182.79 की स्ट्राइक रेट से सात अर्द्धशतक बनाए हैं। पराग के असाधारण प्रदर्शन से भारतीय टीम के लिए उनका रास्ता साफ होने की संभावना है क्योंकि रिपोर्टों के अनुसार उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 नवंबर से शुरू होने वाली आगामी टी20 सीरीज में पहली बार टीम में शामिल किए जाने की संभावना है। पराग को अपनी शानदार बल्लेबाजी के अलावा दस मैचों में 24.54 की औसत और 7.29 की इकोनॉमी से 11 विकेट भी लिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पराग इस सीजन में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके हरफनमौला प्रदर्शन को नजरअंदाज करना मुश्किल है। उनकी योग्यता के अलावा, वह एक बेहतरीन फील्डर भी हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के लिए मौजूदा वनडे विश्व कप 2023 में खेल रहे अधिकांश खिलाड़ियों को आराम देंगे और हाल ही में संपन्न एशियाई खेलों में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाले युवाओं का चयन करने की संभावना है। अपने चयन के लिए एक मजबूत दावा पेश करने के लिए पराग देवधर ट्रॉफी के अग्रणी रन-स्कोरर भी थे, जिन्होंने पांच मैचों में 88.50 के औसत और 136.67 के स्ट्राइक रेट के साथ दो शतक और एक अर्धशतक के साथ 354 रन बनाए थे। उनके अलावा अनुभवी भारतीय सीमर भुवनेश्वर कुमार की भी आगामी श्रृंखला में वापसी की संभावना है। सभी वरिष्ठ गेंदबाजों को आराम दिए जाने के बाद भुवनेश्वर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय तेज आक्रमण का नेतृत्व कर सकते हैं। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने आखिरी बार नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20आई के दौरान भारत के लिए खेला था।

विश्व कप की एक पारी में 10 से ज्यादा छक्के उड़ाने वाले बल्लेबाज, यह है शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। फखर जमां जब भारत आए तो वह सबसे बड़े खतरनाक बल्लेबाजों में शामिल थे, लेकिन कुछ ही मैचों बाद बाबर आजम ने उन्हें प्लेइंग-11 से आउट कर दिया। जब हार पर हार होने लगी तो मजबूरन उन्हें वापस लाना पड़ा। उन्होंने इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ पारी में

11 छक्के जड़ते हुए ष्ठस्रु से जीत दिलाई और टूर्नामेंट में पाकिस्तान की वापसी हो गई। इस विश्व कप में एक ही पारी में वह सबसे अधिक छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं। आइए जानते हैं विश्व कप इतिहास में एक पारी में 10 से अधिक छक्के उड़ाने वाले बल्लेबाजों के बारे में...

इयोन मोर्गन के नाम विश्व रिकॉर्ड – इंग्लैंड के तत्कालीन कप्तान इयोन मोर्गन ने 2019 में अफगानिस्तान के खिलाफ 17 छक्के उड़ाए थे। उस मैच में मोर्गन ने 71 गेंदों में 148 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। यह किसी भी वनडे मैच का भी वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

क्रिस ने डबल सेंचुरी में उड़ाए थे 16 छक्के – क्रिस गेल ने कैनबरा में जिम्बाब्वे के खिलाफ बल्ले से आग बरसाई थी। उन्होंने 147 गेंदों में 10 चौके और 16 छक्के उड़ाते हुए 215 रनों की पारी खेली थी। यह मैच विश्व कप 2015 में खेला गया था।

मार्टिन गुप्टिल ने बनाया था सबसे बड़ा स्कोर – न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल ने विश्व कप 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 11 छक्के उड़ाए थे। उन्होंने इस पारी में 163 गेंदों में 237 रनों की पारी खेली थी, जो विश्व कप की सबसे बड़ी पारी है।

फखर जमां भी लिस्ट में – फखर जमां ने इस विश्व कप में 4 नवंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ 103 गेंदों में 8 चौके और 11 छक्के के दम पर नाबाद 126 रनों की पारी खेली थी। वह 10 या उससे अधिक छक्के जड़ने वाले विश्व कप में इकलौते पाकिस्तानी और आखिरी बल्लेबाज हैं।

लिस्ट में कोई नहीं है भारतीय – इस खास लिस्ट में कोई भी भारतीय बल्लेबाज शामिल नहीं है। हालांकि, वनडे पारी की बात करेंगे तो इसमें रोहित शर्मा का नाम है। हिटमैन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 209 रनों की पारी के दौरान 16 छक्के उड़ाए थे।

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, विश्व कप के बाद शुरू होगी सीरीज

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की सीनियर पुरुष टीम के चयनकर्ताओं ने इस महीने के अंत में बांग्लादेश में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए स्पिन-भारी टीम का चयन किया है जिसमें काइल जैमीसन, रचिन रवींद्र और मिशेल सेंटनर की वापसी होगी। यह श्रृंखला ब्लैक कैप्स के लिए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे चक्र की शुरुआत है और इसमें ल्यूक रोंची के नेतृत्व में एक कोचिंग टीम शामिल होगी जो नियमित मुख्य कोच के रूप में है, क्योंकि गैरी स्टीड भारत में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के बाद घर लौट रहे हैं।

श्रृंखला में रोंची को गेंदबाजी कोच जैकब ओरम (तेज गेंदबाज) और सकलैन मुश्ताक (स्पिन) के साथ-साथ डैनियल फ्लिन द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी जो पहली बार बल्लेबाजी कोच के रूप में टीम में शामिल हुए हैं। बांग्लादेश में स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों की उम्मीद के साथ चयनकर्ताओं ने बाएं हाथ के स्पिनर अजाज पटेल और लेग स्पिनर ईश सोढ़ी को शामिल करने के लिए सफेद गेंद के विशेषज्ञ रचिन रवींद्र, जैमीसन और मिशेल सेंटनर को वापस लाया है।

सेंटनर 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में अपने 24 टेस्ट मैचों में से आखिरी मैच खेलने के बाद टीम में लौट आए हैं और फ्रंट-लाइन स्पिनरों के रूप में अजाज पटेल और ईश सोढ़ी के साथ शामिल हो गए हैं। सेंटनर का चयन 2022/23 में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के लिए उनके सबसे सफल प्लंकेट शील्ड सीजन के बाद हुआ है जहां 31 वर्षीय ने 26 की औसत से 15 विकेट लिए और बल्ले से 52 की औसत से रन बनाए।

ऑफ-स्पिनिंग ऑलराउंडर रचिन रवींद्र और ग्लेन फिलिप्स द्वारा स्पिन विकल्पों को और बढ़ावा दिया गया है जो भारत में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद टेस्ट टीम में लौट आए हैं। विश्व कप में तीन शतक लगाने वाले रवींद्र जनवरी 2022 में बे ओवल में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद से टेस्ट में अपनी पहली टीम में लौट आए हैं, जबकि फिलिप्स को दिसंबर में पाकिस्तान की यात्रा के बाद एक बार फिर टेस्ट टीम में शामिल किया गया है।

फरवरी में पीठ की सर्जरी के बाद काइल जैमीसन की भी टेस्ट टीम में स्वागतयोग्य वापसी हुई है और वह तीन सदस्यीय तेज आक्रमण में कप्तान टिम साउदी और मैट हेनरी के साथ शामिल हो गए हैं। 28 वर्षीय तेज गेंदबाज ने केवल 16 टेस्ट मैचों में 19 की औसत से 72 विकेट लिए हैं जिससे वह सबसे तेज 50 टेस्ट विकेट (9 टेस्ट में) तक पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के खिलाड़ी बन गए और उन्हें सफल 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने कहा कि टीम का चयन दौरे की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया गया है। उन्होंने कहा, एजाज, ईश, मिच, ग्लेन और रचिन के साथ हमारे पास एक मजबूत स्पिन समूह है जो श्रृंखला के दौरान अच्छी विविधता और विकल्प प्रदान करेगा। पिछली गर्मियों में मिच के पास प्लंकेट शील्ड अभियान का एक मजबूत हिस्सा था और उसने लाल गेंद की गेंदबाजी में अच्छी प्रगति की है। उनके पास उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में भरपूर अनुभव है और एक वास्तविक ऑलराउंडर के रूप में बल्लेबाजी क्रम में गहराई जोड़ते हैं।

बांग्लादेश सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम

टिम साउथी (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, अजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, केन विलियमसन, विल यंग

बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज

दो दिवसीय अभ्यास मैच - 23-24 नवंबर - सिलहट

पहला टेस्ट - 28 नवंबर - 2 दिसंबर - सिलहट

दूसरा टेस्ट - 6-10 दिसंबर - शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम, ढाका

यह शर्मनाक, खेल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा: एंजेलो मैथ्यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज ने बांग्लादेश के खिलाफ उनके 'टाइम आउट' के लिए विरोधी टीम और कप्तान शाकिब अल हसन की अपील को 'शर्मनाक' करार दिया और कहा कि इससे खेल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। मैथ्यूज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 'टाइम आउट' होने वाले पहले बल्लेबाज बने। मैथ्यूज जैसे ही क्रीज पहुंचे और हेलमेट लगाने लगे तो उसका स्ट्रैप टूट गया।

उन्होंने ड्रेसिंग रूम से दूसरा हेलमेट लाने का इशारा किया लेकिन इसमें दो मिनट से अधिक का समय लग गया। इस बीच शाकिब ने मैथ्यूज के खिलाफ टाइम आउट की अपील की और अंपायर मराइस इरासमस ने उन्हें आउट करार दे दिया मैथ्यूज ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया था और यह सिर्फ साजो सामान के खराब होने से जुड़ी समस्या थी।

मैथ्यूज ने श्रीलंका की तीन विकेट की हार के बाद कहा, 'मैंने कुछ भी गलत नहीं किया था। मेरे पास क्रीज पर पहुंचने और खुद को तैयार करने के लिए दो उपकरण की खराबी थी। और मुझे नहीं पता कि सामान्य समझ कहां गई। अगर वे इस तरह क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो जाहिर तौर पर यह शाकिब और बांग्लादेश के लिए शर्मनाक है। अगर वे उस स्तर तक गिर गए हैं तो मुझे लगता है कि कुछ बहुत गलत है।%

उन्होंने कहा, 'नियम कहता है कि आपको दो मिनट के भीतर तैयार रहना होगा और मैं वहां दो मिनट 45 या 50 सेकेंड तक था। मेरा हेलमेट टूटने के बाद भी मेरे पास पांच सेकेंड और थे और अंपायरों ने भी हमारे कोच से कहा है कि उन्होंने मेरा हेलमेट टूटते नहीं देखा। मेरा मतलब है, मैं सिर्फ अपना हेलमेट मांग रहा था। मैथ्यूज ने कहा, 'यह सिर्फ सामान्य समझ है। मैं मांकडिंग या क्षेत्ररक्षण में बाधा डालने की बात नहीं कर रहा हूं। यह बिल्कुल सामान्य समझ है। खेल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया गया। यह बेहद शर्मनाक है।

मैच के बाद श्रीलंका के खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाड़ियों के साथ हाथ नहीं मिलाया, टीम के इस बर्ताव के बारे में पूछे जाने पर मैथ्यूज ने कहा,

सम्मान करते हैं। मेरा मतलब है कि हम सभी इस खूबसूरत खेल के दूत हैं जिनमें अंपायर भी शामिल हैं। तो फिर यदि आप सम्मान नहीं करते हैं और यदि आप आप और क्या मांग सकते हैं?

मैथ्यूज ने कहा कि अब उनके मन में शाकिब और बांग्लादेश की टीम के लिए कोई सम्मान नहीं है। बांग्लादेश टीम का काफी सम्मान था। जाहिर है आप सभी जीतने के लिए खेलते हैं। और यदि यह नियम के अंतर्गत है तो ठीक है। लेकिन नियम स्पष्ट रूप से कहता है, आज मेरे मामले में मैं दो मिनट के भीतर वहां था। हमारे पास वीडियो सबूत हैं। हम बाद में एक बयान देंगे। हमारे पास वीडियो सबूत हैं, फुटेज हैं, सब कुछ देखा गया। मैं यहां सिर्फ आकर बातें नहीं कह रहा हूं। मैं सबूत के साथ बात कर रहा हूं।

मैथ्यूज ने कहा, 'हमारे पास वीडियो सबूत हैं जहां कैच लेने के समय से लेकर और फिर जब मैं क्रीज में चला गया, तब भी मेरे पास हेलमेट टूटने के बाद पांच सेकेंड का समय था। हम खिलाड़ियों की सुरक्षा के बारे में बात करते हैं- आप लोग मुझे बताएं कि क्या मेरे लिए बिना हेलमेट के गार्ड लेना सही है?

मैथ्यूज ने अंपायरों को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे उन्हें आउट देने से पहले तकनीक का इस्तेमाल कर सकते थे। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उस समय अंपायरों की बड़ी जिम्मेदारी थी खिलाड़ी की सुरक्षा के बारे में बात करते हैं। वे स्पिनर के खिलाफ विकेटकीपर को बिना हेलमेट के विकेटकीपिंग नहीं करते देते तो मैं बिना हेलमेट के गार्ड कैसे ले सकता हूं। यह पूरी तरह से उपकरण की खराबी है।

मैथ्यूज ने कहा कि उन्होंने अपने 15 साल के करियर में किसी टीम को इतना नीचे गिरते हुए नहीं देखा और वे स्तब्ध थे कि इस मामले में समझदारी से काम नहीं लिया गया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अपने 15 साल के करियर में मैंने कभी किसी टीम को उस स्तर तक नीचे जाते नहीं देखा क्योंकि जाहिर तौर पर अंपायरों ने भी स्वीकार किया कि यह उपकरण की खराबी थी और वे तीसरे अंपायर से इसे दिखा सकते थे।

मैथ्यूज ने कहा, 'उस समय ऐसा नहीं करने और फिर बाद में कहने का क्या मतलब है? मैं यह नहीं कह रहा हूं कि अगर मैं वहां होता तो हम मैच जीत सकते थे। यह एक अलग कहानी है लेकिन फिर भी, तकनीक का उपयोग करने के लिए आपके अंदर सामान्य समझ जरूरी है। साथ ही यह स्पष्ट रूप से एक खराबी थी। मेरा मतलब है कि यह बस टूट गया। मेरा इरादा इसे खींचकर तोड़ने का नहीं था। मेरे पास फिर भी समय था और मैं पूरी

सुबह-सुबह वोट डालने पहुंचे सीएम जोरमथांग, बैरंग लौटना पड़ा

अइज़ोल, एजेंसी। मिजोरम में विधानसभा की 40 सीटों के लिए मतदान कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जोरमथांग सुबह-सुबह अपना वोट डालने पहुंच गए थे लेकिन मतदान केंद्र से उन्हें बैरंग लौटना पड़ गया। बूथ पर ईवीएम में कुछ खराबी आ गई थी और इसलिए वह काम नहीं कर रही थी। मुख्यमंत्री को एक जरूरी बैठक में शामिल होना था इसलिए वह लौट गए। बाद में उन्होंने मतदान किया। मुख्यमंत्री ने बताया, मशीन काम नहीं कर रही थी। हमने कुछ समय इंतजार किया लेकिन मशीन चल नहीं पाई। अब मैं बाद में अपना वोट

डालूंगा।

सरकार बनाने का विश्वास: मुख्यमंत्री और मिजो नेशनल फ्रंट के चीफ जोरमथांग ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि उनकी पार्टी बहुमत की सरकार बना लेगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने के लिए 21 सीटों की जरूरत है जबकि उनकी पार्टी को 25 से ज्यादा सीटें मिलने जा रही हैं। उन्होंने कहा, कोरोना की चुनौती के बाद भी राज्य में विकास कार्य हुए हैं। इसलिए जनता को उनकी सरकार पर भरोसा है।

मुख्यमंत्री जोरामथांग ने कहा कि राज्य में वह भाजपा के साथ गठबंधन में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र में वह एनडीए के साथ हैं। राज्य में भी वैचारिक रूप से एनडीए के साथ हैं लेकिन इस चुनाव में उनका भाजपा से गठबंधन नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तक ना तो भाजपा ने गठबंधन के लिए कहा है और ना ही उन्होंने ही भाजपा से कोई आग्रह किया है। बता दें कि जोरामथांग ऐजॉल ईस्ट - 1 से चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार 40 सीटों के लिए 174 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव परिणाम का ऐलान 3 दिसंबर को किया जाएगा। मिजोरम के अलावा आज छत्तीसगढ़ में भी पहले चरण का मतदान करवाया जा रहा है। मिजोरम में चुनाव के दौरान तीन राज्यों से जुड़ी सीमाओं को सील कर दिया गया है। इसके अलावा मिजोरम की सीमा म्यांमार और बांग्लादेश से भी लगती है। इसे भी सील किया गया है।

ममता बनर्जी ने कसा तंज- मैंने अपने नाम पर कोई सड़क या स्टेडियम नहीं बनवाया

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार की ओर से कई स्कीमों के लिए फंड न जारी किए जाने पर एक बार फिर हमला बोला। उन्होंने भवानीपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे किसी पब्लिसिटी की जरूरत नहीं है। ममता ने कहा कि मेरे नाम पर कोई स्टेडियम या फिर रोड नहीं है। ममता बनर्जी ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन माना जा रहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी पर उन्होंने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि गरीब लोगों को 100 दिनों के काम के बाद भी पेमेंट नहीं मिल पा रही है। ममता ने कहा, हमें मनरेगा के लिए फंड नहीं मिल रहा है। पीएम

आवास और सड़क योजना के लिए भी केंद्र सरकार की ओर से फंड अटका है।

उन्होंने कहा दुर्गा पूजा के एक आयोजन में कहा कि हम सद्भाव और धार्मिक एकता का संदेश दे रहे हैं। हम विभाजनकारी राजनीति नहीं करते। यहां किसी से भी धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होता और सभी को साथ लेकर चलते हैं। पूरी दुनिया ही वैश्विक ग्राम है। मैं अपनी जन्मभूमि से प्यार करती हूं। इसलिए मैं ज्यादातर चुप ही रहती हूं और किसी भी नेता पर निजी हमले नहीं करती। उन्होंने कहा कि यह धरती तो संस्कृति, एकता और सद्भाव की है। यही वह धरती है, जहां से आजादी का संघर्ष शुरू हुआ था। सीएम ने कहा कि देश की आजादी के संघर्ष में बंगाली और सिख समुदाय ने अपना सर्वश्रेष्ठ बलिदान दिया था। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बंगाल में टीएमसी मुश्किलों का सामना कर रही है। एक तरफ राशन घोटाले के आरोप में ज्योतिप्रिय मलिक को ईडी ने अरेस्ट कर लिया है तो वहीं महुआ मोइत्रा के खिलाफ संसदीय समिति जांच कर रही है। उन पर कैश के बदले सवाल पूछने का आरोप लगा है। इसके अलावा ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भी ईडी की जांच चल रही है और उनसे पूछताछ भी की जा चुकी है। इसके अलावा कई अन्य मंत्री भी अरेस्ट हो चुके हैं। ऐसे में भ्रष्टाचार के मामलों में घिरी टीएमसी क्या रणनीति अपनाएगी, यह देखने वाली बात होगी।

सनातन धर्म पर उदयनिधि स्टालिन की बयानबाजी जारी, फिर बोले- हमेशा करूंगा विरोध

चेन्नई, एजेंसी। सनातन धर्म को लेकर तमिलनाडु सरकार में मंत्री और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि की टिप्पणियां जारी हैं। उन्होंने साफ कर दिया है कि वह सनातन धर्म को लेकर अपना रुख नहीं बदलेंगे। साथ ही उदयनिधि का कहना है कि उन्होंने कुछ गलत नहीं कहा है। इधर, मद्रास हाईकोर्ट ने कार्रवाई नहीं करने को लेकर पुलिस की भी आलोचना की है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मैंने जो कहा, उसमें कुछ भी गलत नहीं था। हम कानूनी रूप से मामले का सामना करेंगे। मैं अपना रुख नहीं बदलूंगा। मैंने केवल अपनी विचारधारा के बारे में बात की है। मद्रास उच्च न्यायालय की टिप्पणी के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने अपना रुख दोहराया।

उदयनिधि ने कहा, मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा है। मैंने जो भी कहा सही कहा है और कानूनी रूप से इसका सामना करूंगा। मैं अपना बयान नहीं बदलूंगा। मैंने अपनी विचारधारा की बात की है। जो भी आंबेडकर, पेरियार या तिरुमावलावन से ज्यादा कुछ नहीं कहा है मैं विधायक, मंत्री या युवा

मोर्चा का सचिव हो सकता हूं और शायद कल न रहूं। इंसान होना ज्यादा जरूरी है।

डीएमके नेता ने कहा, हम कई सालों से सनातन धर्म की बात कर रहे हैं। जबकि, नीट 6 साल पुराना मुद्दा है। यह सदियों पुराना मुद्दा है। हम इसका हमेशा विरोध करेंगे। सितंबर में ही उदयनिधि ने सनातन धर्म को उखाड़ने की बात कही थी। साथ ही सनातन की तुलना बीमारियों से की थी। अदालत ने एक संबंधित याचिका पर कहा था कि यह पुलिस की ओर से कर्तव्य में लापरवाही थी क्योंकि उसने उदयनिधि स्टालिन और हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पीके शेखरबाबू के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, जिन्होंने यहां दो सितंबर को सनातन धर्म उन्मूलन सम्मेलन में भाग लिया था।

लखनऊ की 2.6 हजार सेक्स वर्कर भी चुनेंगी सांसद, मतदाता सूची में शामिल

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ में करीब 2.6 हजार सेक्स वर्कर हैं। चुनाव आयोग के निर्देश पर तीन सरकारी एजेंसियों की मदद से इनको चिह्नित कर मतदाता सूची में शामिल किया गया है। सेक्स वर्कर भी इस बार सांसद चुनने केलिए मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगी। चुनाव आयोग ने इस संबंध में विशेष निर्देश जारी किए थे। इसके बाद एड्स कंट्रोल सोसाइटी, राज्य टीबी नियंत्रण और समाज कल्याण विभाग के समन्वय से विभिन्न इलाकों में रहने वाली सेक्स वर्कर को चिह्नित किया गया।

50 साल के कांग्रेस विधायक ने बिना तलाक के किया दूसरा निकाह, चुनावी एफिडेविट में जिक्र

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने हिंदू युवती से दूसरी शादी है। 50 साल के विधायक कागजी ने बिना तलाक के दूसरा निकाह किया है। चुनावी हलफनामे में इसका जिक्र किया है। विधायक कागजी ने नामांकन के अंतिम दिन सोमवार को जयपुर की किशनपोल से पर्चा दाखिल किया है। कागजी ने 2018 का चुनाव किशनपोल से ही जीता था। कांग्रेस ने दूसरी बार फिर से टिकट दिया है। विधायक कागजी की पहली पत्नी का नाम रेशमा है, जिनसे उनके चार पुत्र-पुत्रियां हैं। इसका जिक्र उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। इस बार जब चुनावी नामांकन पत्र भरा गया तो उसमें दूसरी पत्नी का जिक्र भी है। शपथ पत्र में मोनिका शर्मा कागजी के नाम से दूसरी पत्नी का जिक्र किया गया है। वहीं, बात करें कागजी की संपत्ति की तो 5 साल में 95.78 लाख संपत्ति कम हुई है। साल 2018 में कुल सम्पत्ति (चल व अचल) 7.82 करोड़ सम्पत्ति, जो इस बार 95.78 लाख रुपए कम होकर 6.86 करोड़ रह गई।चुनावी हलफनामे के अनुसार दोनों पत्नियों रेशमा और मोनिका के नाम भी सम्पत्ति है। रेशमा के नाम 13.73 लाख और मोनिका के नाम 12.73 लाख की चल सम्पत्ति हैं। दोनों के पास 21-21 तोला सोना, 15-15 हजार नकदी और बैंक में जमा राशि है। बता दें जयपुर की किशनपोल से कांग्रेस विधायक अमीन कागजा गहलोत सरकार के नं. दो माने जाने वाले मंत्री शांति धारीवाल से भिड़ चुके हैं। कागजी ने आरोप लगाया था कि धारीवाल ने कोटा का विकास कराया। जयपुर का नहीं है। कोटा से कांग्रेस की सरकार नहीं बनेगी। इस तरह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस तरह एक बार गहलोत के स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा के आवास पर जमकर बवाल काटा था। दरअसल, विधायक कागजी का आरोप था कि उनके विधानसभा क्षेत्रों के चिकित्सकों का तबादला धर्म के आधार पर किया गया है। इस पर हंगामा कर दिया। हालांकि, बाद में विवाद बढ़ने पर स्वास्थ्य मंत्री ने तुरंत ही तबादले के आदेश निरस्त कर दिए थे।

हिमाचल में पकड़ा गया सवा दो करोड़ का गहना, विभाग ने वसूला 13 लाख का जुर्माना

शिमला, एजेंसी। सोमवार को एक्साइज विभाग ने हिमाचल प्रदेश में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने दो जिलों में जांच के दौरान दो करोड़ रुपए से ज्यादा के गहने जब्त किए हैं। राज्य के उत्पाद शुल्क आयुक्त यूनुस ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि गहने बिना वैध डॉक्यूमेंट के थे। इस दौरान टीम ने 13 लाख रुपए का जुर्माना भी वसूला है। विभाग द्वारा यह कार्रवाई एक गुप्त सूचना के बाद की गई है। इसके साथ ही आयुक्त ने लोगों से शिकायत करने के लिए एक टोल फ्री नंबर भी साझा किया है। अवैध शराब भी जब्त की गई है। विभाग ने यह बड़ी कार्रवाई हिमाचल के दो जिलों में की है।। शिमला एक्साइज टीम ने 1.33 करोड़ रुपये और सोलन टीम ने 84 लाख रुपये के गहने जब्त किए गए हैं। राज्य के उत्पाद शुल्क आयुक्त ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि दोनों टीमों ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम, 2017 के तहत कुल 13 लाख रुपये का जुर्माना भी वसूला है। उन्होंने बताया कि टीम ने राज्य के कई जिलों में अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए 200 लीटर शराब भी नष्ट की है। इस दौरान 23 पेटी अंग्रेजी शराब भी जब्त की गई है।

राजस्थान के तीतर सिंह, 78 साल की उम्र, घर का सामान बेच भरा पर्चा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के तीतर सिंह ने 78 साल की उम्र में 32 वीं बार नामांकन पत्र दाखिल किया है। चुनाव लड़ने का ऐसा जुनून की घर का सामान बेचकर नामांकन पत्र भरा है। श्रीकरणपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव 25 एफ गुलाबेवाला निवासी तीतर सिंह पुत्र सौदागर सिंह मजहबी सिख दिहाड़ी मजदूरी से जुड़े हैं। पहली बार 1985 में विधानसभा चुनाव में पहला नामांकन दाखिल किया था। इसके बाद उन्होंने हर विधानसभा व लोकसभा चुनाव के साथ सरपंच व पंचायत समिति सदस्य के लिए नामांकन-पत्र दाखिल किया। खास बात ये है कि तीतर सिंह की हर बार जमानत जब्त हुई लेकिन उन पर चुनाव लड़ने का जुनून सवार है। उनका कहना है कि जनप्रतिनिधि बनकर वो गरीबों का उत्थान करना चाहते हैं और यह भी ख्वाहिश है कि इतने नामांकन दाखिल करने पर उसका नाम गिनीज बुक में दर्ज हो। तीतर सिंह को श्रीकरणपुर का धरतीपकड़ भी कहा जाने लगा है। पत्नी गुलाब कौर के साथ नामांकन जमा कराने के बाद तीतर सिंह ने बताया कि उसने केवल पांचवीं तक पढ़ाई की लेकिन उम्र बीतने के साथ अब वह पढना़-लिखना भूल गया है लेकिन हस्ताक्षर कर लेता है। विधानसभा चुनाव-2013 में तितर सिंह को 427 तथा विधानसभा चुनाव-2018 में उसे 653 वोट मिले थे। तीतर सिंह ने बताया कि जीविका उपार्जन के लिए उसका परिवार दिहाड़ी मजदूरी कर काम चलाता है। ऐसे में नामांकन-पत्र दाखिल करने के लिए उसे कई बार अपनी बकरियां और घर का सामान भी बेचना पड़ा। उनके पास करीब दो दर्जन बकरियां थी जो अब केवल तीन रह गई हैं। इस बार उन्होंने उधार और चंदा एकत्र कर पैसे एकत्र किए और नामांकन दाखिल किया।

राजस्थान में बीजेपी ने गलती से मुस्लिम को दिया टिकट? फिर वापस ले लिया

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में बीजेपी ने इस बार एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया है। अजमेर की मसूदा सीट से गलती से टिकट दे दिया, वह भी वापस ले लिया है। मसूदा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रहे अभिषेक सिंह चौहान का टिकट काट दिया है। बीजेपी ने राजपूत समझकर टिकट दिया था। ऐसा कहा जा रहा है कि अभिषेक चौहान मुस्लिम है। धर्मांतरण कर मुस्लिम बने है। अजमेर में विश्व हिंदू परिषद धर्म परिवर्तित कर मुस्लिम बने लोगों के हिंदू धर्म में वापसी के लिए काम कर रही है, लेकिन बीजेपी ने राजपूत समझ कर टिकट दे दिया। अभिषेक सिंह के ऊपर तथ्यों को छुपाने का आरोप है, इसलिए उनका नाम बीजेपी आलाकमान ने काट दिया है। अब उनकी जगह पर मसूदा से पूर्व प्रधान वीरेंद्र सिंह कानावत को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा है। मसूदा में 30 हजार मुस्लिम वोट है। हार-जीत में निर्णायक भूमिका निभाते है। दरअसल, अजमेर की मसूदा सीट से भाजपा को प्रत्याशी बदलना पड़ गया। पूर्व घोषित अभिषेक सिंह चौहान के धर्म को लेकर विवाद के बाद टिकट बदल दिया गया। बीजेपी के कुछ नेताओं का आरोप है कि अभिषेक सिंह मुस्लिम है। अभिषेक के मेहरात्र गोत्र होने की वजह से विवाद हो गया। हालांकि, अभिषेक ने मीडिया से बात करते हुए इससे इंकार किया है। अभिषेक सिंह का कहना है कि वह पृथ्वीराज के वंशज है। वह पहले कांग्रेस से जुड़े थे। लेकिन बाद में बीजेपी में शामिल हो गए। ऐनवक्त पर बीजेपी के बैकफुट पर आना पड़ा। बता दें भाजपा ने तय किया था कि मुस्लिम को टिकट नहीं देंगे।

राजस्थान में बीजेपी ने एक भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया है। विधानसभा चुनाव 2018 में बीजेपी ने युनूस खान को टिकट दिया था। लेकिन सचिन पायलट के सामने हार का सामना करना पड़ा था। बीजेपी के एकमात्र मुस्लिम चेहरे युनूस खान ने इस बार बीजेपी छोड़ दी है। नागौर जिले की डीडवाना से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे है। सियासी जानकारों का कहना है कि राजस्थान में 9 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है। जो कि 36 सीटों पर असर डालती है। लेकिन इसके बावजूद बीजेपी ने एक भी मुस्लिम को प्रत्याशी नहीं बनाया है। अजमेर की मसूदा में करीब 30 हजार मुस्लिम है। राजपूत भी बड़ी संख्या में है। गुर्जर भी बड़ी संख्या में है। पिछली बार कांग्रेस के राकेश पारीक चुनाव जीते थे। सचिन पायलट गुट के माने जाते है। सियासी जानकारों का कहना है कि 30 हजार मुस्लिम होने के बावजूद बीजेपी ने मुस्लिम प्रत्याशी का टिकट काट दिया है।

कांग्रेस ने बंपर टिकट दिए

कनाडा में सिख फॉर जस्टिस पर बैन लगाने की मांग, पीएम जस्टिन ट्रूडो को लिखा गया भावुक पत्र

ओटावा, एजेंसी। प्रसिद्ध मीडिया संगठन रेडियो इंडिया (सरे) के प्रबंध निदेशक मनिंदर सिंह गिल ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को पत्र लिखकर किसी विशेष पार्टी के बजाय पूरे पंजाबी सिख समुदाय के हितों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि एक मीडिया हस्ती के रूप में, यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे कनाडा में भारतीय-कनाडाई समुदाय के सामने आने वाली सुरक्षा चिंताओं को सक्षम सरकार के ध्यान में लाएं।

गिल ने कहा, कनाडा में भारतीय-कनाडाई समुदाय के खिलाफ नफरत और धमकी की हरकतें खतरनाक स्तर पर पहुंच गई हैं। कनाडा में दिनदहाड़े इंडो-कनाडाई समुदाय पर शारीरिक हमले आम हो गए हैं। सरे में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को लेकर उन्हें खुद भी शारीरिक हमले और जान से मारने की धमकियों का सामना करना पड़ा है, लेकिन देश में कानून के तहत उन्हें अभी तक कोई न्याय नहीं मिला है, जबकि ये हमले 19 मार्च 2023 को पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुए थे। पन्नू की धमकियां कर रहीं परेशान उन्होंने कहा कि सुरक्षा संबंधी

खतरे अब खुला आतंकवाद बन गए हैं क्योंकि सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के गुरपतवंत पन्नू ने भारतीय समुदाय को एयर इंडिया पर हमला करने की खुलेआम धमकी दी है। पन्नू ने सिख समुदाय को खुलेआम चेतावनी दी है कि वे एयर इंडिया से यात्रा न करें क्योंकि उनकी जान को खतरा हो सकता है। यह आतंकी धमकी गुरपतवंत पन्नू की हिंदू समुदाय को दी गई धमकी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने हिंदू समुदाय से कनाडा छोड़कर भारत वापस जाने को कहा था। उन्होंने कहा कि ये आतंकी धमकियां एयर इंडिया आतंकी हमले के 329 कनाडाई पीड़ितों को परेशान करती हैं, जिनके परिवार के सदस्य इस घटना में मारे गए थे। गिल ने कहा कि पन्नू की हालिया धमकियां उन परिवारों के घावों पर नमक छिड़कने के समान हैं जिन्हें आज तक न्याय नहीं मिला है।

कानून के बारे में बात करते हुए गिल ने कहा, झूठी सूचना फैलाकर किसी विमान की सुरक्षा को खतरे में डालना कनाडाई आपराधिक संहिता की धारा 77 के तहत आजीवन कारावास की सजा वाला अपराध है। कनाडा की आपराधिक संहिता की धारा 319(2) के तहत लोगों के एक समूह के खिलाफ जानबूझकर नफरत भड़काना एक गंभीर अपराध है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय इस बात से व्यथित है कि गुरपतवंत पन्नू जैसे लोग कनाडा में कानूनी छूट का आनंद क्यों ले रहे हैं।

पाकिस्तान ने अब तक 1.70 लाख से अधिक अफगानों को जबरन देश से निकाला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान अपने प्रवासियों को वापस भेजने के अभियान के तहत अब तक 1.70 लाख से अधिक अफगानों को जबरन देश से निकाल चुका है।पाकिस्तान में अवैध रूप से रहे विदेशी नागरिकों को निकालने के अभियान के तहत रविवार को 6,500 से अधिक और अफगानिस्तानी नागरिकों ने तोरखम सीमा के रास्ते देश छोड़ दिया। इन्हें मिला कर पाकिस्तान छोड़ने वाले अफगान नागरिकों की कुल संख्या 1,70,000 से अधिक हो गई है। सीमा सरकार ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को एक नवंबर तक पाकिस्तान छोड़ने का आदेश देते हुए कहा था कि ऐसा न करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उसके इस कृत्य की अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार निकायों द्वारा जमकर आलोचना की जा रही है।

पाक सरकार के आदेश के बाद से ही इन नागरिकों की वापसी जारी है। समाचार पत्र डॉन ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि 17 सितंबर से कुल 1,74,358 अफगान नागरिक अपने देश रवाना हो चुके हैं। स्वैच्छिक वापसी जारी है और हर बीतते दिन के साथ वापस जाने वालों की संख्या घट रही है। पाकिस्तान से प्रवासियों को वापस भेजने के अभियान में शामिल एक अधिकारी ने कहा, प्रवासियों को दी गई समय सीमा के खत्म होने तक देश की सीमा पर प्रवासियों की बड़ी संख्या थी लेकिन अब यह घट रही है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं और बच्चों समेत 6,584 अफगान नागरिकों ने रविवार को पाकिस्तान छोड़ दिया। वहीं शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब की विभिन्न जेलों से 209 कैदियों को 46,936 पुरुषों, 35,507 महिलाओं और 85,331 बच्चों के साथ वापस भेजा गया।

पाकिस्तान से तीन नवंबर को 148 कैदियों, 44,718 पुरुषों, 33,699 महिलाओं और 82,221 बच्चों को वापस भेजा गया। आधिकारिक आंकड़ों में बताया गया कि अपनी इच्छा से अफगानिस्तान लौटने वाले लोगों के अलावा छोटे-मोटे अपराधों के कारण जेल में बंद कैदियों को भी वापस भेजा जा रहा है। कार्यवाहक सूचना मंत्री जान अचकजई के अनुसार, चमन सीमा से अफगानिस्तान के लगभग 700 नागरिक अपने देश गए।

मंत्री ने रविवार को क्वेटा के आयुक्त हमजा शफकत के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अफगानिस्तान के 54,000 से अधिक नागरिक अपने देश लौट गए हैं। अधिकारियों ने अफगान परिवारों को यह भी आश्वासन दिया है कि स्वदेश वापस जाने का सारा खर्च सरकार उठाएगी।

ईरान की जेल में कैद नोबल पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी भूख हड़ताल पर बैठीं

दुबई, एजेंसी। नोबल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी ने उनके साथ-साथ अन्य कैदियों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने से रोकने और देश में महिलाओं के लिए हिजाब अनिवार्य किए जाने के विरोध में सोमवार को भूख हड़ताल शुरू की। मानवाधिकार कार्यकर्ता को मुक्त करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के सदस्यों ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। मोहम्मदी (51) के इस फैसले ने उन्हें कैद करने को लेकर ईरान के 'धर्मतन्त्र (धर्म के नाम पर नियम बनाना) पर दबाव बढ़ा दिया है। मोहम्मदी को एक महीने पहले ही, उनके वर्षों पुराने अभियान के लिए नोबल पुरस्कार से सम्मानित करने का ऐलान किया गया था। मोहम्मदी ने सरकार के हिजाब अनिवार्य करने के फैसले के खिलाफ अभियान चलाया है, जिसपर ईरान सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया।

इस बीच, जेल में कैद एक अन्य कार्यकर्ता अधिवक्ता नसरीन सोतौदेह को भी चिकित्सा सुविधा की जरूरत है लेकिन अभी तक उन्हें मदद नहीं मिली है। नसरीन को एक नाबालिग लड़की के अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया था, जिसकी मौत तेहरान मेट्रो में हिजाब नहीं पहनने की वजह से विवादास्पद हालात में हुई थी। नरगिस मोहम्मदी को मुक्त करने के लिए चलाए जा रहे अभियान 'फ्री नरगिस मोहम्मदी के एक कार्यकर्ता ने विदेश में रह रहे उनके परिवार के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि नरगिस ने सोमवार को एविन जेल से एक संदेश भेजकर अपने परिवार को सूचित किया है कि उन्होंने कई घंटों पहले भूख हड़ताल शुरू कर दी है। बयान के मुताबिक, मोहम्मदी और उनके वकील कई सप्ताह से उन्हें

(नरगिस) हृदय और फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं के लिए किसी विशेषज्ञ अस्पताल में भर्ती कराए जाने की मांग कर रहे हैं।

कुछ दिन पहले मोहम्मदी के परिवार ने बताया कि उनकी तीन नसें अवरुद्ध हैं और फेफड़ों में भी समस्या है। इसके बावजूद जेल अधिकारियों ने हिजाब पहनने से मना करने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने से इंकार कर दिया। बयान के मुताबिक, नरगिस दो चीजों के विरोध में आज (सोमवार) से भूख हड़ताल पर हैं। पहली, बीमार कैदियों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करने में विलंब और उन्हें सुविधा प्रदान नहीं करने की ईरान की नीति, जिसके परिणामस्वरूप लोगों की मौत हो रही है। दूसरी, ईरानी महिलाओं के लिए हिजाब अनिवार्य करने की नीति। बयान में कहा गया है, ''अगर हमारी प्रिय नरगिस को कुछ भी होता है तो इस्लामिक राष्ट्र उसके लिए जिम्मेदार होगा। मोहम्मदी सिर्फ पानी, चीनी और नमक ले रही हैं । उन्होंने दवाइयां लेने से इंकार कर दिया है।

नरगिस मोहम्मदी को शांति पुरस्कार से सम्मानित करने वाली नॉर्वे की नोबल समिति ने उनके स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है। समिति के प्रमुख बेरित रीज एंडरसन ने कहा ''महिला बंदियों को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए हिजाब की अनिवार्यता अमानवीय और नैतिक रूप से अस्वीकार्य है। नरगिस ने स्थिति की गंभीरता बताने के लिए अनशन शुरू किया है। नार्वे नोबेल समिति ईरान के प्रशासन से नरगिस और अन्य महिला बंदियों को तत्काल आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने का अनुरोध करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129